शर्मा हार्डওয়ের
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, ● www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 216 | गुवाहाटी | मंगलवार, 28 फरवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम भाजपा मुख्यालय पर आप का प्रदर्शन, कई गिरफ्तार — पेज 3
पहली बार देश के बाहर अंतराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में उड़ान भरेगा एलसीए तेजस — पेज 4
प्रधानमंत्री मोदी ने 'खेलो बनारस' के सफल आयोजन पर काशीवासियों को दी बधाई — पेज 5
लथुआनिया ट्रेड डेलीगेट को राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो में आमंत्रित किया — पेज 8

एग्जिट पोल : त्रिपुरा में भाजपा की वापसी, मेघालय में स्पष्ट नहीं और नगालैंड में भाजपा गठबंधन

तृणमूल को एक सीट भी नही

नई दिल्ली। त्रिपुरा में एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने का अनुमान लगाया जा रहा है। तमाम एग्जिट पोल में इसको लेकर दावे किए गए हैं। यहां 16 फरवरी को 60 विधानसभा सीटों पर चुनाव हुए थे। इस बार चुनाव में कांग्रेस और लेफ्ट ने गठबंधन कर लिया था। आइए जानते हैं एग्जिट पोल में क्या-क्या दावे किए गए हैं? आज तक-एक्सीस माय इंडिया के सर्वे में 6128 लोगों से बातचीत किया गया है। इसके अनुसार, इस बार भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों को 45 प्रतिशत वोट मिलेंगे। 2018 में त्रिपुरा के सभी 60 विधानसभा सीटों पर 18 फरवरी को मतदान हुआ था। कुल 297 उम्मीदवार मैदान में थे। तब सूबे में सीपीआई(एम) की सरकार थी। चुनाव में सीपीआई(एम) ने 57, सीपीआई, आरएसपी, एआईएफबी ने एक-एक सीट पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने अपने 59 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, -शेष पृष्ठ दो पर

किसे कितनी सीटें मिलेंगी ?

भाजपा	36-45
लेफ्ट + कांग्रेस	6-11
तिपरा मोथा +	9-16
अन्य :	0

एनपीपी का जादू बरकरार

नई दिल्ली। मेघालय में कोनराड सांग्मा का जादू इस बार भी बरकरार दिख रहा है। तमाम एग्जिट पोल में अनुमान लगाया गया है कि एनपीपी पूर्ण बहुमत के साथ यहां फिर से सरकार बनाने जा रही है। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी का भी ग्राफ पिछली बार के मुकाबले बढ़ता हुआ दिख रहा है। मेघालय में भाजपा, कांग्रेस, एनपीपी और तृणमूल कांग्रेस समेत इस बार 13 राजनीतिक दल मैदान में हैं। कुल 375 उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। इनमें 36 महिला उम्मीदवार भी शामिल हैं। मेघालय चुनाव में भाजपा और कांग्रेस ने 60-60 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 56 उम्मीदवारों को टिकट दिया है। इसके अलावा सीएम कोनराड के. सांग्मा के नेतृत्व वाली एनपीपी ने 57 उम्मीदवारों, यूडीपी ने 46, एचएसपीडीपी ने 11, पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट ने 9, गण सुरक्षा पार्टी ने एक, गारो नेशनल काउंसिल ने दो, जनता दल (यूनाइटेड) ने तीन उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। एक सीट पर -शेष पृष्ठ दो पर

किसे कितनी सीटें मिलेंगी ?

एनपीपी	21-26
भाजपा	6-11
कांग्रेस	3-6
अन्य	18-22

कांग्रेस व अन्य दलों को झटका

नई दिल्ली। नगालैंड के एग्जिट पोल जारी हो चुके हैं। यहां भी तमाम एजेंसियों के सर्वे के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दल पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बना सकते हैं। कांग्रेस व अन्य दलों को बड़ा झटका लगता हुआ दिख रहा है। इस बार नगालैंड की 59 सीटों पर चुनाव हुए। यहां जुन्हेबोटो की आकुलुटो सीट से भाजपा प्रत्याशी और निर्वतमान विधायक काजहेटो किन्मी निर्विरोध चुनाव जीत गए हैं। ऐसे में इस सीट पर चुनाव नहीं हुए। भारतीय जनता पार्टी और नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) का गठबंधन हुआ है। इसके तहत एनडीपीपी ने 40 और भाजपा ने 20 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। इसके अलावा कांग्रेस और एनपीएफ अलग-अलग चुनाव लड़े। कांग्रेस ने 23 और एनपीएफ ने 22 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। 19 निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी चुनाव में ताल ठोकी थी। पिछले चुनाव में -शेष पृष्ठ दो पर

किसे कितनी सीटें मिलेंगी ?

भाजपा गठबंधन	35-43
एनपीएफ	2-5
कांग्रेस	1-3
एनपीपी	0-1
अन्य :	6-11

पूर्वांचल কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

तुम किसी को दोष मत दो। अगर तुम अपने हाथ आगे बढ़ा कर किसी की मदद कर सकते हो तो करो, अगर नहीं कर सकते हो तो अपने हाथ बांधकर खड़े रहो। अपने वालों को शुभकामनाएं दो और उन्हें उनके रास्ते जाने दो..। आप दोष देने वाले कोई नहीं होते है।

स्वामी विवेकानंद

मतदान : मेघालय में 76 और नगालैंड में 84 प्रतिशत

नई दिल्ली (हि.स.)। दो राज्यों के विधानसभा चुनाव और तीन राज्यों की एक-एक सीट पर उपचुनाव सोमवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। कहीं से कोई बड़ी अप्रिय घटना और दोबारा मतदान कराए जाने की सूचना नहीं है। चुनाव आयोग के अनुसार मेघालय में 76.66 प्रतिशत और नगालैंड में 84.66 प्रतिशत मतदान हुआ है। वहीं, तमिलनाडु की ईरोड (पूर्व) (एससी), पश्चिम बंगाल की सागरदिघी और झारखंड की रामगढ़ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में क्रमशः 70.58, 73.49 और 67.96 प्रतिशत मतदान हुआ है। चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए थे। मेघालय में 3419 और नागालैंड में 2291 मतदान केंद्र बनाए गए थे। 60 सदस्यीय मेघालय विधानसभा की 59 सीटों पर मतदान कराया गया, जबकि सोहिओंग (एसटी) सीट पर एक उम्मीदवार की मौत के चलते चुनाव स्थगित कर दिया गया था। इसी तरह नगालैंड विधानसभा की 60 सीटों में से 59 पर मतदान कराया गया। यहां आकुलुटो सीट पर निर्विरोध निर्वाचन हो गया है। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश की लुमला (एसटी) सीट पर भी निर्विरोध निर्वाचन हुआ है। इससे पहले रविवार को महाराष्ट्र की कसबा पेठ और चिंचवड सीट के लिए मतदान हुआ था। 16 फरवरी को त्रिपुरा राज्य में मतदान हुआ था। तीन राज्यों और विधानसभा उपचुनावों के नतीजे 2 मार्च को आएंगे। मेघालय और नागालैंड के कठिन क्षेत्रों में मतदान कराने के लिए मतदान अधिकारियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। मेघालय में 74 मतदान केंद्रों तक पहुंचने के लिए मतदान दल को पहाड़ी रास्तों और दुर्गम इलाकों का उपयोग करना पड़ा। इस दौरान वेस्ट गारो हिल्स जिले में ड्यूटी के दौरान एक सड़क दुर्घटना में एक मतदान अधिकारी की मौत भी हो गई थी। आयोग ने उसके परिवार को 15 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी है। आयोग के अनुसार तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव के दौरान 27 फरवरी तक 169.64 करोड़ की जब्त गई है। इसमें कीमती धातुएं, नशीले पदार्थ, नकद और अन्य सामग्री शामिल है। वहीं उपचुनावों के दौरान विभिन्न स्थानों -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री को केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री का हर संभव सहयोग का आश्वासन

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से नई दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर लिखा है कि असम के आर्थिक विकास और विकास के लिए हमारे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने असम के विकास को लेकर सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया है।

नगालैंड : एक मतदान केंद्र पर मारपीट, पथराव

कोहिमा (हि.स.)। नगालैंड विधानसभा की 60 में से 59 सीटों के लिए सोमवार सुबह से मतदान जारी है। मतदान प्रक्रिया के दौरान एक-दो स्थानों पर छिटपुट घटनाएं हुई हैं। नगालैंड के अलांगटाकी में मतदान केंद्र पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। मतदाताओं पर पथराव की घटनाएं हुई हैं। दो गुटों के बीच हाथापाई भी हुई है। घटना के कारण मतदान अस्थायी रूप से रोक दिया गया। यह घटना नगालैंड के मोकोकचांग -शेष पृष्ठ दो पर

मनीष सिसोदिया पांच दिन की हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को कोर्ट ने 5 दिन की हिरासत में भेज दिया है। सिसोदिया की गिरफ्तारी को लेकर पूरे देश में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। प्रदर्शन के बीच सीबीआई दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को राउज एवेन्यू कोर्ट लेकर आई। जहां दोनों पक्ष की सुनवाई के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई द्वारा दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की रिमांड मांगे जाने के मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। उसके थोड़ी देर बाद कोर्ट ने सिसोदिया को 5 दिन -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

अखिल गोगोई माओवादी सरगना : एनआईए

गुवाहाटी। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि असम के विधायक अखिल गोगोई को जमानत नहीं दी जा सकती क्योंकि वह राज्य में माओवादी गतिविधियों के एक सरगना हैं। असम में, 2019 में संशोधित नागरिकता कानून(सीएए) विरोधी प्रदर्शनों के दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

लालू-राबड़ी समेत 16 के खिलाफ कोर्ट का समन

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कथित जमीन के बदले नौकरी के मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और 14 अन्य के खिलाफ समन जारी किया। सीबीआई की ओर से उनके खिलाफ दायर चार्जशीट पर संज्ञान लेने के बाद कोर्ट ने आरोपियों को 15 मार्च के लिए समन जारी किया है। आईआरटीसी का मामला रेलवे भर्ती घोटाले से अलग है। आईआरटीसी घोटाले का आरोप भी 2004 -शेष पृष्ठ दो पर

देवरहा आश्रम में भागवत

मीरजापुर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत सोमवार को प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल विंध्याचल के देवरहा बाबा आश्रम कब पहुंचे, किसी को भनक तक नहीं लगी। राष्ट्र के उत्थान की कामना को लेकर सरसंघचालक तीसरी बार देवरहा बाबा आश्रम आए हैं। आठ फरवरी यानी मंगलवार को कलयुग के साक्षात देव रामदूत हनुमानजी को शुद्ध देशी घी से बना 51 मन का लड्डू चढ़ाएंगे और भारत को विश्व गुरू बनाने की कामना करेंगे। लड्डू काशी के कारीगर तैयार किए हैं। डा. मोहन भागवत का देवरहा बाबा आश्रम पर 27 फरवरी को शाम छह बजे आना प्रस्तावित था, लेकिन वे प्रयागराज से सड़क मार्ग से साढ़े चार बजे ही देवरहा बाबा आश्रम पहुंच गए और -शेष पृष्ठ दो पर

उमेश पाल हत्याकांड के एक आरोपी का एनकाउंटर, दूसरा गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस ने उमेश पाल हत्याकांड में शामिल एक बदमाश का एनकाउंटर किया है। बदमाश का नाम अरबाज है। मुठभेड़ सोमवार दोपहर धूमनगंज में नेहरू पार्क के पास हुई। पुलिस के मुताबिक, वारदात के बाद से अरबाज नेहरू पार्क इलाके में छिपा था। उसने थाना प्रभारी राजेश कुमार मौर्या पर गोली चलाई। राजेश के हाथ गोली लगी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। अरबाज के सीने और पैर में गोली लगी है। पुलिस ने घायल अरबाज को स्वरूपरानी नेहरू (एसआईएन) अस्पताल भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। वहीं, घायल थाना प्रभारी राजेश का इलाज चल रहा है। वहीं, अरबाज के एनकाउंटर के -शेष पृष्ठ दो पर

खड़गे सिर्फ नाम के कांग्रेस अध्यक्ष : मोदी

शिवमोगा। प्रधानमंत्री बेलगावी की सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कांग्रेस अधिवेशन के दूसरे दिन की तस्वीर का जिक्र किया, जिसमें सोनिया गांधी को छाता लगाया गया था। पास ही खड़गे भी खड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के गृह राज्य कर्नाटक में थे। उन्होंने बेलगावी की सभा में कहा कि खड़गे सिर्फ नाम के कांग्रेस अध्यक्ष हैं, सबको पता है कि रिमोट कंट्रोल किसके हाथ में है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस में एक विशेष परिवार के आगे कर्नाटक के एक नेता का अपमान किया गया है। इसी धरती की संतान, जिनका 50 साल संसदीय कार्यकाल रहा है। ऐसे खड़गे का मैं बहुत सम्मान करूंगा। उन्होंने जनता की सेवा में सब कुछ करने का प्रयास किया था। मैं देखकर बहुत दुखी हुआ, जब कांग्रेस के रायपुर अधिवेशन में खड़गे का अपमान हुआ। सब धूप में खड़े थे, लेकिन छाता खड़गे जी को नहीं किसी -शेष पृष्ठ दो पर

पीओके के भूमि आवंटन का पाक पीएम को अधिकार नहीं : शौकत अली

लंदन। मानवाधिकार कार्यकर्ता और यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) के अध्यक्ष शौकत अली कश्मीरी ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) जम्मू और कश्मीर की पूर्व रियासत का हिस्सा है। शौकत अली कश्मीरी ट्विटर पर लिखा कि गिलगित बाल्टिस्तान जम्मू और कश्मीर की पूर्व रियासत का हिस्सा है और लोगों को बुनियादी अधिकारों से वंचित किया गया है। यह पाकिस्तानी नीति है और लोगों को वंचित करने और भारतीय भागीदारी के खिलाफ प्रचार करने के लिए फैशन है। पाकिस्तानी एक ऐसा देश है जो हमेशा धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल करता है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का क्षेत्र, जिसे पाकिस्तान एक स्वायत्त क्षेत्र होने का दावा करता है, सात दशकों से भी अधिक समय से बुनियादी अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रहा है। अपने ट्विटर हैंडल पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पीओके की जमीन गैर-राज्य विषयों को आबंटित करने के लिए अधिकृत नहीं हैं। शौकत अली कश्मीरी ने ट्वीट किया कि पीओके (आजाद कश्मीर) जम्मू-कश्मीर की पूर्व रियासत का हिस्सा है और इसकी भविष्य -शेष पृष्ठ दो पर

SRI KHEJRI WALE BALAJEE DHAM
MINGANA
SUJANGARH (RAJASTHAN)
विशाल भजन संध्या ● अखण्ड ज्योत ● अमृत भंडारा
दिनांक : 27.02.2023 समय : सायं 5 बजे से
स्थान : सांगानेरिया धर्मशाला, रेल गेट नं.3, फैंसी बाजार
सांस्कृतिक संध्या
Date : 28.02.2023 Venue:
Time: 5pm onwards ITA Machkhowa
प्रोग्राम के लिए संपर्क करें : 9864785203, 6901555089

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

NAME CHANGE

I, MUNAVATH RAVI, Occ: Army, R/o H.No.02-060/235/24/1, Gajularamaram Village, Gajularamaram, Quthbullapur Mandal, Medchal-Malkajgiri District, Telangana State - 500055, I have change my daughter name as MAHESWARI MUNAVATH instead of MAHESHWARI MUNAVATH, DOB 08/03/2015. Vide affidavit before the Notary Secunderabad, Telangana on 13/05/2022

ईसाई आदिवासी परिवारों के 142 सदस्यों ने फिर अपनाया हिंदू धर्म

जागीरोड (हि.स.)। असम में ईसाई आदिवासी परिवारों के 142 सदस्यों ने हिंदू धर्म में वापसी कर ली है। सोमवार को मोरीगांव जिलांतर्गत जागीरोड़ के तिवासोंग गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में यज्ञ सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के बाद यह लोग फिर पारंपरिक धर्म में वापस आ गए। इस संबंध में गोबा देवराजा राज परिषद के महासचिव जुरसिंह बरदलै ने बताया कि परिषद के घर वापसी कार्यक्रम में 142 आदिवासी समुदायों के लोग स्वेच्छा से पारंपरिक धर्म में लौट आए। बरदलै ने कहा कि तिवा जनजाति के लगभग 1,100 परिवार के सदस्य, जो पहले ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, ने सनातन धर्म में लौटने का फैसला किया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन सभी ईसाईयों ने उनकी संस्था गोबा देवराजा राज परिषद से संपर्क कर स्वेच्छा से सनातन धर्म अपना लिया है। उन्होंने सनातन और हिंदू धर्म में हमेशा आस्था और विश्वास रखने का वादा किया है। बरदलै ने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी ईसाई पहचान को त्याग दिया और आज से हिंदू तिवा संस्कृति और परंपरा को अपना लिया है। महासचिव बरदलै ने बताया कि तिवा समुदाय में जो लोग हिंदू धर्म में परिवर्तित हुए या ऐसा करने का फैसला किया, वे जन्म से हिंदू थे। उनके कुछ दादा-दादी आर्थिक परिस्थितियों और शिक्षा की कमी के कारण ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे। उन्होंने कहा कि हम धर्मान्तरित लोगों का पूरा समर्थन करेंगे ताकि वे उचित आजीविका कमा सकें। मैं उन्हें कृषि जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल कराने का प्रयास करूंगा। उन्होंने दावा किया कि असम सरकार ने उनकी काफी मदद की है। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले इसके लिए तिवा परिषद द्वारा विद्यालयों की स्थापना की जाएगी। बरदलै ने कहा कि परिषद मतदाता सूची में उनके नाम शामिल कराने का प्रयास कर रही है, राशन कार्ड भी तैयार किए गए हैं।

तुर्की में फिर लगे 5.6 की तीव्रता के भूकंप के झटके

अंकारा। तुर्किये के दक्षिणी हिस्से में सोमवार को 5.6 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे कुछ इमारतें जमींदोज हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। किसी के हताहत होने के बारे में अभी तक कोई सूचना नहीं मिली है। तीन सप्ताह पहले शक्तिशाली भूकंप से तुर्किये-सीरिया क्षेत्र में भीषण तबाही हुई थी। देश की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने कहा है कि सोमवार का भूकंप मालत्या प्रांत के येसिलर्ट शहर में केंद्रित था। येसिलर्ट के महापौर मेहमत सिनार ने बताया कि कस्बे में कुछ इमारतें ढह गई हैं। मालत्या तुर्किये के उन 11 प्रांतों में शामिल था, जो 7.8 तीव्रता के भूकंप से बुरी तरह प्रभावित हुए थे। छह फरवरी को आए भूकंप से दक्षिणी तुर्किये और उत्तरी सीरिया के कुछ हिस्सों में भारी तबाही हुई। भूकंप से अब तक दोनों देशों में 48,000 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और तुर्किये में 173,000 इमारतों को गंभीर नुकसान पहुंचा। तुर्किये की आपदा प्रबंधन एजेंसी एएफएडी ने कहा है कि छह जनवरी के शक्तिशाली भूकंप के बाद से क्षेत्र में करीब 10,000 झटके आ चुके हैं।

यूक्रेन को हथियार देने का फ्रांस में विरोध

पेरिस। रूस-यूक्रेन जंग के बीच फ्रांस यूक्रेन को हथियार दे रहा है। इस फैसले के लिए अब फ्रांस को अपने नागरिकों का विरोध झेलना पड़ रहा है। पेरिस में हजारों लोग सड़कों पर फ्रांस सरकार के इस फैसले के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि हथियार देने से जंग बढ़ती जाएगी। अगर सरकार मदद करना चाहती है तो उसे रूस को हमला करने से रोकना चाहिए। लोगों ने यूक्रेन के समर्थन में मार्च करते हुए शांति की मांग की। इसी तरह का मार्च जर्मनी के बर्लिन में भी निकाला गया। वहां, लोगों ने रूस से बातचीत करके मसले का हल निकालने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथ में बैनर थे। इस पर लिखा था कि फॉर पीस (शांति के लिए), नो टु थर्ड वर्ल्ड वॉर। उनका कहना है कि रूस-यूक्रेन के बीच बातचीत से हल निकलेगा। फ्रांस के हथियार देने से तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बढ़ रही है। प्रदर्शनकारियों के हाथ में कई बैनर थे। इनमें से एक में लिखा- लेट्स क्विट नाटो। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि फ्रांस को नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) छोड़ देना चाहिए। नाटो यूरोप और उत्तरी अमेरिकी देशों का एक सैन्य और राजनीतिक गठबंधन है। इसमें अमेरिका का ज्यादा दबदबा है। प्रदर्शकारियों का कहना है कि फ्रांस आंख बंद करके अमेरिका का समर्थन करता है। अमेरिका के बाद फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए थे। इनका कोई असर नहीं हुआ। लोगों का कहना है कि नाटो को कोल्ड वॉर के समय खत्म कर दिया जाना चाहिए था। नाटो की वजह से जंग शुरू होती है।

ONLINE E-TENDER RE-SALE NOTICE NO. 7 OF 2022-23 FOR RE-SALE OF TIMBER LOTS

Under the provision laid down in the "Assam Sale of Forest produce, coupes and Mahals Rules 1977" and Amendment Rule'2000, bids are invited through online by the undersigned from Registered Companies/Firms/Individuals etc. for the online E-Tender Re-Sale of Timber lots of respectively kept in different locations under the Nagaon South Division, Hojai.

The details of online E-Tender will be available on **http.www.assamforestonline.in.** Portal from on **28-02-2023** upto 3.00 P.M. on **15-03-2023 (I.S.T).**

-- Janasanyog / C/21237/ 22 Divisional Forest Officer, Nagaon South Division, Hojai

करीमगंज : पीएम पोषण मिडडे मिल का चावल आवंटित

करीमगंज (हि.स.)। जिले के निम्न प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के छात्रों के लिए इस वर्ष जनवरी, फरवरी और मार्च के लिए पीएम-पोषाहार मध्याह्न भोजन के लिए चावल आवंटित कर दिया गया है। इसकी जानकारी करीमगंज के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने दी है। यह चावल निम्न प्राथमिक स्तर के छात्रों के लिए 100 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन और उच्च प्राथमिक स्तर के छात्रों के लिए 150 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन की दर से आवंटित किया गया है।

अवैध रूप से 30 मवेशियों को ले जा रहा ट्रक जब्त, तस्कर फरार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर अवैध रूप से 30 मवेशियों को ले जा रहे एक ट्रक को जब्त किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आज तड़के गुप्त सूचना के आधार पर जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान ऊपरी असम से मेघालय के पशु बाजार तक जा रहे ट्रक (एएस-01पीसी-8357) को रोकने की कोशिश की गई। अभियान के दौरान अंधेरे का फायदा उठाते हुए ट्रक चालक और पशु तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। जब्त किए गए ट्रक में अवैध तरीके से 30 पशुओं को पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

डिब्रूगढ़-सोनारी सांस्कृतिक विकास अधिकारी निलंबित

गुवाहाटी (हि.स.)। डिब्रूगढ़ और सोनारी सांस्कृतिक केंद्रों की सांस्कृतिक विकास अधिकारी वनिता हीरा दास को तत्काल प्रभाव से सेवा से निलंबित कर दिया गया है। सोमवार को एक बयान जारी कर बताया गया है कि संस्कृति निदेशालय की निदेशक मीनाक्षी दास नाथ के हस्ताक्षरित निलंबन आदेश जारी किया गया है। गौरतलब है कि सांस्कृतिक मामलों के विभाग की पहल पर 26 और 27 फरवरी को डिब्रूगढ़ के मानकटा में आयोजित सोनोवाल कछारी समुदाय के खृंग खृंग बाथौ पूजा स्थल पर अधिकृत रूप से उपस्थित नहीं होने के लिए अधिकारी के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है।

बोडोलैंड विवि में पहला चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान महोत्सव का शुभारंभ

कोकराझाड़ (हि.स.)। चार दिवसीय पहला अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान महोत्सव सोमवार से कोकराझाड़ जिला शहर स्थित बोडोलैंड विश्वविद्यालय परिसर में शुरू हो गया। इस अवसर पर बीटीसी सचिव अनुराग गोयल ने सुबह विश्वविद्यालय के परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद कुलपति डॉ. लैशराम लड्डु सिंह ने विश्वविद्यालय का झंडा फहराया। ज्ञान महोत्सव के मद्देनजर आज सुबह विश्वविद्यालय परिसर से बोडोलैंड टेरिटोरियल रिजन (बीटीआर) के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोडो ने झंडी दिखाकर एक रंगारंग शोभायात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बोडोलैंड टेरिटोरियल रिजन के उप मुख्य कार्यकारी समस्य गोबिंद बासुमतारी, कार्यकारी सदस्य रंजीत बसुमतारी के साथ अन्य नेता, बोडोलैंड विश्वविद्यालय के व्याख्याता और प्रोफेसर आदि उपस्थित थे। पूर्वोत्तर में पहली बार आज से कोकराझाड़ में शुरू हुए अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान महोत्सव में देश-विदेश की विभिन्न प्रतिष्ठित हस्तियां, नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनिस, इंग्लैंड, जर्मनी, स्वीडन, म्यांमार, ताइवान आदि सहित कई देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

Apollo HOSPITALS

अपोलो गायनोकोलोजी
स्क्रीनिंग कैंप

डॉ. इलान कुमारन, MBBS, MS, MRCS, DNB, Mch, PDF
कन्सलटेंट-लीवर विशेषज्ञ /ट्रांसप्लांट टीम

4 मार्च 2023 को गुवाहाटी में परामर्श के लिए

जो मरीज लीवर फेलियर से हेपटाइटिस बी एंड सी, अल्कोहोलिक लीवर रोग, लीवर सिरहोसिस और लीवर ट्यूमर इत्यादि से बीमार हैं, वे अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं।

Apollo Medical Centre
Subham Buildwell Complex (near NEEPCO office)
RG Baruah Road, **Guwahati**
Contact : 8720902000, 8876958514, 0361-7135005

पृष्ठ एक का शेष

तृणमूल को एक ...

लेकिन एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। भारतीय जनता पार्टी के 51 और उसकी सहयोगी आईपीएफटी के नौ उम्मीदवार मैदान में थे। 27 निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी चुनाव लड़ा था। तृणमूल कांग्रेस के 24 प्रत्याशी मैदान में थे। चुनाव के नतीजे तीन मार्च को आए थे। यूं तो त्रिपुरा चुनाव को लेकर कई एजेंसियों ने एग्जिट पोल जारी किए थे, लेकिन इनमें से चार महत्वपूर्ण रहे। आइए जानते हैं किस एजेंसी के एग्जिट पोल में क्या-क्या दावे किए गए थे? तीन मार्च को 2018 विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे। इसमें भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। भाजपा के 36 प्रत्याशियों ने चुनाव में जीत हासिल की थी। भाजपा की सहयोगी पार्टी रही आईपीएफटी के नौ में से आठ उम्मीदवारों की जीत हुई थी। इस तरह से एनडीए के खाते में 44 सीटें आ गईं। भाजपा और आईपीएफटी ने मिलकर यहां सरकार बनाई। 2018 तक सत्ता में रही सीपीआई(एम) और उसके सहयोगी दलों को चुनाव में बुरी हार मिली। सीपीआई(एम) के खाते में 16 सीटें गईं। इस बार भी भारतीय जनता पार्टी ने आईपीएफटी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा है। भाजपा ने 55 और आईपीएफटी ने छह सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। वहीं, दूसरे मोर्चे में सीपीआई(एम), सीपीआई, आरएसपी, एआईएफबी और कांग्रेस शामिल है। सीपीआई(एम) सबसे ज्यादा 43 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने 13 उम्मीदवार उतारे हैं। इसके अलावा चार अन्य प्रत्याशी भी इसी मोर्चे के मैदान में हैं। इस चुनाव में सबसे ज्यादा चर्चा टिपरा मोथा पार्टी की हो रही है। पहली बार चुनाव लड़ रही इस पार्टी ने 42 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। इस पार्टी में भाजपा, कांग्रेस, सीपीआईएम समेत कई दलों के नेता चुनाव से ठीक पहले शामिल हुए थे। इसके अलाव तृणमूल कांग्रेस ने भी 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

एनपीपी का जादू ...

एक प्रत्याशी के निधन के चलते अभी 59 सीटों पर ही मतदान हुआ है। ऐसे में नतीजे भी इन्हीं 59 सीटों के आएंगे। बची हुई सीट पर बाद में उपचुनाव होगा। मेघालय 60 सदस्यीय विधानसभा सीटों वाला राज्य है। यहां सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी के पास कम से कम 31 सीटें जीतनी होती हैं। 2018 में यहां 27 फरवरी को मतदान हुआ था और तीन मार्च को नतीजे आए थे। तब कांग्रेस ने 59, एनपीपी ने 52, यूडीपी ने 27, भाजपा ने 47, एचएसपीडीपी ने 15, पीडीएफ ने आठ, केएचएएनएम ने छह, एनसीपी ने छह प्रत्याशी उतारे थे। मैदान में कुल 297 उम्मीदवार थे। दो एजेंसियों ने मेघालय को लेकर एग्जिट पोल जारी किए थे। इसमें जन की बात- न्यूज एक्स और सी वोटर्स शामिल हैं। जन की बात- न्यूज एक्स की पोल में अनुमान लगाया गया था कि एनपीपी को 23 से 27 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस के खाते में 13 से 17, भाजपा को आठ से 12 और अन्य के खाते में 2 से छह सीटें जा सकती हैं। सी वोटर्स का अनुमान था कि एनपीपी के खाते में 17 से 23, कांग्रेस के 13 से 19 और अन्य के खाते में 13 से 21 सीटें जा सकती हैं। दो मार्च को चुनाव के नतीजे आए तो हर कोई हैरान रह गया। कांग्रेस और एनपीपी के बीच कांटे की टक्कर हुई। कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इनके 21 प्रत्याशियों ने जीत हासिल की थी। वहीं, एनपीपी के 20 उम्मीदवार चुनाव जीते थे।

कांग्रेस व अन्य...

भी 59 सीटों पर ही चुनाव हुए थे। एक सीट पर निर्विरोध प्रत्याशी की जीत हुई थी। पिछली बार एनपीएफ ने 58 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। इनमें से 26 को जीत मिली थी। एनडीपीपी और भाजपा एकसाथ मैदान में उतरे थे। तब एनडीपीपी ने 40 और भाजपा के 20 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था। एनडीपीपी के 40 में से 18 प्रत्याशियों को जीत मिली थी, जबकि भाजपा के 20 में से 12 उम्मीदवार चुनाव जीत गए थे। एनपीपी के 25 में से दो, जेडीयू के 13 में से एक उम्मीदवार की जीत हुई थी। एक निर्दलीय प्रत्याशी ने भी चुनाव में बाजी मार ली थी। चुनाव के बाद सभी 60 विधायकों ने मिलकर सरकार बनाई। नगालैंड चुनाव को लेकर पिछली बार दो महत्वपूर्ण एग्जिट पोल जारी किए गए थे। एक जन की बात और न्यूज एक्स ने मिलकर करवाया था और दूसरा सी वोटर्स का पोल था।

मतदान : मेघालय में ...

से 2.92 करोड़ रुपए की सामग्री जब्त की गई। आयोग ने दो राज्यों में मतदान के लिए 5710 मतदान केंद्र बनाए थे। इसमें 80 साल के अधिक आयु के 3553 और 3228 मतदाताओं को क्रमश: मेघालय और नागालैंड में घर से ही मतदान की सुविधा प्रदान की गई। वहीं मेघालय में 1807 और नागालैंड में 173 दिव्यांगजनों को घर से मतदान की सुविधा दी गई। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार पूर्वी गारो हिल्स-70.12 प्रतिशत, पूर्वी जयंतिया हिल्स -81.50 प्रतिशत, पूर्वी खासी हिल्स-68.68 प्रतिशत, पूर्वी पश्चिम खासी हिल्स-90.25 प्रतिशत, उत्तरी गारो हिल्स-74.35 प्रतिशत, रि-भोई-73.18 प्रतिशत, दक्षिण गारो हिल्स-70.66 प्रतिशत, दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स-78.87 प्रतिशत, दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स-86.37 प्रतिशत, वेस्ट गारो हिल्स-68.60 प्रतिशत, पश्चिम जयंतिया हिल्स -86.15 प्रतिशत, पश्चिम खासी हिल्स जिले में 78.59 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसी तरह नगालैंड जिले के चुमौकेडिमा में 76.03 प्रतिशत, डिमापुर-78.00 प्रतिशत, खिफिरे-85.96 प्रतिशत, कोहिमा -76.90 प्रतिशत, लोंगलेंग-76.45 प्रतिशत, मोकोकचुंग-79.26 प्रतिशत, मोन-90.61 प्रतिशत, नोकलक-89.20 प्रतिशत, पेरेन-75.84 प्रतिशत, फेक-83.25 प्रतिशत, पुघोबोटो-92.11 प्रतिशत, शमाटोर-82.00 प्रतिशत, त्सेमिन्यु -90.88 प्रतिशत, तुएनसांग-82.02 प्रतिशत, वोखा-87.94 प्रतिशत, जुन्हेबोटो-86.03 प्रतिशत मतदान हुआ है।

नगालैंड : एक मतदान...

जिला के अलांगटाकी निर्वाचन क्षेत्र के उमा बस्ती मतदान केंद्र पर हुई। इस घटना के बाद आम मतदाताओं में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे सुरक्षाकर्मियों ने हालात को संभाला। इसके बाद मतदान फिर से शुरू हो सका।

मनीष सिसोदिया पांच ...

की रिमांड पर भेज दिया गया। दिल्ली शराब घोटाला मामले में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के खिलाफ आप कार्यकर्ता आज देशव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कड़ी सुरक्षा के बीच पार्टी कार्यकर्ता भोपाल, चंडीगढ़, दिल्ली और अन्य शहरों में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी मुख्यालय के पास आप कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। रविवार को करीब आठ घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किए गए सिसोदिया को आज अदालत में पेश किया गया। आप कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सीबीआई ने आबकारी नीति मामले में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की 5 दिन की हिरासत मांगी। सीबीआई ने अदालत को बताया कि वे *उचित जांच* के लिए मनीष सिसोदिया की और हिरासत की मांग कर रहे हैं। एजेंसी ने दावा किया कि पूछताछ के दौरान दिल्ली के डिप्टी सीएम ने ठीक से जवाब नहीं दिया। सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि सिसोदिया ने मोबाइल फोन बदल लिए थे। अब रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-2022 के कार्यान्वयन में घोटाले का आरोप लगाते हुए, सीबीआई ने दावा किया कि पॉलिसी मार्जिन बढ़ाया गया था और पात्रता मानदंड बदल दिए गए थे।

देवरहा आश्रम में ...

किसी को भनक तक नहीं लगी। प्रोटोकाल से दो घंटे पहले पहुंचे सरसंघचालक मोहन भागवत ने देवरहा बाबा आश्रम पर थोड़ी देर विश्राम करने के बाद संघ के पदाधिकारियों से मुलाकात की। देवरहा बाबा के दर्शन के लिए आश्रम स्थित नए मंच पर पहुंचे। गौरतलब है कि सरसंघचालक ने गत पांच फरवरी को मुंबई में रविदास जयंती कार्यक्रम में कहा था कि भगवान ने किसी की जाति नहीं बनाई है। ब्राह्मणों ने जन्म के बाद लोगों को जातियों में बांटा है। इसको लेकर कुछ लोगों में आक्रोश है। आक्रोश भड़कने की आशंका के दृष्टिगत विंध्याचल के महुआरी कला स्थित देवरहा बाबा आश्रम पूरी तरह कड़ी सुरक्षा घेरे में है। सुरक्षा व्यवस्था इतनी तगड़ी है कि पक्षी भी पर नहीं मार पाएगा। हालांकि सरसंघचालक आश्रम पर ही रात्रि विश्राम करेंगे। मंगलवार को दर्शन-पूजन कार्यक्रम व शिलान्यास कार्यक्रम होगा। यही नहीं, अटल चौक से आश्रम तक जगह-जगह पुलिस व पीएसी की ड्यूटी लगाई गई है। आश्रम पर किसी भी व्यक्ति का प्रवेश निषेध कर दिया गया है। यहां तक कि मीडियाकर्मी भी आश्रम से दूर थे।

उमेश पाल हत्याकांड ...

कुछ ही घंटे बाद एसटीएफ ने इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के मुस्लिम हॉस्टल से एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया। उसका नाम सदाकत खान है। वह एलएलबी का छात्र है। उसके कमरे से कई आपत्तिजनक चीजें मिली हैं। सदाकत खान ने हॉस्टल कमरे की सर्च के बाद एसटीएफ के कब्जे से भागने की कोशिश की। भागते वक्त वह डिवाइडर से टकराकर गिर गया। उसे चोट लगी है। इलाज के लिए एसआईएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मुस्लिम हॉस्टल में सदाकत के कमरे में ही उमेश पाल की हत्या की साजिश रची गई थी। आशंका है कि सदाकत खान अवैध रूप से इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के मुस्लिम हॉस्टल में रह रहा था। हालांकि एफआईआर में सदाकत खान नामजद नहीं है। पुलिस अब सदाकत खान के आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उमेश पाल पर हमला करने के बाद अरबाज का चेहरा सीसीटीवी फुटेज में आया था। पता चला था कि पुरामुफ्ती के सल्लाहपुर निवासी अरबाज नाम का शातिर अपराधी कार चला रहा था। उसने उमेश पर हमला भी किया था। अरबाज अतीक अहमद के बेटे असद का ड्राइवर था। हमलावरों की क्रेटा गाड़ी पुलिस ने बरामद की है। अरबाज को बाहुबली अतीक अहमद का बेहद खास माना जाता था। उसका पिता भी अतीक अहमद की गाड़ी चलाता था। अतीक अहमद की पत्नी और बसपा नेता शाइस्ता परवीन, उनके बेटे एजम, अबान, अली, उमर और दोस्त रेहान से पुलिस पूछताछ कर रही है। जेलों में बंद अतीक के गुर्गों से भी यूपी एसटीएफ पूछताछ कर रही है। यही नहीं, अहमदाबाद जेल में बंद अतीक से मिलने वालों की भी डिटेल खंगाली जा रही है। इस काम में जेल अधीक्षक को भी लगाया गया है। पुलिस को इस बात की भी आशंका है कि शूटर नेपाल न भाग जाएं। यही कारण है कि नेपाल के सीमावर्ती जिलों को अलर्ट मोड में डाल दिया गया है। अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखा है। शाइस्ता परवीन ने पत्र में प्रयागराज पुलिस कमिश्नर रमेश शर्मा और एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश पर विरोधियों से मिलकर पति अतीक अहमद और अतीक के छोटे भाई अशरफ की हत्या की सुपारी लेने का आरोप लगाया है। यह आशंका भी जताई है कि उनके पति अतीक अहमद और बेटों का पुलिस एनकाउंटर कर सकती है।

खड़गे सिर्फ नाम ...

और को लगाया गया था। खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष हैं, लेकिन कांग्रेस में उनके साथ जैसा बर्ताव होता है, उसे देखकर पूरी दुनिया समझ रही है कि रिमोट कंट्रोल किसके हाथ में है। परिवारवाद के इसी शिकंजे में देश की कई पार्टियां जकड़ी हुई हैं। प्रधानमंत्री ने अपने ऊपर दिए जा रहे बयानों को लेकर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को लगता है कि जब तक मोदी जिंदा हैं, तब तक उनकी मंशा पूरी नहीं होगी, इसलिए वे सभी कह रहे हैं *मर जा मोदी, मर जा मोदी ...* और कोई कह रहा है *मोदी तेरी कब्र खुदेगी*, लेकिन देश कह रहा है *मोदी तेरा कमल खिलेगा।* इससे पहले प्रधानमंत्री सुबह करीब 12 बजे शिवमोगा पहुंचे और यहां एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। करीब 450 करोड़ रुपए की लागत से बने इस एयरपोर्ट का ऊपरी हिस्सा कमल के फूल की तरह डिजाइन किया गया है। मोदी ने इसके अलावा शिवमोगा में ही 3,600 करोड़ और बेलगावी में 2,700 करोड़ रुपए की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पीओके के भूमि ...

की स्थिति अभी तय होनी बाकी है। प्रकृति में विवादित और यूएनएस के प्रस्तावों के अनुसार पाकिस्तान के पास कोई लुकस स्टैंडी नहीं था। गैर राज्य विषय के लिए एक राज्य भूमि आवंटित करने के लिए अधिकृत नहीं। कश्मीरी का ट्वीट एक असत्यापित अकाउंट के ट्वीट के जवाब में था। ट्वीट के मुताबिक पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सिंध हाउस के लिए करीब तीन एकड़ जमीन दी गई है। जनवरी में, यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी के प्रवक्ता सरदार नासिर अजीज खान ने कनाडा के सांसद जॉर्ज चहल से मुलाकात की और उन्हें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मानवाधिकारों की स्थिति, बढ़ते उग्रवाद और आतंकवाद के बारे में जानकारी दी। सरदार नासिर अजीज खान ने यूकेपीएनपी कैलगरी सम्मेलन में भाग लेने पर चहल को यूकेपीएनपी के निर्वासित अध्यक्ष की शुभकामनाएं और प्रशंसा संदेश दिया। खान ने चहल को कश्मीर में मानवाधिकार की स्थिति और गिलगित बाल्टिस्तान में बढ़ते आतंकवाद, उग्रवाद और पीओके में प्रतिबंधित संगठनों के खुलेआम घूमने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आगे कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, बुनियादी ढांचे की कमी, कश्मीरी राष्ट्रवादियों के प्रति भेदभाव, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस और प्रकाशनों पर सख्त प्रतिबंध और कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान में संघ की स्वतंत्रता मुख्य चिंताएं हैं।

अखिल गोगोई माओवादी ...

भाजपा नीत केंद्र सरकार के खिलाफ कथित तौर पर मुखर रहे निर्दलीय विधायक ने नौ फरवरी के गौहाटी उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। उच्च न्यायालय ने एक एनआईए अदालत को उनके खिलाफ दो मामलों में एक में आरोप तय करने के लिए आगे बढ़ने की अनुमति दी थी। न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति पंकज मित्तल की पीठ ने गोगोई को तीन मार्च तक गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान करते हुए कहा कि वह शुक्रवार को विषय की सुनवाई करेगी। सुनवाई शुरू होने पर, एनआईए की ओर से शीर्ष न्यायालय में पेश हुए सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने एजेंसी द्वारा दाखिल आरोपपत्र का हवाला दिया और कहा कि गोगोई पूर्वोत्तर राज्य में माओवादी गतिविधियों के एक सरगना हैं। मेहता ने कहा कि गोगोई के खिलाफ 64 प्राथमिकियां दर्ज हैं। वहीं, गोगोई की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने दलील दी कि उनके मुवक्किल के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध का एक व्यापक आधार है।

लालू-राबड़ी समेत ...

में लालू के रेल मंत्री रहते होने की बात है। दरअसल, रेलवे बोर्ड ने उस वक्त रेलवे की कैटरिंग और रेलवे होटलों की सेवा को पूरी तरह आईआरटीसी को सौंप दिया था। इस दौरान रांची और पुरी के बीएनआर होटल के रखरखाव, संचालन और विकास को लेकर जारी टेंडर में अनियमिताएं किए जाने की बातें आई थीं। ये टेंडर 2006 में एक प्राइवेट होटल सुजाता होटल को मिला था। आरोप है कि सुजाता होटल्स के मालिकों इसके बदले लालू यादव परिवार को पटना में तीन एकड़ जमीन दी, जो बेनामी संपत्ति थी। इस मामले में भी लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत कई लोग आरोपी हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **अष्टम अध्याय**

(योगाभ्यास)

सद्गुरु प्रेम उछाह में, बोध यथारथ होय।
शिल सन्तोष विवेक जो, सद्गुण धारण सोय॥ 65॥

शब्दार्थ : (उछाह) उमंग, उत्साह।

भाष्य : सद्गुरु के प्रति, उत्साह होने पर यथार्थ बोध होता है और शील, संतोष, विवेक आदि सद्गुणों का अपने जीवन में धारण होता है। सद्गुरु के निर्भ्रांत वचन से संशय और मोह की निवृत्ति होती है। अपरोक्ष, साक्षात्कार के बाद ही निर्भ्रांत ज्ञान होता है इसलिए सद्गुरु के वचन ही निर्भ्रांत हैं।

राग द्वेष कोइ से नहीं, विगत काम मद क्रोध।
नाम रतन परखत रहे, अन्तर अगम प्रबोध॥ 66॥

शब्दार्थ : (राग) विषय की इच्छा, (द्वेष) विगत दु:खदायी वस्तु के स्मरण से चित्त में विक्षोभ (विगत) रहित (परखत) देखना (प्रबोध) जानना।

भाष्य : साधक राग, द्वेष, काम, क्रोध, मद और लोभ से रहित हो कर अंतर अनुभव विज्ञान के द्वारा नाम-प्रकाश को देखता रहता है। नाम-मणि आत्मा का दिव्य चेतन प्रकाश है, जिस प्रकाश में आत्मा विचरण कर आनंदित होती है।

मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी मामला

असम भाजपा मुख्यालय पर *आप* का प्रदर्शन, कई गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के विरोध में सोमवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया गया। भाजपा कार्यालय परिसर में घुसने की कोशिश कर पर पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया को रविवार को सीबीआई के गिरफ्तार करने पर सोमवार को गुवाहाटी में आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। आप कार्यकर्ताओं ने असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय के सामने प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन करने के दौरान आप कार्यकर्ताओं ने भाजपा वापस जाओ, मनीष सिसोदिया को जल्द रिहा करो आदि नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने जब भाजपा कार्यालय परिसर में घुसने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को रविवार को सीबीआई ने बहुत गलत तरीके से गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है, लेकिन भाजपा नेतृत्व ने उन्हें गिरफ्तार करने के लिए काफी दबाव बनाया। इसलिए सीबीआई को अपने राजनीतिक आकाओं की बात मानकर सिसोदिया को गिरफ्तार करने के लिए मजबूर होना पड़ा। वहीं, शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर में भी आप कार्यकर्ताओं ने जिला उपायुक्त कार्यालय के सामने मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के विरोध में नारेबाजी की। आप कार्यकर्ताओं ने कहा कि आप पार्टी का जैसे-जैसे विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे भाजपा डरने लगी है। इसी डर की वजह से वह आप के नेताओं को गिरफ्तार करने में जुट गई है। उल्लेखनीय है कि 26 फरवरी को दिल्ली में मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी का असम में शिवसागर के विधायक, वामपंथी क्षेत्रीय पार्टी राइजर दल के अध्यक्ष अखिल गोगोई ने कड़ी निंदा की। अखिल ने सिसोदिया की गिरफ्तारी को केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा किया गया अतिरेक बताया। उन्होंने विपक्षी नेताओं से सरकार के इस अलोकतांत्रिक कदम के खिलाफ पूरे भारत में विरोध प्रदर्शन करने की अपील की।

होलिका दहन 7 मार्च को संध्या 6 बजे

गुवाहाटी (नसं)। होलिका दहन आगामी सात मार्च (दिन मंगलवार) को शाम 6 बजे लाचित नगर फील्ड (श्रीश्री हनुमान मंदिर के पास) होगा। यह जानकारी पुजारी रामचंद्र शर्मा ने जारी एक प्रेस-सूचना में दी है। प्राप्त प्रेस सूचना के अनुसार होलाष्टक का प्रारंभ हो गया है। ढाल थापना आदामी तीन मार्च की प्रात: 9 बजकर 15 मिनट के बाद है। जलमाता पिरोना आगामी सात मार्च को पूरा दिन है। छरेंडी आगामी आठ मार्च को है।

टिंगखांग में मिला अज्ञात का शव

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। जिले के टिंगखोंग के राजगढ़ में सोमवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने आशंका जताई है कि मृतक दिव्यांग हो सकता है। टिंगखोंग में राजगढ़ थाना अंतर्गत राजगढ़ फोरलेन चौराहे के पास सुबह एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ।शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाया गया है।

पूसी रेल करेगा चार डीजल स्पेशल जॉयराइड्स टॉय ट्रेन सेवाओं का परिचालन

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने पर्यटकों की मांगपूर्ति के लिए 1 मार्च से 30 जून तक दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) की टॉय ट्रेन सेवा के तहत दार्जिलिंग और घुम के बीच प्रतिदिन चार डीजल स्पेशल जॉयराइड्स का परिचालन करने का निर्णय लिया है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने सोमवार को बताया है कि सभी जॉयराइड्स में एक अतिरिक्त प्रथम श्रेणी चेयर कार जोड़ने का भी निर्णय लिया गया है। यात्रियों की संख्या में कमी के कारण ट्रेन संख्या 52539/52538 न्यू जलपाईगुड़ी-दार्जिलिंग-न्यू जलपाईगुड़ी एसी स्पेशल 1 मार्च से 2 जुलाई तक रद्द रहेगी। उन्होंने बताया कि ट्रेन संख्या 02547 (दार्जिलिंग-घुम- दार्जिलिंग) डीजल स्पेशल जॉयराइड दार्जिलिंग से 09.20 बजे रवाना होकर घुम 10.05 बजे पहुंचेगी। वापसी में, यह ट्रेन घुम से 10.25 बजे रवाना होकर दार्जिलिंग 10.55 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 02548 (दार्जिलिंगङ्क घुम- दार्जिलिंग) डीजल स्पेशल जॉयराइड दार्जिलिंग से 11.25 बजे रवाना होकर घुम 12.10 बजे पहुंचेगी। वापसी में, यह ट्रेन घुम से 12.30 बजे रवाना होकर दार्जिलिंग 13.00 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 02549 (दार्जिलिंग- घुम- दार्जिलिंग) डीजल स्पेशल जॉयराइड्स दार्जिलिंग से 13.25 बजे रवाना होकर घुम 14.10 बजे पहुंचेगी। वापसी में, यह ट्रेन घुम से 14.35 बजे रवाना होकर दार्जिलिंग 15.05 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 02550 (दार्जिलिंग-घुम- दार्जिलिंग) डीजल जॉय राइड स्पेशल, दार्जिलिंग से 15.30 बजे रवाना होकर घुम 16.15 बजे पहुंचेगी। वापसी में, यह ट्रेन घुम से 16.35 बजे रवाना होकर दार्जिलिंग 17.05 बजे पहुंचेगी। सभी चार डीजल स्पेशल जॉयराइड्स में तीन प्रथम श्रेणी चेयर कार कोचों के संयोजन के साथ चलेंगी। दो कोच में 30-30 सीटें और एक कोच में 29 सीटें होंगी। जॉयराइड्स ट्रेन संख्या 52594, 52596, 52598, 52544 में 1 मार्च से 30 जून तक अस्थायी तौर पर एक अतिरिक्त प्रथम श्रेणी चेयर कार कोच जोड़ा जाएगा। कोच पुनर्गठन से इन ट्रेनों में 3 प्रथम श्रेणी चेयर कार होंगे और सीट क्षमता में 30 सीटों की वृद्धि होगी। यात्रियों की संख्या में कमी के कारण ट्रेन संख्या 52539/52538 न्यू जलपाईगुड़ीङ्क दार्जिलिंग- न्यू जलपाईगुड़ी एसी स्पेशल 1 मार्च से 2 जुलाई तक रद्द रहेगी।

खेजडी वाले बालाजी परिवार ने भजन-संध्या आयोजित की

गुवाहाटी (नसं)। राजस्थान के सुजानगढ़ सीकर राजमार्ग पर अवस्थित मीगंणा गांव के खेजड़ी वाले बालाजी की भजन संध्या स्थानीय सांगानेरिया धर्मशाला में आयोजित की गई। इस अवसर पर खेजड़ी वाले बालाजी परिवार के गुवाहाटी प्रमुख रामेश्वर गहलोत ने बताया कि 20 वर्षों से यह आयोजन होता आ रहा है। इसी कड़ी में सांगानेरिया धर्मशाला में राजस्थान से पधारे भजन कलाकार सोनू जोशी एंड पार्टी द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत की गई। जिसमें भक्तों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। गहलोत ने आगे बताया कि खेजडीवाले बालाजी परिवार द्वारा आयोजित मुख्य आकर्षण आगामी कल मंगलवार को माछखोवा आईटीए सेंटर में किया जाएगा। जिसमें सर्वप्रथम खेजडी वाले बालाजी की पूजा अर्चना और आरती के पश्चात राजस्थान से आए हुए कलाकारों द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम के दूसरे चरण में होली चंग धमाल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें चंग धमाल पर विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगें।इस दौरान कार्यक्रम में सहयोग करने वालों को भी सम्मानित किया जाएगा।

कामरूप जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने कमलपुर आदर्श अस्पताल का किया दौरा

रंगिया (निसं)। कामरूप जिला की उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने आज जिले के अंतर्गत कमलपुर आदर्श अस्पताल का दौरा किया तथा इस मौके पर अस्पताल द्वारा जनता को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं और सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सामान्य प्रसव कक्ष के साथ ही सिजेरियन प्रसव कक्ष की सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में पोषण संस्थापन केंद्र द्वारा दी जा रही सेवाओं का भी निरीक्षण किया। उपायुक्त ने निरीक्षण के बाद अस्पताल में आवश्यक चिकित्सकों सहित स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता को देखते हुए प्रतिस्ठानिक प्रसव की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने बच्चों में कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए पोषण पुनर्वास केंद्रों की सेवाओं का और विस्तार करने पर भी जोर दिया। उपायुक्त ने कहा कि अस्पताल में सामान्य प्रसव, सिजेरियन प्रसव, एक्स-रे, दंत चिकित्सा उपचार, फिजियोथेरेपी, नि:शुल्क निदान प्रयोगशाला आदि जैसी विभिन्न सुविधाएं हैं। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से इन सुविधाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 15 दिनों के बाद अस्पताल के काम और प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इसलिए, उन्होंने अस्पताल में सभी संबंधितों से ईमानदारी से सेवा करने का आग्रह किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक रोगी को अच्छी सेवा मिले।

महाराज अग्रसेन बॉक्स क्रिकेट लीग अयोजित

गुवाहाटी (नसं)। अग्रवाल युवा परिषद गुवाहाटी ने 2 दिवसीय महाराजा अग्रसेन बॉक्स क्रिकेट लीग का आयोजन किया। लीग का आयोजन बेलतला स्थित एरीना 28 में किया गया, जिसमें 6 टीम ने हिस्सा लिया। अध्यक्ष आदर्श अग्रवाल ने लीग का उदघाटन किया। टूर्नामेंट में प्रत्यक् टीम ने 4 मुकाबले खेले और टॉप 4 टीम ने सेमी फाइनल्स में जगह बनाई। कुशल लोहिया की मेजेस्टिक माजुली ने खिताब जीता वही बिजय अग्रवाल की ओरांग राइनोस रनर्स अप रही। प्रतिक तेजवात की पॉबिटोरा पैंथर और संदीप खैतान की नामेरी हीरोज सेमी फाइनल तक का ही सफर तय कर सकी। अन्य दो टीम गौतम गोइनका की मंश स्ट्राइकर्स और अभिषेक संगणेरिया की कामाख्या वारियर्स थी। सभी मैचेस में खिलाड़ियों को मेन ऑफ थे मैच दिया गया। बेस्ट बैट्समैन का खिताब नामेरी हीरोज के सुभम् गोयल को और बेस्ट बॉलर का खिताब ओरांग राइनोस के निलय कुमार सुरेका को दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शायोग के लिए अध्यक्ष आदर्श अग्रवाल ने संयोजक अनुज चौधरी, कुशल लोहिया, प्रतीक जालान, प्रवेश अग्रवाल, कुणाल जाजोदिया का बहुत धन्यवाद दिया। सचिव पूनम लादसरिया ने सभी सदस्यों का कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए धन्यवाद दिया सभी विजेताओं को बधाई दी।

पारीक सभा का होली प्रीति सम्मेलन आयोजित

गुवाहाटी (निसं)। पारीक सभा, गुवाहाटी द्वारा होली के पावन अवसर पर प्रीति सम्मेलन व प्रीति भोज का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष मदन पारीक, उपाध्यक्ष शिवकुमार पारीक, परेश पारीक, सयुंक्त सचिव मुकेश पारीक, संयोजक अरविंद पारीक, लादुराम पारीक कोषाध्यक्ष श्रीचंद व्यास, वरिष्ठ सदस्य श्याम सुंदर पारीक, रामअवतार पारीक, रतन पारीक द्वारा भगवान पराशर की प्रतिमा के आगे द्वीप प्रज्जवलित एव माल्यार्पण करके किया गया। राजस्थानी लोकगीत के प्रसिद्ध कलाकार मनोज जोशी एव उनके साथी कलाकारो के साथ प्रदीप पारीक ने सांस्कृतिक कार्यक्रम मे धुम मचा दी। उनके राजस्थानी लोकगीतो ने कार्यक्रम मे समां बांध दिया।बाल कलाकार तनिशा जोशी, महिमा पारीक, वंसिका पारीक ने गणेश वंदना पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। लोक कलाकारो द्वारा एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियां दी जिस पर समाज बंधु एव मातृशक्ति निरंतर थिरकते रहे। कार्यक्रम मे समाज के वरिष्ठ सदस्यो एव कार्यकर्ताओ को मंच पर सम्मानित किया गया।इसके साथ आज के कार्यक्रम मे कार्यकारिणी सदस्य अनुज पारीक की संस्तुति पर सभा की और से जरूरतमंद मेधावी छात्र छात्राओ के लिए शिक्षाकोष के गठन का श्रीगणेश किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे पारीक युवक परिषद के अध्यक्ष रमेश पारीक, प्रदीप पारीक, सिद्धार्थ पारीक, रोहित पारीक, कौशल पारीक, रतन पारीक विनोद पारीक, मुकेश सहित सभी समाज बंधुओ का सराहनीय योगदान रहा।

श्री श्याम सत्संग मंडल की सभा आयोजित

गुवाहाटी (नसं)। महानगर के सबसे पुरानी धार्मिक संस्थाओं में से एक श्री श्याम सत्संग मंडल की सभा आयोजित की गई, जिसमें मंडल के सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस सभा में खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु के आगामी फाल्गुन उत्सव को लेकर विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान सभी ने श्री श्याम जयंती महोत्सव का गौरवशाली 54वां वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया। फैंसी बाजार के एमएस रोड स्थित साधना मंदिर प्रांगण में दो दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ आगामी 3 मार्च से किया जाएगा, जिसका समापन 4 मार्च को विराट शोभायात्रा के साथ होगा। आयोजकों ने बताया कि श्री श्याम सत्संग मंडल का इस वर्ष गौरवशाली 54वां वर्ष है। श्री श्याम जयंती महोत्सव के पहले दिन पूजा-अर्चना, अखंड ज्योत प्रज्वलित कर महाआरती की जाएगी। तत्पश्चात दिन के 11 बजे से 24 घंटा व्यापी श्री श्याम संकीर्तन का शुभारंभ किया जाएगा। वहीं शाम 7 बजे से देश के जाने माने आमंत्रित गायक कलाकार बीकानेर से प्रवेश शर्मा व कोलकाता से प्रकाश मिश्रा अपने-अपने भजनों की प्रस्तुति देंगे। विशेष आकर्षण के रूप में सिलीगुड़ी से श्याम सलोना म्यूजिकल ग्रुप द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। इधर महोत्सव के दूसरे दिन 4 मार्च को हवन, पूर्णाहुति के पश्चात बाबा को छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया जाएगा एवं श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई है। वहीं शाम को विराट शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो महानगर के विभिन्न स्थानों से होते हुए आयोजन स्थल पर पहुंचेगी। मंडल की ओर से सभी भक्तों से दो दिवसीय श्री श्याम महोत्सव में शामिल होकर इसे सफल बनाने का आह्वान किया गया है। आयोजन को सफल बनाने में मंडल के सभी सदस्य जुटे हुए हैं।

SHORT NOTICE INVITING TENDER

No. BCI/TECH/NIT/31/15

Sealed tender in the prescribed form affixing non-refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & paisa twenty five) only and eventually to be drawn in the A.P.W.D. F-2 Form of contract are hereby invited from the intending registered contractors of appropriate category having up to date registration under Irrigation Department, Assam for the year 2022-23 for the following works and will be received in the office of the undersigned upto 1:00 P.M. on 13/03/23 and will be opened on the same day at 2:00 P.M. in the same place & date by the undersigned or officers authorized to open in presence of the intending tenderers or their authorized agents who wish to be present.

Sl. No.	Name of Scheme	Approx Amount (In Rs.)	Time of Completion
1.	Installation of Solar & Electrically Operated Hybrid Tube Well scheme 3 points) at Baghbar LAC under SOPD-G for the year 2022-2023.	23,42,352.00	45 Days

Rates should be quoted on percentage basis i.e. **Below/As per/Above the estimated rate.**

Earnest Money : 2% against work value for General category and 1% for SC, ST, OBC & MOBC etc. only in favour of Executive Engineer, Barpeta-Baghbar Division, Irrigation, Barpeta.

The Detailed particulars of works, terms and conditions, specifications etc. may be seen in the office of the undersigned during office hours on all working days. The detail tender papers will be issued on written request and on payment of Rs.300.00 (Rupees Three Hundred) only in the form of Cash/IPO pledge in favour of the Superintending Engineer, Barpeta Circle, Irrigation, Barpeta Road during office hours up to 12 noon on 13/03/2023.

In case of the date of receiving and opening of tender is a non-working day, the tender will be received and opened on the next working day at the same time and venue. The intending tenderers or their authorized agents may remain present at the time of opening of tender, if they so desire.

SHORT NOTICE INVITING TENDER

No. BCITECH/NIT/31/14

Sealed tender in the prescribed form affixing non-refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & paisa twenty five) only and eventually to be drawn in the A.P.W.D. F-2 Form of contract are hereby invited from the intending registered contractors of appropriate category having up to date registration under Irrigation Department, Assam for the year 2022-23 for the following works and will be received in the office of the undersigned upto 1:00 PM. on 13/03/2023 and will be opened on the same day at 2:00 P.M. in the same place & date by the undersigned or officers authorized to open in presence of the intending tenderers or their authorized agents who wish to be present.

Sl. No.	Name of Scheme	Approx Amount (In Rs.)	Time of Completion
1.	Installation of Solar & Electrically Operated Hybrid Tube Well scheme 3 points) at Baghbar LAC under SOPD-G for the year 2022-2023.	23,42,352.00	45 Days

Rates should be quoted on percentage basis i.e. **Below/As per/Above the estimated rate.**

Earnest Money : 2% against work value for General category and 1% for SC, ST, OBC & MOBC etc. only in favour of Executive Engineer, Barpeta-Baghbar Division, Irrigation, Barpeta.

The Detailed particulars of works, terms and conditions, specifications etc. may be seen in the office of the undersigned during office hours on all working days. The detail tender papers will be issued on written request and on payment of Rs.300.00 (Rupees Three Hundred) only in the form of Cash/IPO pledge in favour of the Superintending Engineer, Barpeta Circle, Irrigation, Barpeta Road during office hours up to 12 noon on 13/03/2023.

In case of the date of receiving and opening of tender is a non-working day, the tender will be received and opened on the next working day at the same time and venue. The intending tenderers or their authorized agents may remain present at the time of opening of tender, if they so desire.

Sd/-
Superintending Engineer
Barpeta Circle, Irrigation
Barpeta Road

-- Janasanyog /C/21285/ 22

ताली बजाने से दुख की रेखाएं दब जाती हैं : राजेश्वरी मोदी

गुवाहाटी (नसं)। नारायण रेकी सत्संग परिवार गुवाहाटी सेंटर के सौजन्य से माछखोवा आईटी सेंटर में नारी रत्न राजेश्वरी मोदी ने जीवन जीने का नया अंदाज विषय पर अपने सारगर्भित उद्गार से एक हजार से भी अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया। राजेश्वरी मोदी को सुनने के लिए माछखोवा आईटीए सेंटर महिलाओं के जनसैलाब से खचाखच भरा हुआ था। कार्यक्रम से पहले आईटीए सेंटर में पधारते ही राजेश्वरी मोदी का सत्संग परिवार की महिला सदस्याओं ने गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उनके सम्मान में स्वागत गीत नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर नारायण रेकी सत्संग परिवार गुवाहाटी सेंटर की प्रमुख सरला लाहोटी के स्वागत भाषण के पश्चात राजेश्वरी दीदी ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस उपलक्ष में उनके साथ सरला लाहोटी, बंदना बिहानी, आभा लड्ढा, नीतू अग्रवाल एवं राजेश्वरी मोदी की सहयोगी विद्या शास्त्री, संध्या गुप्ता, संतोष सिंघानिया के अलावा नारायण रेकी सत्संग परिवार कोलकोता की प्रमुख संगीता चांडक, शिवसागर की प्रशिक्षीका कृष्णा खेमका व नारायण रेकी सत्संग परिवार की सभी महिला सदस्याए उपस्थित थी। इस अवसर पर बोलते हुए दीदी ने कहा कि ताली बजाने से हाथों की सुख-दुख की रेखाओं में से दुख की रेखा दब जाती है एवं सुख की रेखा उभर कर आती है। ब्रह्मांड में प्रकृति ने सकारात्मक और नकारात्मक नामक दो ऊर्जा निहित की है। जैसे सही गलत, सुख-दुख, पुण्य पाप, रिस्पांस रिएक्शन आदि। जब आप सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे तो आप अपने आप को काफी हल्का महसूस करेंगे। उस समय आप सुख, खुशी, शांति, समृद्धि, आनंद, उल्लास, प्यार, सम्मान, प्रशंसा, उन्नति, प्रगति, सफलता आदि सभी परिणामों को महसूस करेंगे। अच्छे लोग अच्छी वस्तु और अच्छी आदतों के चलते उनके कार्य आसानी से सफल होते चले जाते हैं। जो चीज आपके भाग्य में नहीं लेकिन आपको चाहिए उन्हें भी आप अपने जीवन में आसानी से अर्जित कर लेते हैं। कार्यक्रम का कुशल संचालन रमेश चांडक ने किया। 2 घंटे 15 मिनट तक चलने वाले इस कार्यक्रम में राजेश्वरी मोदी के हर संदेश पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठता था। जीवन तनाव मुक्त बनाने के भी कई गुर भी राजेश्वरी मोदी ने बताएं।

पहली बार देश के बाहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में उड़ान भरेगा एलसीए तेजस

- दस देशों की वायु सेनाओं के बीच शुरू हुआ युद्धाभ्यास 'डेजर्ट फ्लैग' का आठवां संस्करण
- भारत की टुकड़ी में पांच एलसीए तेजस, दो सी-17 ग्लोबमास्टर और 110 हवाई योद्धा शामिल

नई दिल्ली, (हि.स.)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) वायुसेना की मेजबानी में दस देशों की वायु सेनाओं के बीच अल ढफरा एयरबेस पर सोमवार से 'डेजर्ट फ्लैग' युद्धाभ्यास का आठवां संस्करण शुरू हुआ है। भारत का लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस पहली बार देश के बाहर पहले अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में हिस्सा ले रहा है। वायु सेना के पांच एलसीए तेजस और दो सी-17 ग्लोबमास्टर विमान मध्य पूर्व एशिया के आसमान में करतब दिखाएंगे। भारतीय वायु सेना 110 हवाई योद्धाओं के साथ संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अल ढफरा एयरबेस में एक्सरसाइज डेजर्ट फ्लैग में भाग लेने पहुंची है। 'डेजर्ट फ्लैग' युद्धाभ्यास का आठवां संस्करण 17 मार्च तक चलेगा। एक्सरसाइज डेजर्ट फ्लैग बहुपक्षीय वायु अभ्यास है, जिसमें फ्रांस, कुवैत, ऑस्ट्रेलिया, यूके, बहरीन, मोरक्को, स्पेन, कोरिया गणराज्य और यूएसए की वायु सेनाएं भाग ले रही हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य विविध लड़ाकू क्षमताओं में भाग लेकर अन्य देशों की वायु सेनाओं से एक-दूसरे की सर्वोत्तम प्रथाओं को सीखना है। इस अभ्यास का प्रयोजन गठबंधन सेनाओं का व्यावसायिक उद्देश्य उजागर करना, सामरिक क्षमताओं को तेज करना और भाग लेने वाली वायु सेनाओं के बीच घनिष्ठ संबंधों को बढ़ावा देने के साथ-साथ अंतर-क्षमता को बढ़ाना है। इसमें भाग लेने वाले विमानों के चालक दल और विशेषज्ञ पर्यवेक्षकों का उद्देश्य एक साथ काम करने वाले बहुराष्ट्रीय बलों के लिए परिचालन वातावरण का माहौल बनाना है। अभ्यास के दौरान वायु सेनाएं विभिन्न प्रकार के विमानों को शामिल करते हुए एक साथ कई मिशनों की ओर उड़ान भरेंगी। भारतीय वायु सेना भी दिन और रात के सभी नियोजित मिशनों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए तैयार है। संयुक्त अरब अमीरात की वायु सेना मेजबानी करते हुए अभ्यास में भाग लेने वाली वायुसेनाओं को सभी नियोजित गतिविधियां समय से पूरी करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेंगी। भारतीय वायु सेना सहित प्रतिभागी वायुसेनाओं को ज्ञान, अनुभव, सामरिक क्षमताओं को बढ़ाने और अंतरसंचालनीयता बढ़ाने का एक अनूठा अवसर मिलेगा। इस युद्धाभ्यास ने भाग लेने वाली वायुसेनाओं की पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाने का यह सुनहरा मौका है। पिछले दशक में भारतीय वायु सेना ने नियमित रूप से बहुराष्ट्रीय सामरिक युद्धाभ्यासों की मेजबानी की है या उनमें भाग लेकर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ वायु सेनाओं के रूप में भारत का नाम रोशन किया है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र की अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज कीं

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच ने आज (सोमवार) केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। बेंच ने 15 दिसंबर, 2022 को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस केस की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कहा था कि अग्निवीर का कैडर बिल्कुल अलग है और भारतीय सेना की दी गई उनकी चार साल की सेवा को रेगुलर सर्विस नहीं माना जाएगा। चार साल पूरा होने के बाद अगर कोई अग्निवीर सेना में ज्वाइन करता है तो उसकी नियुक्ति नई नियुक्ति मानी जाएगी। उसका कैडर सिपाही कैडर से नीचे होगा। अग्निवीर के तौर पर शामिल करने के पीछे तर्क यह है कि वह बेसिक ट्रेनिंग लेता है और अगर सेना में सिपाही के पद पर नियुक्त होता है तो उनकी ट्रेनिंग अग्निवीर से उच्च स्तर की होगी। दस-पन्द्रह साल के बाद कोई भी सिपाही ऐसा नहीं होगा जो अग्निवीर नहीं रहा हो। केंद्र की ओर से एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने यह पक्ष रखा था। दरअसल हाई कोर्ट ने केंद्र से पूछा था कि जब अग्निवीर और सिपाही का काम एक ही किस्म का होगा तो एक काम होने के बावजूद अग्निवीरों का वेतन कम क्यों होगा। एएसजी ऐश्वर्या ने कहा था कि अग्निवीरों की जिम्मेदारी सिपाही की तरह नहीं होगी। उन्हें सिपाही को सैल्यूट करना होगा। इस पर जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने केंद्र से 75 फीसदी अग्निवीरों के भविष्य को लेकर योजनाओं के बारे में पूछा था जो चार साल पूरा करने के बाद सेना से बाहर हो जाएंगे। भाटी ने कहा था कि केंद्र सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में अग्निवीरों के लिए आरक्षण की योजना बनाई है। सुप्रीम कोर्ट ने 19 जुलाई को इस संबंध में अपने पास और दूसरे राज्यों के हाई कोर्ट में लंबित केस दिल्ली हाईकोर्ट में ट्रांसफर करने का आदेश दिया था। दिल्ली हाई कोर्ट पहले से भारतीय नौसेना के उस विज्ञापन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें अभ्यर्थियों को 12वीं में मिले मार्क्स कट-ऑफ बढ़ाकर चयन करने की बात कही थी। अग्निपथ योजना को लेकर एयर फोर्स में चयनित बीस अभ्यर्थियों ने भी हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में अग्निपथ योजना को लेकर तीन याचिकाएं दाखिल की गई थीं।

कांग्रेस अरुणाचल प्रदेश से गुजरात तक भारत जोड़ो यात्रा की कर रही तैयारी

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे चरण की तैयारियों में जुट गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार यह यात्रा अरुणाचल प्रदेश से शुरू होकर गुजरात तक जाएगी। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे चरण की तैयारी लंबे समय से चल रही है। पार्टी पदाधिकारी इस यात्रा को लेकर योजना बना रहे हैं। जल्द ही कांग्रेस यात्रा संबंधित जानकारी आधिकारिक तौर साझा कर सकती है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के 85वें महाअधिवेशन के तीसरे दिन रायपुर में रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे चरण का संकेत दे दिया था। उन्होंने कहा था कि वह तपस्या के लिए तैयार हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जैसी योजना बनाएंगे वह सहयोग करेंगे। राहुल कई मौके पर भारत जोड़ो यात्रा को तपस्या कहते रहे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी अपने बयान में कहा है कि भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे चरण को जल्द शुरू किया जा रहा है। पार्टी अभी इस यात्रा को लेकर विचार कर रही है। हालांकि कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि यात्रा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जल्द ही पार्टी यात्रा का विवरण जारी करेगी।

आम आदमी पार्टी अपने पापों को छिपाने के लिए भगत सिंह का नाम न लें : मीनाक्षी लेखी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। केन्द्रीय विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री एवं भाजपा सांसद मीनाक्षी लेखी ने आम आदमी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें अपने पापों को छिपाने के लिए भगत सिंह का नाम नहीं लेना चाहिए। आप ने ईमानदारी के नाम पर सरकार बनाई है, लेकिन ये लोग सबसे ज्यादा बेईमान साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के बच्चे इस सरकार और पहले की सरकारों के कारण पीड़ित हैं। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी पर पर मीनाक्षी लेखी ने कहा कि आप ने कौशल प्रशिक्षण के नाम पर घोटाले किए गए। केंद्रीय एजेंसियां किसी के कहने पर काम नहीं करतीं, अगर वे भाजपा के कहने पर काम करतीं तो उन्हें चुनाव से पहले गिरफ्तार कर लिया गया होता लेकिन सीबीआई ने सबूत मिलने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया है।

मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी को लेकर आप कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

हल्द्वानी, (हि.स.)। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सीबीआई के गिरफ्तार किए जाने के बाद उत्तराखंड में भी आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। हल्द्वानी में आज आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ बदले की भावना और षड्यंत्र करने का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार का पुतला दहन किया। आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि जिस तरह पूरे देश में आम आदमी पार्टी लोगों के बीच में अपनी जगह बना रही है उससे भाजपा डर गई है और यही वजह है कि तरह तरह के षड्यंत्र कर आम आदमी पार्टी के नेताओं को सीबीआई के माध्यम से जेल में डालने का षड्यंत्र किया जा रहा है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता समित टिक्कू ने कहा कि अब भाजपा का तानाशाही चेहरा सबके सामने आ गया है, उन्होंने मांग करी कि जल्द से जल्द मनीष सिसोदिया को रिहा किया जाए।

सियासी मजबूरी, ठाकरे परिवार को लेकर नरम पड़े भाजपा के सुर

-फडणवीस ने कहा राजनीतिक विरोधियों को दुश्मन नहीं समझते

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राजनीतिक विरोधियों को दुश्मन नहीं समझते। उन्होंने पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे और सरकार में मंत्री रहे आदित्य को लेकर भी बात कही। खास बात है कि बीते साल नवंबर में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हुई बगावत के तार फडणवीस ने भाजपा के बदला से जोड़े थे। हालिया दिनों में ठाकरे परिवार को लेकर भाजपा के सुर नरम पड़ते दिख रहे हैं। जानकार इसके तार सियासी हालात से जोड़ रहे हैं। भारत निर्वाचन आयोग के शिवसेना नाम और चिह्न (तीर-कमान) को शिंदे समूह को सौंपने के फैसले के बाद उद्धव लगातार भाजपा पर निशाना साध रहे हैं। उन्होंने कहा था कि पिता की विरासत चोरी कर ली गई। साथ ही उन्होंने बदला लेने की कसम भी खाई। कहा जा रहा है कि दिवंगत बाल ठाकरे की गठित पार्टी को ठाकरे परिवार से ही जोड़कर देखा जाता है। इसके बाद कई वफादार आयोग की कार्रवाई को भाजपा प्रभावित मान रहे हैं। माना जा रहा है कि भाजपा जानती है कि अगर उद्धव लोगों के बीच धोखे की बात स्थापित करने में सफल हो गए, तब हालात बदल सकते हैं। भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, पार्टी के नाम और चिह्न की जंग उद्धव सेना और शिंदे गुट के बीच थी, लेकिन उद्धव के पक्ष में जनता की भावना भाजपा की छवि को नुकसान पहुंचाएगी। हमें इस साल होने वाले बीएमसी चुनाव और 2024 लोकसभा चुनाव से पहले सावधानी से रोडमैप बनाना होगा। साथ ही अन्य नेताओं का मानना है कि पार्टी का मकसद 2019 को लेकर उद्धव को सबक सिखाना था। उस दौरान उद्धव एनडीए छोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के साथ चले गए थे। अब भाजपा के कुछ नेता मानते हैं कि अब जब सब ठीक है, तब आगे बढ़ना चाहिए।

सीआरपीएफ के कार्यक्रम में शामिल होने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बस्तर आएंगे

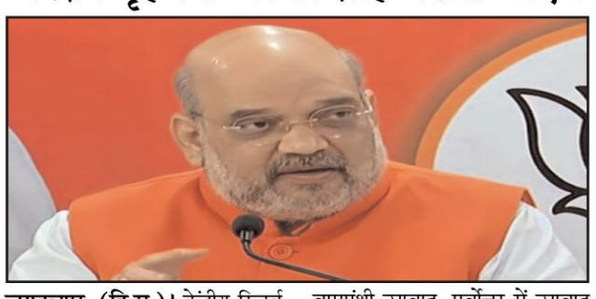

जगदलपुर, (हि.स.)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) अपना 84वां स्थापना दिवस समारोह छग के बस्तर जिले के करनपुर में पहली बार आयोजित करने जा रहा है। इसके लिए यहां तैयारियां भी जोरो पर है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 19 मार्च को बस्तर जिला में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस दौरान अमित शाह भाजपा नेताओं के साथ बैठक कर चुनावी मंत्र भी देंगे, छत्तीसगढ़ के चुनावी वर्ष में अमित शाह का यह प्रवास काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि देश के सबसे बड़े केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल को वामपंथी उग्रवाद, पूर्वोत्तर में उग्रवाद विरोधी अभियानों और जम्मू में आतंकवाद विरोधी अभियानों के 03 मुख्य क्षेत्रों में काम करने वाले प्रमुख राष्ट्रीय आंतरिक सुरक्षा बल के रूप में नामित किया गया है। पिछले वर्ष जम्मू में अपना 83वां वार्षिक स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया था। भाजपा प्रवक्ता केदार कश्यप ने केंद्रीय गृहमंत्री के बस्तर प्रवास की पुष्टि करते हुए बताया कि मार्च माह में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बस्तर प्रवास पर आएंगे। इस दौरान वे बस्तर जिले में आयोजित सीआरपीएफ के कार्यक्रम में शामिल होंगे, फिलहाल निर्धारित कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है।

खुले आसमान के नीचे रेस्टोरेंट खोलने देने की पॉलिसी से बढ़ गई MCD की कमाई

अजय त्यागी

नई दिल्ली। एमसीडी ने दिल्ली भर में 138 खाली जगहों पर रेस्टोरेंट्स को खाना परोसने की परमिशन दी है। वहीं 57 ऐसे भी रेस्टोरेंट्स हैं जिन्हें छत पर फूड सर्व करने की इजाजत दी गई है। इससे एमसीडी को 5.44 करोड़ रुपये का रेवेन्यू मिला है। एमसीडी का मानना है कि इस तरह की पॉलिसी लागू करने से पर्यटन के साथ-साथ रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। एमसीडी अपना रेवेन्यू बढ़ाने के लिए अपने सभी सोर्स में बढ़ोतरी करने की लगातार कोशिश कर रही है। सबसे पहले साउथ एमसीडी की ओर से रेस्टोरेंट्स से सटी खुली जगहों और छतों पर फूड सर्व करने की अनुमति देने की पॉलिसी लागू की गई। तीनों निगमों के एक होने के बाद इस पॉलिसी को नॉर्थ और ईस्ट दिल्ली में भी लागू किया गया है। निगम की इस पॉलिसी को रेस्टोरेंट मालिकों ने हाथों-हाथ लिया है। एमसीडी के जन स्वास्थ्य विभाग ने खुले में खाना परोसने के लिए 138 और छतों पर खाना परोसने के 57 लाइसेंस जारी किए हैं। जिससे निगम को लगभग 5.44 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। इस पॉलिसी को आम जनता की तरफ से भी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। लोग खुले आसमान के नीचे बैठकर खाने का लुत्फ ले पा रहे हैं। एमसीडी की इस पॉलिसी के तहत रेस्टोरेंट मालिकों के लिए कुछ शर्तें और नियम रखे गए हैं। आवेदक के पास खुली जगह या छत का कानूनी कब्जा हासिल होना चाहिए। फायर डिपार्टमेंट की एनओसी (ग्राउंड और ऊपर की मंजिलों पर अगर कुल खुली जगह 90 वर्ग मीटर से कम है तो एनओसी की जरूरी नहीं) अगर खुली जगह पर खाना परोस रहे हैं तो यह पैदल चलने वालों के रास्ते में अड़चन नहीं बनना चाहिए। साथ ही खुले में किचन चलाने या खाना पकाने की भी मनाही है। एमसीडी रेस्टोरेंट की खुली जगह या छत के लिए 200 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से सालाना लाइसेंस फीस ले रही है। 4 स्टार और उससे ऊपर वाले होटल के मामले में सालाना लाइसेंस फीस 500 रुपये प्रति वर्ग फुट तय है।

मरम्मत के बाद परीक्षण के लिए समंदर में उतारा गया आईएनएस विक्रमादित्य

- समुद्री परीक्षण पूरा होने के बाद 31 मार्च तक सौंपा जाएगा भारतीय नौसेना को
- अप्रैल में मिग-29के का संचालन शुरू कर ऑपरेशनल किये जाने की उम्मीद

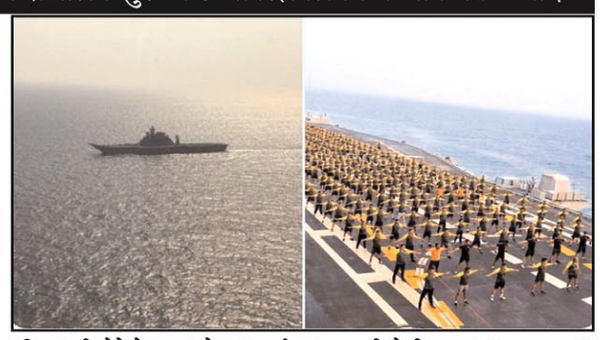

नई दिल्ली, (हि.स.)। लगभग एक साल तक मरम्मत के बाद विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य का समुद्री परीक्षण शुरू हो गया है। जल्द ही परीक्षण पूरा होने के बाद विमानवाहक पोत को ऑपरेशनल भूमिका में उतारे जाने की उम्मीद है। भारतीय नौसेना इस एयरक्राफ्ट कैरियर से मिग-29के फाइटर जेट्स ऑपरेट करती है। इसे 31 मार्च तक आधिकारिक तौर पर भारतीय नौसेना को सौंप दिया जाएगा और अप्रैल में मिग-29के का संचालन शुरू होगा। भारत का पहला विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य दिसंबर, 2021 में मरम्मत के लिए कारवार नौसेना बेस में भेजा गया था। लगभग 45 हजार टन वजनी विमानवाहक पोत की मरम्मत पूरी होने के बाद अब इसका समुद्री परीक्षण शुरू किया गया है। इस दौरान पोत अपने स्वयं के इंजनों के तहत कारवार नौसेना बेस के बाहरी लंगर में जाएगा। 15 महीने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसे 31 मार्च तक आधिकारिक तौर पर भारतीय नौसेना को सौंप दिया जाएगा। इसके बाद पोत से मिग-29के का संचालन अप्रैल में शुरू होगा। यह परीक्षण मार्च में गोवा और आईएनएस कदंबा के बीच अप्रैल में शुरू होने वाले हवाई संचालन के साथ शुरू होगा। इस युद्धपोत में अधिकतम 36 विमान ले जाने की क्षमता है, जिसमें 26 मिग-29के लड़ाकू विमान और 10 कामोव का-31 अग्रिम इलेक्ट्रॉनिक चेतावनी (एईडब्ल्यू) और केए-28 पनडुब्बी रोधी युद्धक (एएसडब्ल्यू) हेलीकॉप्टर शामिल हैं। आईएनएस विक्रमादित्य संचालन के लिए तैयार होने के बाद भारत के पास दो विमानवाहक पोत होंगे। दूसरा एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत है, जिसका पहले से ही पश्चिमी समुद्र तट पर परीक्षण चल रहा है। विक्रांत को भारत के पूर्वी समुद्री तट पर विशाखापत्तनम में और पूर्व रूसी वाहक आईएनएस विक्रमादित्य को पश्चिमी तट पर तैनात किये जाने की योजना है।

'मेड इन इंडिया' डीओ-228 विमान के अपग्रेडेशन को डीजीसीए की मंजूरी

- विमान के नए वर्जन का वजन 19 यात्रियों की क्षमता के साथ अधिकतम 5,695 किलोग्राम होगा
- यात्रियों को लाने-ले जाने, माल ढोने और एयर एम्बुलेंस के रूप में किया जा सकता है इस्तेमाल

नई दिल्ली, (हि.स.)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के विमान 'हिंदुस्तान डीओ-228' के एक नए संस्करण को मंजूरी दे दी है। अपग्रेडेशन के बाद विमान के नए वर्जन का वजन 19 यात्रियों की क्षमता के साथ अधिकतम 5,695 किलोग्राम होगा। एचएएल को घरेलू स्तर पर डीओ-228 के निर्माण के लिए अधिकृत किया गया है। इसका इस्तेमाल यात्रियों और वीआईपी को लाने-ले जाने, माल ढोने और एयर एम्बुलेंस के रूप में किया जा सकता है। बेंगलुरु मुख्यालय वाले एचएएल ने सोमवार को एक बयान में कहा कि अपग्रेडेशन के बाद विमान के नए वर्जन का वजन 19 यात्रियों की क्षमता के साथ अधिकतम 5,695 किलोग्राम होगा। यह वेरिएंट ऑपरेटरों के लिए कई ऑपरेशनल सुविधाओं वाला होगा, जैसे इसे गैर कमर्शियल लाइसेंस वाले पायलट भी उड़ा सकेंगे, जिससे विमान के लिए पायलट पूल की उपलब्धता में वृद्धि होगी और परिचालन लागत में भी कमी आएगी। इसके अलावा नए संस्करण के रखरखाव, इंजीनियरों सहित उड़ान और ग्राउंड क्रू के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता कम हो जाएगी। हिंदुस्तान-228 विमान नागरिक संस्करण है, जिसे जर्मन कंपनी डोर्नियर जीएमबीएच के लाइसेंस के तहत एचएएल ने बनाया है। यह मल्टी फंक्शनल हल्का कार्गो विमान है। 1970 के दशक के अंत में एक जर्मन संगठन ने डोर्नियर डीओ-228 का डिजाइन और निर्माण किया। 1983 में विमान के निर्माण के लिए डोर्नियर और एचएएल के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह समझौता 150 विमानों तक के ला-इसेंससुदा उत्पादन के लिए था। एचएएल को घरेलू स्तर पर डीओ-228 के निर्माण के लिए अधिकृत किया गया है। एचएएल ने 2016 के अंत में विमान का नागरिक संस्करण बनाने के इरादे की घोषणा की। एक साल बाद एचएएल के कानपुर संयंत्र में तत्कालीन नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री जयंत सिन्हा ने अलग से यूनिट शुरू की। कानपुर के ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट डिवीजन ने केंद्रीय प्रशासन के स्थानीय संपर्क कार्यक्रम 'उड़ान' (उड़े देश का आम नागरिक) को समर्थन देने के लिए डीओ-228 के नागरिक संस्करण का उत्पादन शुरू किया। यह उड़ान कार्यक्रम जून, 2016 में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति का हिस्सा है। इसका उद्देश्य भारत के छोटे शहरों और अलग-थलग क्षेत्रों के लिए हवाई यात्रा को सस्ता बनाना है। एचएएल के कानपुर डिवीजन को स्थानीय और विदेशी दोनों बाजारों के लिए हल्के परिवहन और ट्रेनर विमान बनाने, रखरखाव, परिवर्तन और आधुनिकीकरण करने में विशेषज्ञता हासिल है। इसके अतिरिक्त, वे खर्च कम करने और आत्मनिर्भरता हासिल करने के इरादे से अपने स्वयं के उपकरण और सिस्टम बनाने पर काम कर रहे हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 21 दिसंबर, 2017 को एचएएल को उसके डीओ-228 सिविल वेरिएंट विमान के लिए 'सर्टिफिकेट ऑफ एयरवर्थनेस' से सम्मानित किया, जिससे इसे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए भारत के भीतर एयरलाइंस का उपयोग करने की अनुमति मिली। इन विमानों में अपनी जरूरतों के लिहाज से भारतीय नौसेना ने कई संशोधन किये जाने के प्रस्ताव हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के सामने रखे थे, जिसके अनुरूप एचएएल ने विमान को दो-प्रॉप इंजन, निगरानी रडार, एक एफएलआईआर सिस्टम, ईएसएम तकनीक, उपग्रह संचार उपकरण, डेटा ट्रांसमिशन लिंक, एन्क्रिप्शन सहित निगरानी और गश्ती पुर्जों के साथ अपग्रेड किया है। इसमें यातायात टकराव से बचाव प्रणाली और एन्हांस्ड ग्राउंड प्रॉक्सिमिटी वार्निंग सिस्टम (ईजीपीडब्ल्यूएस) भी लगाया गया है। एचएएल के मुताबिक हिंदुस्तान-228 (वीटी-केएनआर) विमान के ग्राउंड-रन और लो-वेलोसिटी टैक्सी परीक्षण 21 अगस्त, 2021 को किए गए थे। विमान को बेहतर बनाने के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक कॉकपिट, एर्गोनॉमिक डेटा स्क्रीन पर फीडबैक लूप और कुछ भी अप्रत्याशित होने पर पायलटों को सचेत करने के लिए स्वचालित स्व-परीक्षण के लिए आधुनिकीकरण किया गया है। इसमें सबसे उन्नत विमानन तकनीक भी है। अपग्रेड के हिस्से के रूप में पहले के माइनस 5 इंजन को बदलने के लिए एक सिविल-प्रमाणित टर्बोप्रॉप माइनस दस इंजन जोड़ा गया है और पांच-ब्लेड प्रोपेलर की स्थापना पूरी हो चुकी है। एचएएल के अनुसार डीओ-228 विमान में शॉर्ट टेक ऑफ और लैंडिंग की क्षमता है। इसकी ईंधन और भार क्षमता पर्याप्त है, रखरखाव की लागत कम है, ईंधन उत्पादकता अधिक है और इसकी गति अपनी श्रेणी में बेहतर है। दो सदस्यीय चालक दल वाले इस 19 यात्री विमान को विभिन्न उपयोगों के लिए अनुकूलित किया जा सकता है, जिसमें यात्रियों और वीआईपी को ले जाना, माल ढोना, एयर एम्बुलेंस के रूप में सेवा देना, हवाई निगरानी करना और तस्वीरें लेना, क्लाउड सीडिंग करना और पैरा जंपिंग को सक्षम करना शामिल है।

अमेरिका जैसी बनेंगी यूपी की सड़कें : गडकरी

-केंद्रीय मंत्री ने बलिया में 6500 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया

बलिया, (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को बलिया जिले के चितबड़ा गांव में 6500 करोड़ रुपये की लागत की सात राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान गडकरी ने घोषणा की कि यूपी की सड़कें अमेरिका जैसी बनाई जाएंगी। गडकरी ने पूर्वांचल के किसानों को अन्नदाता से ऊजार्दाता बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नदियों के दोआब में बसी इस धरती में ऊर्जा की असीम संभावनाएं हैं। साल 2024 समाप्त होते-होते यूपी की सड़कें अमेरिका के बराबर होंगी। गडकरी ने मोदी सरकार के कार्यों का बखान करते हुए कहा कि यूपी में एनएचआई की तरफ से दो लाख 80 हजार करोड़ रुपये के कार्यों की श-ुरूआत हुई है। साल 2014 से 2023 तक 80 हजार करोड़ रुपये की लागत से पांच हजार किलोमीटर के कार्य पूर्ण हुए हैं। वर्ष 2023 से 2024 तक एक लाख करोड़ की लागत से तीन हजार किलोमीटर के कार्य पूरे किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के आग्रह पर 840 करोड़ की लागत से सैदपुर-मरदह मार्ग बनेगा। 22 हजार करोड़ से बनारस से कोलकाता तक सिक्स लेन मार्ग बन रहा है। पूर्वांचल में इकोनॉमिक कॉरिडोर से मिनरल्स और खनिज के कारोबार में प्रगति होगी। यहां के अन्नदाता किसानों में ऊजार्दाता बनने की भरपूर क्षमता है। हम ऐसा करके दिखाएंगे। इस अवसर पर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, सांसद वीरेन्द्र सिंह मस्त, नीरज शेखर, सकलदीप राजभर, उपेन्द्र तिवारी व भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश साहू आदि थे। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने जिन कार्यों का लोकार्पण किया, उनमें 131 किलोमीटर के गाजीपुर-बलिया-मांझीघाट मार्ग के सुदृढ़ीकरण का कार्य, 35 किलोमीटर के सिकंदरपुर-हनुमानगंज-बलिया का सुदृढ़ीकरण व गाजीपुर जिले में गाजीपुर बलिया मार्ग पर बेसो नदी पर सेतु का निर्माण कार्य शामिल है। गडकरी ने गाजीपुर-बलिया-मांझीघाट (यूपी-बिहार सीमा) तक फोर-लेन ग्रीनफील्ड-वे और बक्सर के लिए 17 किमी के लिंक रोड के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इसके अलावा गाजीपुर जिले में 840 करोड़ की लागत से बनने वाले 54 किमी के मरदह-जखनिया-सादात-सैदपुर मार्ग के टू-लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण कार्य, यूपी-बिहार सीमा से चंदौली तक 130 किमी की लागत से 11 किमी तक बनने वाले टू-लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण कार्य तथा गाजीपुर-बलिया मार्ग पर माल्देपुर से कदम चौराहा तक 50 करोड़ की लागत से बनने वाले पांच किमी मार्ग का निर्माण कार्य का शिलान्यास हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'खेलो बनारस' के सफल आयोजन पर काशीवासियों को दी बधाई

- पीएम ने दिया खिलाड़ियों को शुभकामना संदेश

वाराणसी, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के हर छोटी-बड़ी घटनाओं और विभिन्न आयोजनों पर भी तमाम व्यस्तता के बावजूद नजर रखते है। इसका नजारा एक बार फिर दिखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांसद आदर्श खेल प्रतियोगिता 'खेलो बनारस' के सफल आयोजन पर खिलाड़ियों और आयोजकों को शुभकामना संदेश भेजा है। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं की पहचान कर, उन्हें अपने कौशल प्रदर्शन के लिए एक उपयुक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किए गए इस कार्यक्रम को काशी की जनता का भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुभकामना संदेश के माध्यम से कहा है कि अपने संसदीय क्षेत्र में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों को खो-खो, कुश्ती, एथलेटिक्स समेत विभिन्न प्रतिस्पधाओं में बढ़- चढ़कर हिस्सा लेते और नए रिकॉर्ड अपने नाम करते देखना अत्यंत उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि ऐसी विशिष्ट प्रतिभाएं अपनी लगन और मेहनत से आने वाले समय में विभिन्न मंचों पर अपने देश का नाम ऊंचा करेंगी। वहीं, उन्होंने इस बात की भी अत्यंत खुशी जाहिर की है कि बड़ी संख्या में दर्शकों ने अपनी उपस्थिति से खेल के मैदान में इन खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में सरकार और समाज के प्रयासों से खेलों के लिए अनुकूल माहौल तैयार हो रहा है। युवा प्रतिभाओं के चयन में पारदर्शिता, बेहतर प्रशिक्षण, आर्थिक सहायता समेत विभिन्न कदमों के जरिए खिलाड़ियों को सशक्त किया जा रहा है। खेलों को मिल रहे अभूतपूर्व प्रोत्साहन के बीच ओलंपिक, पैरालंपिक समेत विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पधाओं में भारतीय खिलाड़ी अपने दमदार प्रदर्शन से निरंतर देश का मान बढ़ा रहे हैं। खेलो बनारस' प्रतियोगिता से जुड़े वे सभी लोग विशेष रूप से बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने अपने अथक प्रयासों से इस आयोजन को आशातीत सफलता दिलाई है। प्रतियोगिता के सभी विजेताओं, प्रतिभागियों, निर्णायकों, प्रशिक्षकों, जिला प्रशासन एवं काशी की समस्त जनता को कार्यक्रम की सफलता के लिए बधाई है।

भाजपा की नयी टीम का एलान जल्द

लखनऊ, (हि.स.)। बहुप्रतीक्षित उत्तर प्रदेश भाजपा की टीम की घोषणा जल्द होने के आसार हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी और प्रदेश संगठन मंत्री धर्मपाल सोमवार दिल्ली में मौजूद हैं। इन दोनों नेताओं की राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष से मुलाकात के बाद उत्तर प्रदेश की नयी टीम पर अंतिम मुहर लग सकती है। पुरानी टीम के कुछ प्रदेश पदाधिकारियों के योगी मंत्रिमण्डल में शामिल होने से उनके स्थान पर नये चेहरों को टीम में जगह मिलना तय है। वहीं कई सालों से जमे पुराने चेहरों की छुट्टी भी हो सकती है। प्रदेश टीम की घोषणा के साथ ही कुछ क्षेत्रीय अध्यक्षों की भी घोषणा होनी है। इसके बाद जिलाध्यक्षों की घोषणा होगी। प्रदेश भाजपा टीम में शामिल जेपीएस राठौर, दयाशंकर सिंह, ए.के.शर्मा और लक्ष्मण आचार्य के स्थान पर नये लोगों को मौका मिलेगा। वहीं प्रदेश महामंत्री प्रियंका रावत और सुब्रत पाठक की प्रदेश टीम से छुट्टी हो सकती है। दोनों नेता लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। इसलिए इन्हें संगठन से मुक्त किया जायेगा ताकि क्षेत्र में अधिक समय दे सकें। एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचन्द्र कनौजिया, प्रदेश मंत्री त्रयंबक त्रिपाठी, प्रदेश मंत्री प्रकाश पाल और ब्रज बहादुर को बड़ी जिम्मेदारी दी जायेगी। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी का कहना है कि भाजपा कार्यकर्ता व विचार आधारित पार्टी है। यहां किसी एक व्यक्ति या परिवार के लोग निर्णय नहीं करते हैं। भाजपा में निर्णय की सामूहिक प्रक्रिया है। उसी के आधार पर चीजें तय होती हैं।

अतीक की पत्नी को बसपा से बाहर करने का संकेत

लखनऊ, (हि.स.)। बसपा प्रमुख मायावती ने प्रयागराज में बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के अहम गवाह अधिवक्ता उमेश पाल और सरकारी गनर की हत्या पर सोमवार को चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने ट्वीट किया है इस मामले में अतीक अहमद के लड़के एवं उनकी पत्नी के ऊपर एफआईआर दर्ज किए जाने की सूचना प्रकाशित हुई है। उन्होंने कहा है कि बीएसपी ने इसका गम्भीरता से संज्ञान लेते हुए यह निर्णय लिया है कि इस मामले की चल रही जांच में, इनके दोषी साबित होते ही फिर आरोपी अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। मायावती ने एक अन्य ट्वीट में कहा है कि यह बात भी सर्वविदित है कि अतीक अहमद समाजवादी पार्टी का ही प्रोडक्ट है। पार्टी से वह एमपी व एमएलए आदि रहा है। अब राजू पाल की पत्नी भी बीएसपी से सपा में चली गई है, जिस पार्टी को वह मुख्य दोषी ठहराती थी। अतः इसकी आड़ में कोई भी राजनीति करना ठीक नहीं।

मुख्यमंत्री ने मथुरा में हुए मार्ग दुर्घटना में तीन लोगों की मृत्यु पर जताया शोक

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद मथुरा में हुए सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। विदित हो कि सुरीर थाना क्षेत्रांगत यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल स्टोन 89 पर दिल्ली से बिहार जा रही डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में बस में सवार एक बच्चे सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 24 लोग घायल हो गए। घायलों में छह को गंभीर हालत में आगरा रेफर किया गया है। हादसे की सूचना पाकर मौके पर डीएम पुलकित खरे और एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय भी पहुंच गए और उन्होंने क्रेन द्वारा बस को हटवाकर मार्ग को सुचारू करवाया है। जिलाधिकारी पुलकित खरे ने बताया कि बस पलटने से हुए हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। अभी तक मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। गंभीर रूप से घायल छह यात्रियों को आगरा एसएन मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया गया है।

डीसी ने सावित्रीबाई फुले जागरूकता रथ को रवाना किया

लोहरदगा, (हि.स.)। डीसी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने सोमवार को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के प्रचार-प्रसार के लिए चार जनजागरूकता रथ को समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखा कर सभी प्रखण्डों के लिए रवाना किया। इन प्रचार रथों के जरिए प्रतिदिन लिए के विभिन्न गांवों में प्रचार-प्रसार किया जाएगा। मौके पर डीसी ने कहा कि सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना राज्य सरकार की अतिमहत्वकांक्षी योजनाओं में से है। इस योजना का लाभ माता की प्रथम दो पुत्रियों को देय होगी। सरकारी तथा सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त और शिक्षा का अधिकार के अंतर्गत निजी विद्यालयों में पढ़नेवाली सभी किशोरियों को इसका लाभ मिलेगा। एक बालिका को कक्षा आठवीं में ढाई हजार रुपए, कक्षा 9वीं में ढाई हजार रुपए, कक्षा 10वीं में पांच हजार रुपए, कक्षा 11वीं में पांच हजार रुपए, कक्षा 12वीं में पांच हजार रुपए और 18 वर्ष की आयु पूरी होने के उपरांत 18-19 वर्ष की किशोरावस्था में एकमुश्त 20 हजार रुपए की अनुदान राशि उसके बैंक खाते में दी जाएगी। आवेदन के लिए संबंधित आंगनवाड़ी सेविका के माध्यम से बाल विकास परियोजना पदाधिकारी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

हाई कोर्ट ने जेपीएससी में संविदा पर कार्यरत कर्मी की सेवा नियमित करने का दिया आदेश

रांची, (हि.स.)। झारखंड के मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सोमवार को जेपीएससी में संविदा पर नियुक्त कर्मी की सेवा 45 दिनों के भीतर नियमित करने का निर्देश जेपीएससी को दिया है। साथ ही वर्ष 2014 से इनकी सेवा को नियमित मानते हुए इन्हें सारी सुविधा देने का निर्देश दिया है। खंडपीठ ने सुखविलास उरांव की अपील याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। खंडपीठ ने वर्ष 2022 में याचिकाकर्ता की याचिका को एकल पीठ द्वारा खारिज किए जाने और जेपीएससी द्वारा उसे वर्ष 2010 में हटाए जाने के आदेश को असंवैधानिक ठहराया। खंडपीठ ने याचिकाकर्ता की याचिका को निष्पादित कर दिया। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सृष्टि सिन्हा एवं अधिवक्ता शशांक शेखर झा ने पैरवी की। उल्लेखनीय है कि सुखविलास उरांव की नियुक्ति संविदा पर वर्ष 2004 में जेपीएससी में दफ्तरी के पद पर हुई थी। लेकिन वर्ष 2010 में उसे हटा दिया गया और फिर से उसकी नियुक्ति संविदा पर की गई। सुखविलास ने वर्ष 2010 में नौकरी से हटाए जाने के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट की एकल पीठ ने वर्ष 2022 में याचिकाकर्ता की याचिका को खारिज करते हुए कहा था कि सुखविलास संविदा पर कार्यरत है उसे हटाना या ना हटाना जेपीएससी पर निर्भर करता है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को राहत नहीं देते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद याचिकाकर्ता की ओर से हाई कोर्ट की खंडपीठ में अपील दाखिल की गई थी जिस पर सोमवार को झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई।

14 मार्च से इंटर की परीक्षा, कॉलेज ने छात्रों को नहीं दिया एडमिट कार्ड, हाई कोर्ट पहुंचा मामला

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में सोमवार को 14 मार्च से इंटर की परीक्षा शुरू होने से पूर्व एडमिट कार्ड नहीं दिये जाने का एक मामला पहुंचा है। मांडर इंटर कॉलेज के 6 छात्र-छात्राओं ने झारखंड हाई कोर्ट में रिट याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि कॉलेज प्रबंधन के द्वारा छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। याचिकाकर्ता छात्रों के अधिवक्ता सूरज किशोर प्रसाद के मुताबिक मांडर इंटर कॉलेज ने फीस लेने और सभी कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद भी छात्रों को एडमिट कार्ड नहीं दिया है, जिसके कारण उन्हें यह चिंता है कि सभी छात्र इंटर की परीक्षा देने से वंचित रह जाएंगे। इस संबंध में हिमा देवी एवं अन्य ने झारखंड हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर कोर्ट से यह आग्रह किया है कि इस मामले की जल्द से जल्द सुनवाई की जाये।

उपवास में है ममता, ईश्वर और जनता दोनों का मिल रहा आशीर्वाद : बजरंग

रामगढ़, (हि.स.)। विधानसभा उपचुनाव में ममता देवी की आस्था ईश्वर के साथ भी जुड़ी हुई है। वोटिंग के दिन सुबह से ही ममता देवी जेल में ही उपवास कर रही हैं। जब क्षेत्र में मैं निकल रहा हूं तो अब यह स्पष्ट हो गया है कि ईश्वर और जनता का आशीर्वाद एक साथ मिल रहा है। यह बात सोमवार को दुलमी प्रखंड में क्षेत्र भ्रमण के दौरान यूपीए उम्मीदवार बजरंग महतो ने कही। उन्होंने कहा कि पूरे विधानसभा क्षेत्र में जनता ने

दिल खोलकर वोट किया है। जनता का यह उत्साह यह बता रहा है कि ममता देवी और जनता के बीच में जुड़ाव कितना गहरा है। ममता देवी जरूर जेल में है लेकिन जनता उन्हें अपने दिल से नहीं निकाल पा रही। बजरंग ने कहा कि पूरे विधानसभा क्षेत्र में जिस तरीके से सूचना मिल रही है उन्हें उम्मीद है कि दो मार्च को होली जबरदस्त होगी। उन्होंने कहा कि जनता इस बात को जान रही है कि ममता देवी किसी भ्रष्टाचार में जेल नहीं गई हैं। जनता की लड़ाई लड़ने में उन्हें यह संकट झेलना पड़ रहा है।

बिहार सरकार न्याय के साथ कर रही विकास : राज्यपाल

पटना, (हि.स.)। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर के अभिभाषण के साथ आज से बिहार विधानसभा के बजट सत्र की शुरूआत हो गई है। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में महागठबंधन सरकार की उपलब्धी को गिनाया। इस दौरान राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर सदन में जब वे नलजल और जीविका दीदी योजना के बारे में बात कर रहे थे तो विपक्षी सदस्य भाजपा ने विरोध जताया। बजट सत्र शुरू होने के पहले सदन के बाहर भी भाजपा और वामपंथी दलों ने सरकार की नीतियों की आलोचना की और नारेबाजी की। राज्यपाल ने अभिभाषण के दौरान कहा कि बिहार सरकार न्याय के साथ विकास कर रही है। सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जोरी टॉलरेंस की नीति पर काम रही है। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सरकार निरंतर काम कर रही है। इस पर भाजपा विधायकों ने ये कहते हुए हंगामा शुरू कर दिया कि स्कूलों में शिक्षक और बिल्डिंग नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि न्याय के साथ विकास किया जा रहा है। सात निश्चय के तहत कई योजना सफलता पूर्वक चलाई जा रही हैं। जिसके बाद भाजपा ने नाली-गली पर राज्यपाल के अभिभाषण पर हंगामा करना शुरू कर दिया। इस बीच राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में बिहार सरकार की उपलब्धियां गिनाई। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण के दौरान राज्य सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने हमेशा से सुशासन और न्याय के साथ विकास पर जोर दिया है। सरकार द्वारा अपराध नियंत्रण और विधि व्यवस्था के लिए सभी तरह के काम किए जा रहे हैं। डायल 112 आपातकालीन सेवा का शुभारंभ राज्य सरकार ने जुलाई महीने में किया था। किसी भी तरह की आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए राज्य के लोगों के लिए सरकार की तरफ से यह व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। राज्यपाल ने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए सरकार की तरफ से व्यापक व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए बड़े पैमाने पर भर्तियां की जा रही हैं। इस दौरान राज्यपाल ने पुलिस विभाग में हुई नियुक्तियों की जानकारी सदन को दी। राज्य के सभी पुलिस भवनों के निर्माण की दिशा में कार्य शुरू किया गया है। पुलिस भवनों के निर्माण की जिम्मेदारी बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम को दी गई है। पुलिस अनुसंधान को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम बनाने के लिए सरकार ने सभी 12 प्रक्षेत्रों में विधि विज्ञान प्रयोगशाला स्थापित करने का निर्णय लिया है। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान दोनों सदनों के सदस्यों के साथ-साथ बिहार विधानसभा के अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी और विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी मंगलवार को राज्य का वर्ष 2023-23 का बजट पेश करेंगे। बजट सत्र 5 अप्रैल तक चलेगा। इसमें कुल 22 बैठकें आयोजित होंगी। राज्यपाल के अभिभाषण पर दो दिन चर्चा होगी। वहीं वर्ष 2023-24 के बजट पर सामान्य विमर्श भी 2 दिन तक चलेगा। साथ ही 2022-23 के तृतीय अनुपूरक बजट व्यवस्थापन के लिए एक दिन रखा गया है। वित्त वर्ष 2023-24 के आय-व्यय अनुदान की मांगों पर वाद विवाद और विनियोग विधेयक के लिए 12 दिन रखे गए हैं। 27 फरवरी से 5 अप्रैल तक चलने वाले इस बजट सत्र में 16 दिन अवकाश रहेगा। बजट सत्र के दौरान सुरक्षा और विधि व्यवस्था को कायम रखने के लिए 40 मजिस्ट्रेट, 50 पुलिस पदाधिकारी के साथ 350 पुलिस जवान तैनात किये गए हैं। राज्य में महागठबंधन सरकार बनने के बाद नीतीश सरकार पहली बार बजट पेश करने जा रही है।

जुमलेबाजी करके देश की जनता को ठगते आ रहे हैं उसका गृहमंत्री हिसाब दें : ललन सिंह

पटना, (हि.स.)। जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ललन ने गृहमंत्री अमित शाह से चंद सवालों का जवाब मांगते हुए पूछा है कि देश की जनता को जुमलेबाजी से कब तक ठगते रहियेगा। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि देश के गृहमंत्री अमित शाह जी, अबतक जो आप जुमलेबाजी करके देश की जनता को ठगते आ रहे हैं उसका हिसाब दीजिए। उन्होंने सवाल किया कि अडानी घोटाले पर देश की जनता को कब तक गुमराह रखिएगा? जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने केन्द्रीय गृहमंत्री से पूछा कि 18 करोड़ युवाओं को रोजगार, हर गरीब के घर में गैस भरा सिलिंडर, हर भारतीयों को समुचित स्वास्थ्य सुविधा का लाभ और प्रत्येक व्यक्ति के खाते में 15-15 लाख रुपये कब तक जमा करवा रहे हैं?

डीएम के जांच कमेटी गठन के बाद देर रात्रि विधायक का धरना समाप्त, जारी होंगे टोल फ्री नंबर

नवादा, (हि. स.)। डीएम उदिता सिंह के जन वितरण प्रणाली में व्याप्त भ्रष्टाचार के विधायक विभा देवी की मांग को लेकर जारी आंदोलन के तहत डीडीसी के नेतृत्व में 3 सदस्यीय जांच कमेटी के गठन के बाद रविवार की देर रात धरना समाप्त कर दी गई। डीएम उदिता सिंह तथा एसपी अमरीश राहुल रात्रि 10:00 बजे के करीब समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में धरना पर बैठे विधायक से बातचीत के लिए आमंत्रित किया लेकिन विधायक डीएम के बुलावे पर उनके पास नहीं जाकर उन्होंने डीएम को धरना स्थल पर ही आने की बात कही। जिस पर डीएम - एसपी ने धरना स्थल पर पहुंचकर विधायक से बात की। डीएम ने साफ तौर पर कहा मैंने आप की मांग के अनुसार जांच कमेटी का गठन कर दिया है। अगर किसी सदस्य पर आपत्ति हो तो निश्चित तौर पर दूसरे सदस्य को जांच कमेटी में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जिसके विरुद्ध भी गलत करने की सबूत आएगी। उसके विरुद्ध कार्रवाई हो जाएगी। डीएम ने साफ तौर पर कहा कि जिला प्रशासन शीघ्र टोल फ्री नंबर जारी कर रही है।

इस नंबर पर जिस भी गरीब को कम अनाज मिलता है। वे शिकायत दर्ज करा सकते हैं। डीएम के विरुद्ध राजद समर्थकों ने सीएम का पुतला भी नवादा जेपी चौक पर जलाया था। पूछे जाने पर डीएम ने कहा कि 9 वर्षों के मेरे करियर में आज तक इस तरह किसी ने कोई आरोप नहीं लगाया। सरल स्वभाव व मृदुभाषी डीएम उदिता सिंह ने साफ तौर पर कहा कि किसी को भी व्यवस्था से शिकायत है। वह निश्चित तौर पर अपनी बात को रख सकते हैं। उस मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। मैं निश्चित तौर पर भ्रष्टाचार के विरुद्ध हूँ।

केंद्र मदद न करे तो बिहार में अधिकारियों-नेताओं के गाड़ियों के डीजल पर भी आफत हो जायेगी: गिरिराज सिंह

पटना, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार सरकार के नेताओं के बयानों का जवाब देते हुए कहा कि केंद्र सरकार अगर मदद न करें तो बिहार में अधिकारियों और नेताओं के गाड़ियों का डीजल खत्म हो जाएगा और इनकी गाड़ियों की बत्ती बंद हो जाएगी। बिहार सरकार पर कहावत सही बैठ रही है कि माल महाराज का मिर्जा खेले होली। गिरिराज सिंह पटना के कैलाशपति सभागार में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार सरकार के उस आरोप को बेबुनिया बताया जिसमें कहा जा रहा था कि केंद्र बिहार की मदद नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार बिहार की मदद कर रही है फिर भी नरेंद्र मोदी को गाली दिया जा रहा है। नीतीश कुमार बिहार की भोली भाली जनता को बरगलाने का काम कर रहे हैं। केंद्र अगर पैसा नहीं देता को बिहार में 31 हजार करोड़ कहां से आवंटित हुआ। नीतीश कुमार की सरकार झूठ बोलकर लोगों में भ्रम फैला रही है। गिरिराज सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बिहार सरकार के मंत्री झूठ बोलकर जनता को भ्रमित कर रहे हैं। भारत सरकार 8 सालों में बिहार को 1 लाख 66 हजार करोड़ रुपए दे चुकी है। बिहार सरकार के पास अपने कर्मचारियों को देने के लिए पैसा नहीं है लेकिन नीतीश कुमार को इसकी कोई चिंता नहीं है। वे सिर्फ अपनी सरकार को बचाने के लिए काम कर रहे हैं। नीतीश कुमार को विकास से कोई मतलब नहीं है वे सिर्फ लोगों में भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं।

संपादकीय

खालिस्तान के वारिस!

पंजाब आजकल सामान्य, शांत और खुशहाल दिखाई नहीं दे रहा। उसकी हवाओं में ज़हर घुला है। 'खालिस्तान ज़िंदाबाद' के नारे सरेआम बुलंद किए जा रहे हैं। हथियारबंद सिख 'पावन स्वर्ण मंदिर' के भीतर जाकर अरदास करते दिखाई दिए। जिस तरह सडक़ पर तलवारों, लाठियों और बंदूकों के साथ सिखों का सैलाब देखा गया और उसने अजनाला पुलिस स्टेशन पर धावा बोल दिया, तो लगा कि पंजाब पुलिस बेबस, लाचार और असहाय हो गई है! उसका मनोबल टूट चुका है। इस परिदृश्य में दुबई से लौटा अमृतपाल सिंह 'दूसरा भिंडरावाला' बनने के संकेत दे रहा है। भिंडरावाला ही उसका 'आदर्श' है। उसने खुद को 'स्वयंभू खालिस्तानी' घोषित कर दिया है। उसने साफ कहा है कि वह 'भारतीय' नहीं है। अमृतपाल ने खुद को 'वारिस पंजाब दे' संगठन का मुखिया भी घोषित कर दिया है। यह संगठन दिवंगत अभिनेता-गायक दीप सिद्धू ने बनाया था। बहरहाल अमृतपाल सिंह और उसके खालिस्तान-समर्थक सिखों, निहंगों ने जिस तरह अपने साथी लवप्रीत तूफान को जेल से रिहा कराया है और उसे तमाम आरोपों से मुक्त भी करना पड़ा है, यह पंजाब में खालिस्तान के दौर की वापसी के संकेत हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय को चिंतित होकर पंजाब पुलिस और गुप्तचर ब्यूरो से रपटें तलब करनी पड़ी हैं। सुरक्षा एजेंसियों की उच्चस्तरीय बैठक भी की गई, जिसके बाद 'नए भिंडरावाले' पर एक डोजियर तैयार किया जा रहा है। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह समेत कई नेताओं और पूर्व शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के आग्रह किए हैं। राष्ट्रपति शासन तो फिलहाल जल्दबाजी होगी, लेकिन अमृतपाल सिंह की नकेल कसने की कोशिश जरूर की जा सकती है। उसके सोशल मीडिया अकाउंट्स बंद करा दिए गए हैं। दरअसल पंजाब की 'आम आदमी पार्टी' की सरकार को न तो इन खालिस्तानी हरकतों की परवाह है और न ही मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान रणनीतिक सोच या ज्ञान वाले राजनेता हैं। संदेह होता है कि क्या 'आप' और खालिस्तानी नेताओं की कोई मिलीभगत है? पंजाब में आजकल कई स्तरों पर अराजकता दिख रही है। किसान और युवा भी आंदोलित होकर सडक़ों पर हैं। यदि वे और खालिस्तान-समर्थक आपस में मिल गए, तो बेहद चुनौतीपूर्ण ताकत बन सकते हैं। पंजाब में खालिस्तान की भीड़ सडक़ों पर हथियार लहरा रही थी और मुख्यमंत्री मान मुंबई में उद्धव ठाकरे से मुलाकात कर रहे थे। खालिस्तान के 'नए स्वयंभू' ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जैसा अंजाम भुगतने तक की धमकी दी है। मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी को भी चुनौती दी गई है। बताया जा रहा है कि दुबई में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने अमृतपाल सिंह और उसके कुछ साथियों को हथियारबंद ट्रेनिंग दी थी और आगे के अभियान के लिए उन्हें भारत भेजा गया है।

> केंद्रीय गृह मंत्रालय को चिंतित होकर पंजाब पुलिस और गुप्तचर ब्यूरो से रपटें तलब करनी पड़ी हैं। सुरक्षा एजेंसियों की उच्चस्तरीय बैठक भी की गई, जिसके बाद 'नए भिंडरावाले' पर एक डोजियर तैयार किया जा रहा है। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह समेत कई नेताओं और पूर्व शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के आग्रह किए हैं। राष्ट्रपति शासन तो फिलहाल जल्दबाजी होगी, लेकिन अमृतपाल सिंह की नकेल कसने की कोशिश जरूर की जा सकती है। उसके सोशल मीडिया अकाउंट्स बंद करा दिए गए हैं। दरअसल पंजाब की 'आम आदमी पार्टी' की सरकार को न तो इन खालिस्तानी हरकतों की परवाह है और न ही मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान रणनीतिक सोच या ज्ञान वाले राजनेता हैं। संदेह होता है कि क्या 'आप' और खालिस्तानी नेताओं की कोई मिलीभगत है? पंजाब में आजकल कई स्तरों पर अराजकता दिख रही है। किसान और युवा भी आंदोलित होकर सडक़ों पर हैं। यदि वे और खालिस्तान-समर्थक आपस में मिल गए, तो बेहद चुनौतीपूर्ण ताकत बन सकते हैं। पंजाब में खालिस्तान की भीड़ सडक़ों पर हथियार लहरा रही थी और मुख्यमंत्री मान मुंबई में उद्धव ठाकरे से मुलाकात कर रहे थे। खालिस्तान के 'नए स्वयंभू' ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जैसा अंजाम भुगतने तक की धमकी दी है।

कुछ अलग

अधोसंरचना की परीक्षा

प्रगति और परामर्श के नए धरातल पर हिमाचल का भविष्य अब वकालत के नए संदर्भ जोडऩे की हिदायत दे रहा है। यह दौड़ देश के भीतर खुद को स्थापित और परिभाषित करने की है। बेशक कभी अमृत्य सेन की किताब में हिमाचल की प्राथमिक शिक्षा ने सफलता के शब्द पैदा किए, लेकिन अब इम्तिहान की दूसरी पारी में इंतजाम की परिपाटी बदलनी होगी। देश हिमाचल के नजदीक आ रहा है और यहां से देश को देखने की अनिवार्यता ने अधोसंरचना की काबिलीयत पर दबाव डालने शुरू कर दिए हैं। ऐसे में योजनाओं और परियोजनाओं की प्राथमिकताएं दूरगामी व अति ईमानदारी से तय करनी होंगी। मसलन देश के आंकड़े प्रदेश में जिस हद तक बेहतर हुए, उनके प्रभाव को आगे बढ़ाने के लिए भी अधोसंरचना की गुणात्मक शक्ति का प्रदर्शन जरूरी हो जाता है। जी-20 सम्मेलन का आयोजन इसी गुणात्मकता की परीक्षा सरीखा है। देखना यह होगा कि ऐसे आयोजन आगे चलकर कुछ और प्रमुख शहरों का चयन करें और यह भी कि क्या धर्मशाला में प्रदेश केवल 'मेक शिफ्ट' प्रबंध करता हुआ नजर नहीं आ रहा। हम पिछले कई वर्षों से कहते आ रहे हैं कि तीनों हवाई अड्डों को 'कान्वेंशन टूरिज्म' के साथ जोड़ते हुए आवश्यक अधोसंरचना मुहैया करवाई जाए। आश्चर्य यह कि न तो शिमला में माकूल व्यवस्था हो पाई और न ही धर्मशाला में अंतरराष्ट्रीय कान्वेंशन सेंटर के नींव पत्थर काम आए। एडीबी के पैसे का टूरिज्म उत्थान के नाम पर अपव्यय तो हुआ, लेकिन कान्वेंशन सेंटर जैसी प्राथमिकताएं हार गईं। पिछली भाजपा सरकार अपने राजनीतिक शिलालेख लिखते-लिखते यह भूल कर बैठी कि अधोसंरचना की प्राथमिकताओं में निरतंरता छिन्न-भिन्न नहीं होनी चाहिए। प्रदेश को नए एयरपोर्ट की खोज को अहम मुददा बनाना चाहिए या प्राथमिक आधार पर पुराने हवाई अड्डों की अधोसंरचना में निखार लाना चाहिए। बेशक पिछली सरकार ने ग्रीन हवाई अड्डे की खोज में प्रदेश की महत्त्वाकांक्षा को एक मुकाम तक पहुंचाया, लेकिन किसी नतीजे से पिछले पांच साल में हुआ क्या। इस दौर की कहानी अगर पुराने हवाई अड्डों पर भी लिखी जाती, तो विमान सेवाओं का मानचित्र सुदृढ़ होता। बहरहाल सुक्खू सरकार ने बराबर के पलड़े में दोनों हवाई अड्डों की परियोजनाओं को डाल कर ईमानदारी दिखाई है, तो आगे बढऩे का श्रेष्ठ विकल्प निकल कर सामने आएगा। कुछ इसी तरह फोरलेन या नेशनल हाई-वे परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की प्राथमिकताएं भी ईमानदारी देख रही हैं। सडक़ कनेक्टिविटी का पूरा इतिहास बदल सकता है अगर पूरे प्रदेश के संपर्क को हमीरपुर के केंद्र बिंदु से जोड़ा जाए। इसी तरह ऊना के रेल मार्ग को हिमाचल के केंद्र में देखा जाए, तो सर्वप्रथम ज्वालाजी तक इसे आगे बढ़ाना होगा। हिमाचल की संपूर्णता का एहसास बेहतर अधोसंरचना का निर्माण है। इस हिसाब से शहरीकरण की वास्तविकता को ओढ़ रहे नए नगर निगमों का अवतरण तब कुशलता से होगा, अगर योजनाओं और परियोजनाओं की प्राथमिकताएं ईमानदारी से यह तय करें कि शहरों का विकास मॉडल कैसे निर्धारित हो सकता है। कभी पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र सिंह ने राजधानी शिमला से बोझ कम करते हुए कई कार्यालय अन्यत्र भेजे, तो यह भी अधोसंरचना की दृष्टि से हिमाचल की संपूर्णता की ओर अग्रसर प्रयास था।

> मसलन देश के आंकड़े प्रदेश में जिस हद तक बेतहर हुए, उनके प्रभाव को आगे बढ़ाने के लिए भी अधोसंरचना की गुणात्मक शक्ति का प्रदर्शन जरूरी हो जाता है। जी-20 सम्मेलन का आयोजन इसी गुणात्मतका की परीक्षा सरीखा है। देखना यह होगा कि ऐसे आयोजन आगे चलकर कुछ और प्रमुख शहरों का चयन करें और यह भी कि क्या धर्मशाला में प्रदेश केवल 'मेक शिफ्ट' प्रबंध कतरा हुआ नजर नहीं आ रहा। हम पिछले कई वर्षों से कतहे आ रहे हैं कि तीनों हवाई अड्डों को 'कान्वेंशन टूरिज्म' के साथ जोड़ते हुए आवश्यक अधोसंरचना मुहैया करवाई जाए।

देश में सुगठित खिलौना डिजाइन संस्थान की स्थापना को मूर्तरूप देना होगा

खिलौना उद्योग का सुकूनदेह परिदृश्य

डा. जयंतीलाल भंडारी

> भारत से खिलौनों के तेजी से बढ़ते हुए निर्यात और घटते हुए आयात का नया लाभप्रद अध्याय भी रेखांकित हो रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में 21 फरवरी को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप स्कूलों के लिए तैयार हो रहे पाठ्यक्रम के अमल की तैयारियों के बीच शिक्षा मंत्रालय ने सभी एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने के लिए जिन खिलौनों का इस्तेमाल हो, वे पूरी तरह से भारतीय हों और देश में बने हों। इनका भारतीय मानक ब्यूरो से सर्टीफिकेशन भी जरूरी है। गौरतलब है कि अब वह समय बीत गया है कि जब तीन-चार वर्षों पहले तक भारत खिलौने के लिए बहुत कुछ दूसरे देशों पर निर्भर था और भारत में 80 फीसदी से अधिक खिलौने चीन से आया करते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुताबिक देश में खिलौना उद्योग के रणनीतिक विकास से भारत में पिछले तीन वर्षों में खिलौने के आयात में 70 फीसदी की कमी आई है। साथ ही भारत का खिलौना निर्यात करीब 300 करोड़ रुपए से तेजी से बढक़र करीब 2600 करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया है।

यकीनन इस समय देश और दुनिया में भारतीय खिलौना उद्योग की बहुत कम समय में हासिल ऐसी सफलता रेखांकित हो रही है जिसकी कभी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। इस समय चारों ओर भारत के सस्ते और गुणवत्तापूर्ण खिलौना उद्योग का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। भारत से खिलौनों के तेजी से बढ़ते हुए निर्यात और घटते हुए आयात का नया लाभप्रद अध्याय भी रेखांकित हो रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में 21 फरवरी को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप स्कूलों के लिए तैयार हो रहे पाठ्यक्रम के अमल की तैयारियों के बीच शिक्षा मंत्रालय ने सभी एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने के लिए जिन खिलौनों का इस्तेमाल हो, वे पूरी तरह से भारतीय हों और देश में बने हों। इनका भारतीय मानक ब्यूरो से सर्टीफिकेशन भी जरूरी है। गौरतलब है कि अब वह समय बीत गया है कि जब तीन-चार वर्षों पहले तक भारत खिलौने के लिए बहुत कुछ दूसरे देशों पर निर्भर था और भारत में 80 फीसदी से अधिक खिलौने चीन से आया करते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुताबिक देश में खिलौना उद्योग के रणनीतिक विकास से भारत में पिछले तीन वर्षों में खिलौने के आयात में 70 फीसदी की कमी आई है। साथ ही भारत का खिलौना निर्यात करीब 300 करोड़ रुपए से तेजी से बढक़र करीब 2600 करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किए जा रहे हैं। इस समय भारतीय खिलौना उद्योग का कारोबार करीब 1.5 अरब डॉलर का है जो वैश्विक बाजार हिस्सेदारी का 0.5 फीसदी मात्र है। लेकिन जिस तरह भारत में खिलौना उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे खिलौना उद्योग छलांगे लगाकर बढ़ते हुए 2024 तक 3 अरब डॉलर तक की ऊंचाई पर पहुंचने की संभावनाएं रखता है। देश में घरेलू खिलौना बाजार को ऊंचाई मिलने के कई कारण उभरकर दिखाई दे रहे हैं। वर्ष 2019 में एक सरकारी सर्वेक्षण में पाया गया कि चीन से 67 फीसदी खिलौना आयात असुरक्षित था। चीनी खिलौने में सीसा, कैडमियम और बेरियम के असुरक्षित तत्व पाए गए। इसके बाद असुरक्षित खिलौनों को देश में प्रवेश करने से रोकने और स्वदेशी खिलौनों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कई कदम उठाए गए हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि मन की बात के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार देश के लोगों को स्वदेशी भारतीय खिलौनों को खरीदने, घरेलू डिजाइनिंग को सुदृढ़ बनाने, भारत को खिलौनों के लिए एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की अपील की। सरकार ने देश में खिलौना बाजार से

जुड़े तमाम खिलौना निर्माताओं और कारोबारियों को प्रोत्साहित किया। फरवरी 2020 में खिलौनों पर सीमा शुल्क 20 फीसदी से बढ़ाकर 60 फीसदी कर दिया। यह स्थानीय निर्माताओं को प्रेरित करने के लिए किया गया। जनवरी 2021 में गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू हुआ जिसके अनुसार 14 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए खिलौने को 7 भारतीय मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य बनाया गया। यह बात महत्वपूर्ण है कि सरकार ने 2021 में टॉयकैथॉन और टॉय फेयर की शुरुआत की जो भारत के खिलौना निर्माताओं को अपने खिलौने प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं और भारतीय खिलौना निर्माण उद्योग की क्षमता का प्रदर्शन करते हैं। इन अभियान ने युवाओं और स्टार्टअप्स को देश की खिलौना अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया। विदेशी खिलौनों पर बीआईएस गुणवत्ता चिह्न की कमी और नकली लाइसेंस के उपयोग के कारण उपभोक्ता संरक्षण नियामक सीसीपीए ने खिलौनों की गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के कथित उल्लंघन के लिए कठोर कदम उठाए गए। तीन प्रमुख ई-कॉमर्स खिलाडिय़ों- अमेजन, फ्लिपकार्ट और स्नैपडील पर भी कार्रवाई की गई है। सरकार ने जनवरी 2023 में हेमलीज व आर्चीज जैसे चर्चित ब्रांड्स समेत कई अमानक खिलौनों के प्रमुख खुदरा स्टोरों से हजारों की संख्या में खिलौनों को जब्त भी किया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 के आगामी बजट में खिलौना उद्योग को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने रणनीतिक पहल की है। सरकार ने खिलौना उद्योग को देश के 24 प्रमुख सेक्टर में स्थान दिया है। भारतीय खिलौनों को वैश्विक खिलौना बाजार में बड़ी भूमिका निभाने हेतु खिलौना उद्यमियों को प्रेरित किया गया है। सरकार के द्वारा खिलौना उत्पादकों से कहा गया है कि वे ऐसे खिलौने बनाएं जिनमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत की झलक हो और उन खिलौनों को देख दुनिया वाले भारतीय संस्कृति और पर्यावरण के प्रति गंभीरता जताएं और भारतीय मूल्यों को समझ सकें। ऐसे में डिजिटल गेमिंग के लिए भारत के द्वारा खिलौना निर्माण में भारतीय मूल्यों पर आधारित विषयों तथा भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के मद्देनजर स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों की कहानियों तथा उनके शौर्य को गेमिंग अवधारणाओं के रूप में प्रस्तुत किए जाने से जहां बच्चों में देश भक्ति की भावना बढ़ी, वहीं भारतीय खिलौनों की बिक्री भी तेजी से बढ़ी है। यद्यपि देश का खिलौना उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी देश के खिलौना सेक्टर को चमकीली ऊंचाई देने के लिए खिलौना क्षेत्र के तहत एक लम्बे समय से चली आ रही कई बाधाओं को हटाया जाना जरूरी है। खिलौना उद्योग के विकास से संबंधित विभिन्न एजेंसियों के बीच उपयुक्त तालमेल बनाया जाना जरूरी है। देश में चीन की तरह खिलौने के विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) को आकार देने की जरूरत है। अभी खिलौनों पर जीएसटी की दर 12-18 फीसदी के बीच है। इसमें भी कटौती की गुंजाइश है जिससे खिलौनों की कीमत में और कमी आएगी।

अधिकांश भारतीय खिलौने ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर उपलब्ध कराए जाने चाहिए ताकि घरेलू खिलौनों की बिक्री को और बढ़ाया जा सके। हय भी जरूरी है कि सरकार के द्वारा प्रस्तावित की गई 3500 करोड़ मूल्य के पारंपरिक और यांत्रिक खिलौनों दोनों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शीघ्र शुरू की जाए। इससे घरेलू विनिर्माण को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने और चीन से खिलौना आयात में और कटौती करने में मदद मिलेगी। सरकार के द्वारा खिलौना उद्योग के विकास के लिए जो प्रोत्साहनमूलक घोषणाएं की गई हैं, उनके कार्यान्वयन की डगर पर तेजी से आगे बढऩा होगा। हमें अपने लोकल खिलौनों के लिए वोकल बनना होगा। ऐसे में खिलौनों का उत्पादन बढ़ाकर देश के दूरदराज इलाकों में रहने वाले आदिवासी लोगों, महलिाओं और गरीबों को बड़ी संख्या में रोजगार अवसर दिए जा सकेंगे। अब वैश्विक स्तर पर भारतीय खिलौनों को स्पर्धी बनाने के लिए नवाचार और वित्त पोषण के नए मॉडल को अपनाया जाना होगा।

नए विचार इनक्यूबेट करने, नए स्टार्टअप प्रोत्साहित करने, परंपरागत खिलौना बनाने वालों तक नई डिजाइन व नई टेक्नोलॉजी को हपुंचाने और खिलौनों की नई बाजार मांग बनाने की डगर पर आगे बढ़ा जाना होगा। देश में सुगठित खिलौना डिजाइन संस्थान की स्थापना को मूर्तरूप देना होगा। इसके अलावा खिलौना उद्योग के लिए बैंकों से ऋण तथा वित्तीय हसायता संबंधी बाधाओं को दूर करना होगा। हम उम्मीद करें कि सरकार देश को खिलौनों का वैश्विक हब बनाने और खिलौनों के वैश्विक बाजार में चीन को और अधिक टक्कर देने की रणनीति की डगर पर और तेजी से आगे बढ़ेगी।

सरकारी बनाम निजी स्कूल

> मगर कोरोनो काल के बाद के आंकड़े तबाते हैं कि लोगों का रुझान दुबारा सरकारी स्कूलों की तरफ हुआ है इस भरोसे की वजह लंबे समय तक कामकाज और रोजी-रोजगार ठप्प पड़ने से कमाई का संकट और जमा पूंजी खत्म होना भी है। निजी स्कूलों की भारी फीस न चुका पाने की मजबूरी ने सरकारी स्कूलों को दुबारा आबाद किया। कोविड के वक्त वैकल्पिक आनलाइन शिक्षा की व्यवस्था तो हुई, लेकिन दुष्परिणाम ज्यादा दिखे। बच्चों का स्कूल में सीखने का स्तर घटा, वहीं आनलाइन पढ़ाई के चतले गंभीतरा और एकाग्रता भी कम हुई। इसलिए बंदी खुतले ही सरकारी स्कूलों में दाखिले बढ़ गए। यह कहना ठीक नहीं कि सरकारी स्कूलों का स्तर खराब है। अपवादों को छोड़ दें तो बहुतेरे स्कूल बेतहर तनीजों के चतले अलग साख रखते हैं। देशी-विदेशी तमाम शोध और आंकड़े भी यही इशारा कतरे हैं। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन यानी ओईसीडी ने देशों की विभिन्न चालीस शिक्षा प्रणालियों में सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को जोड़े बिना पाया कि निजी स्कूलों के विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की तुलना में पढ़ने के अधिक अंक अर्जित किए।

सरकारी स्कूलों को सरकार से और अधिक प्रोत्साहन की जरूरत है। यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत सहित विकासशील देशों के सरकारी स्कूलों में बच्चों के सीखने का स्तर काफी कम है। भारतीय सरकारी स्कूलों के पांचवीं कक्षा के आधे से ज्यादा बच्चे दूसरी कक्षा स्तर का पाठ भी नहीं पढ़ पाते। इसे कमी कहें, विसंगति या नीतियों की कमजोरी, पर सच्चाई यही है। भारत में सरकारी स्कूलों में फिर से बढ़ता दाखिले का आंकड़ा बेहद सुकूनदेह है। थोड़े और प्रयास से इसमें और ज्यादा सफलता मिल सकती है। सही है कि अब भी असली प्रतिस्पर्धा सरकारी बनाम निजी स्कूलों की है। मगर कोरोनो काल के बाद के आंकड़े बताते हैं कि लोगों का रुझान दुबारा सरकारी स्कूलों की तरफ हुआ है। इस भरोसे की वजह लंबे समय तक कामकाज और रोजी-रोजगार ठप्प पड़ने से कमाई का संकट और जमा पूंजी खत्म होना भी है। निजी स्कूलों की भारी फीस न चुका पाने की मजबूरी ने सरकारी स्कूलों को दुबारा आबाद किया। कोविड के वक्त वैकल्पिक आनलाइन शिक्षा की व्यवस्था तो हुई, लेकिन दुष्परिणाम ज्यादा दिखे। बच्चों का स्कूल में सीखने का स्तर घटा, वहीं आनलाइन पढ़ाई के चलते गंभीरता और एकाग्रता भी कम हुई। इसलिए बंदी खुलते ही सरकारी स्कूलों में दाखिले बढ़ गए। यह कहना ठीक नहीं कि सरकारी स्कूलों का स्तर खराब है। अपवादों को छोड़ दें तो बहुतेरे स्कूल बेहतर नतीजों के चलते अलग साख रखते हैं। देशी-विदेशी तमाम शोध और आंकड़े भी यही इशारा करते हैं। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन यानी ओईसीडी ने देशों की विभिन्न चालीस शिक्षा प्रणालियों में सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को जोड़े बिना पाया कि निजी स्कूलों के विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की तुलना में पढ़ने के अधिक अंक अर्जित किए। मगर जब छात्र और स्कूल की सामाजिक और आर्थिक दशा को ध्यान में रख कर गणना हुई, तो पता चला कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अंक निजी स्कूलों के मुकाबले अधिक थे। मतलब साफ है कि सरकारी स्कूल मुकाबले में कहीं पीछे नहीं हैं। निजी बनाम सरकारी स्कूलों की बहस कोई नई नहीं है, जो शिक्षा का अधिकार (आरटीई) लागू होने के बाद और बढ़ी। फिलहाल निजी और सरकारी स्कूलों के बीच खाई बढ़ी है। निजी स्कूलों की चकाचौंध और भारी फीस को स्तर मानना और सरकारी स्कूल से तुलना बेमानी है। एक सोच भी बनी कि पैसे वालों के बच्चे निजी स्कूलों में, तो गरीबों के सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं। इस मिथक को दिल्ली सरकार ने अपनी मंशा के अनुरूप तोड़ कर दिखाया। केरल और कर्नाटक के भी तमाम सरकारी स्कूल बेहतर हैं। मध्यप्रदेश में 'सीएम राइज स्कूल' और छत्तीसगढ़ में 'स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल' की शुरुआत से लोगों का जबरदस्त रुझान फिर से सरकारी स्कूलों की तरफ बढ़ा है। अब उसी राह पर गुजरात भी नया और अभिनव प्रयोग कर रहा है। इसी महीने (4 फरवरी 2023 को) ओईसीडी के साथ सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन यानी 'प्रोग्राम फार इंटरनेशनल स्टूडेंट एसेसमेंट' (पीसा) का करार हुआ, जो अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन पर आधारित है। हर तीन साल में पंद्रह साल के छात्रों के गणित और विज्ञान साक्षरता को मापा जाएगा। गुजरात के बीस हजार सरकारी स्कूलों में अत्याधुनिक 'फिजिकल, डिजिटल और लर्निंग इंफ्रास्ट्रक्चर' के जरिए भारत में 'मिशन स्कूल आफ एक्सीलेंस' को गति दी जाएगी। 'ग्रेड एप्रोप्रिएट लर्निंग आउटकम' हासिल होगा। इससे पंद्रह वर्ष से अधिक उम्र के विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, समस्या का समाधान और प्रभावी संचार यानी आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान और प्रभावशाली संवाद जैसी क्षमताओं का मूल्यांकन कर विभिन्न आधुनिक जरूरतों के विषयों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन आधारित शिक्षा दी जाएगी। यकीनन इससे छात्रों की सोच, समस्या समाधान और प्रभावी संचार कौशल में सुधार होगा, जो देश के लिए मील का पत्थर होगा। सरकारी स्कूलों में ग्रेड-उपयुक्त शिक्षण परिणाम हासिल करने की दिशा में समझौता लागू करने वाला गुजरात पहला भारतीय राज्य है। सरकारी स्कूलों को सरकार से और अधिक प्रोत्साहन की जरूरत है। यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत सहित विकासशील देशों के सरकारी स्कूलों में बच्चों के सीखने का स्तर काफी कम है। शिक्षा पर वार्षिक स्थिति आधारित सर्वेक्षण 'असर' यानी एनुअल स्टेटस आफ एजुकेशन रिपोर्ट 2018 के आंकड़े यही बताते हैं। भारतीय सरकारी स्कूलों के पांचवी कक्षा के आधे से ज्यादा बच्चे दूसरी कक्षा स्तर का पाठ भी नहीं पढ़ पाते। इसे कमी कहें, विसंगति या नीतियों की कमजोरी, पर सच्चाई यही है। वहीं 2022 का 'असर' सर्वेक्षण, जो कोरोना के चलते चार साल बाद हुआ, वह बढ़ते नामांकन की सुखद कहानी कहता है। देश के 616 जिलों के 19,060 गांवों में 3,74,544 घरों से जुटाए गए आंकड़ों में तीन से सोलह वर्ष की आयु के 6,99,597 बच्चों को शामिल कर हासिल किया गया आंकड़ा बताता है कि 2018 के बाद से सरकारी स्कूलों में दाखिले में तेजी आई। कारण ऊपर बताया जा चुका है। 2018 में सरकारी स्कूलों में दर्ज संख्या 65.6 प्रतिशत थी, जो 2022 में बढ़कर 72.9 हो गई। यह सुकून की बात है कि सरकारी स्कूलों में संख्या बढ़ना किसी एक राज्य में नहीं, बल्कि हर जगह दिखा। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि सरकारी स्कूलों में छात्रों का नामांकन 2019-20 के 130,931,634 के मुकाबले 2021-2022 में बढ़कर 143,240,480 हो गया यानी 1.23 करोड़ अतिरिक्त छात्रों ने सरकारी स्कूलों में दाखिला लिया। बस इसी रुझान को न केवल बरकरार रखना है, बल्कि आगे भी बढ़ाना है। यह भी सही है कि सरकारी स्कूलों में दाखिला बढ़ने के साथ अभिभावकों का ट्यूशन के प्रति भी आकर्षण बढ़ा है। मगर तुलनात्मक रूप से यह निजी स्कूलों के मुकाबले काफी सस्ता और पढ़ाई के मुकाबले बढ़िया साबित हो रहा है। बेशक, सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की पगार अच्छी है, समय-समय पर नवाचार और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। पढ़ाने के तौर-तरीकों और गुणात्मक सुधार के लिए तमाम प्रयोग होते रहते हैं। मगर सरकारी शिक्षकों का एक ढीठ वर्ग ऐसा भी है, जो बजाय पढ़ाने के, दूसरे कामों में मशगूल रहता है। इन आंकड़ों को भी जुटाना होगा कि कितने शिक्षक कक्षाओं से नदारद रहते हैं। कितने ऐसे हैं, जो निजी व्यापार, व्यवसाय, बचत खाता एजेंट या ट्यूटर बनकर अभिभावकों को प्रभावित कर अतिरिक्त कमाई में लगे रहते हैं। कई राज्यों में सरकारी शिक्षकों से दूसरे काम थोक में कराए जाते हैं। जनगणना, पशु गणना से लेकर बाहर शौच करने वालों की तस्वीरें तक लेने की सच्चाई ने हैरान किया।

नागरिक बोध

लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्ष हुआ लामबन्द

देश मे 2023 के नौ राज्यो के चुनाव को लेकर राजनैतिक दल पसोपेश में है। वही उसके बाद 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्षी दलों ने कमर कस ली है।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू की जुगलबंदी भाजपा की राह में रोड़े अटकाने के लिए तैयारी कर दी है। बिहार की सियासत में 2024 के चुनाव में उलटफेर करने नीतीश तैयार है,वही लालू यादव ने भाजपा पर आरक्षण खत्म करने का आरोप लगा कर भाजपा को भगाने की रणनीति बना रहे है। सबका साथ सबका विकास को विपक्ष जुमला करार देते हुए भाजपा नही भा रही है। मोदी देश दुनिया मे घूमघूम कर भाजपा को मजबूत कर रहे है। वही विपक्ष आलोचना करते नही थक रहे है। नीतीश ने यहा तक कह दिया है कि देश मे भाजपा का सफाया करना ही मेरा सपना है। इसको पूरा करने के लिए नीतीश ने भाजपा से गठजोड़ तोड़ा था।मुम्बई में उद्धव ठाकरे,अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवत मान इन तीनो नेताओ की मुलाकात से कुछ तो सियासी खिचड़ी पक रही है। शिवसेना के धनुष तीर और शिवसेना के अधिपत्य को लेकर मुख्यमंत्री शिंदे के पक्ष में आये फैसले और शिवसेना के प्रारंभिक कार्यालय पर भाजपा की नजर होने के इस राजनैतिक कड़वाहट को लेकर उद्धव के चेहरे मन पर चिंता झलक रही है। भाजपा का विरोध करने वाली केजरीवाल की आप पार्टी के संयोजक और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवत मान का मुंबई दौरा भाजपा के मंसूबो पर पानी फेरने के लिए बैठक में चर्चा का केंद्र रहा है। गुजरात विधानसभा चुनाव में आप की करारी हार के बाद केजरीवाल उखड़े उखड़े दिख रहे है। मेयर को लेकर दिल्ली की एमसीडी में हंगामा और मनीष सिसोदिया पर लगे आरोपो के बाद केजरीवाल की राह आसान नही है। केजरीवाल का महारास्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ हाथ मिलाना भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी करने के संकेत दे रहा है। उधर बिहार बिकाऊ नही है,टिकाऊ का नारा देकर तेजस्वी ने भाजपा पर चुनावी हथकंडे अपनाए है।लालू यादव,केजरीवाल, मनीष सिसोदिया जैसे दागदार नेताओ की फौज भाजपा को चुनौती देने सड़क पर उतरी है।

देश दुनीया से

ग्रामीण भारत में ठोस कचरा प्रबंधन

भारतवर्ष में प्रतिदिन 2.63 मिलियन मीट्रिक टन ठोस कचरा पैदा हो रहा है जिसमें से 0.3 मिलियन मीट्रिक टन ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहा है। ग्रामीण भारत में तेजी से बदलती जीवन शैली के चलते शहरी सुविधाएं और उपभोक्ता वस्तुएं सुदूर ग्रामों तक पहुंच रही हैं। इस कारण एक बार प्रयोग होने वाला प्लास्टिक और अन्य भारी पैकिंग में प्रयोग होने वाला प्लास्टिक, दवाई की बोतलें, शीशा आदि दूरदराज के गांव तक पहुंच रहा है। गांव में कोई कचरा प्रबंधन व्यवस्था न होने के कारण यह काम केवल अनौपचारिक कबाडिय़ों के ही भरोसे है। कबाड़ी भी हर प्रकार का ठोस कचरा स्वीकार नहीं करते हैं। केवल वही कचरा लेते हैं जिसकी पुनः चक्रीकरण बाजार में अच्छी मांग है। इस तरह केवल 10 फीसदी कचरा ही उठ पाता है। शेष सडक़ों, खेतों, सिंचाई व्यवस्थाओं, नदियों में खप रहा है। आम लोग, जहां कचरा परेशानी देता है वहां इकट्ठा करके जला देते हैं। उन्हें जरा भी इस बात का भान नहीं है कि प्लास्टिक से निकलने वाला धुआं स्वास्थ्य के लिए कितना हानिकारक है इसी तरह बैटरियां और इलेक्ट्रानिक कचरा भी खतरनाक स्तर तक फैलता जा रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही तो कोई हैरानी नहीं होगी जब गांव कचरे से पटे टापू दिखने लगेंगे। पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा मिलने और स्वच्छता अभियान के बाद यह आशा जगी थी कि कोई रास्ता निकलेगा, किंतु केवल जागरूकता से ही ऐसी पेचीदा समस्याओं का समाधान निकलना संभव नहीं होता। इसके लिए टिकाऊ संस्थागत व्यवस्था होना जरूरी होता है। किंतु पंचायतों में अभी ऐसी व्यवस्था पनप नहीं सकी है। पंचायत प्रतिनिधि और कर्मचारी दूसरे निर्माण कार्यों में व्यस्त रहते हैं और इस विषय को अधिमान भी कम ही देते हैं। हालांकि कई जगह कचरा एकत्रण के लिए कमरे बनाए गए हैं किन्तु एकत्रण के लिए कर्मचारी व्यवस्था न होने के कारण लोगों से यह उम्मीद करना कि वे अपने अपने घर से कचरा उठा कर कचरा गृह तक पहुंचा देंगे, व्यावहारिक नहीं लगता है। पंचायतों को इस दिशा में सक्रिय करने के लिए विशेष टाइड फंड देकर सक्रिय किया जा सकता है। प्रति परिवार स्वच्छता कर लगा कर भी कुछ राशि इकट्ठा की जा सकती है। स्थानीय दुकानदारों या अन्य व्यावसायिक संस्थाओं से भी कुछ राशि ली जा सकती है। कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत उद्योगों से भी पंचायतों को आर्थिक संसाधन खड़ा करने के लिए मदद दिलाई जा सकती है। इस तरह आर्थिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के बाद कचरा गृह के लिए स्थान तय करके निर्माण के बाद सौ-डेढ़ सौ घरों पर एक कार्यकत्र्ता रखना होगा जो रोज घर घर जाकर कचरा इकट्ठा करके कचरा गृह पहुंचा सके। किन्तु इससे पहले प्रत्येक घर तक यह जागरूकता पहुंचाना जरूरी है कि वे प्लास्टिक कचरा व अन्य सूखा कचरा अलग अलग इकट्ठा करें। रसोई का गीला कचरा खाद बनाने के लिए गड्ढा बना कर इस्तेमाल कर लें। बैटरियां और अन्य इलेक्ट्रॉनिक कचरा अलग रखें। इनको अलग अलग करने के बाद ही कचरे का उपचार किया जा सकता है। यह बात लगातार निवासियों को समझते रहना पड़ेगा ताकि कोई ढील न आ जाए। बैटरियां और इलेक्ट्रॉनिक कचरा अलग से बेचने की व्यवस्था की जाए। जो प्लास्टिक कबाड़ी उठा ले वह बेच दिया जाए। अन्य गत्ता आदि भी बिक जाता है। इसके बाद जो कचरा बच जाए उसके निपटान की व्यवस्था सरकार को करनी होगी। इसके लिए सीमेंट प्लांट और अन्य ईंधन की मांग रखने वाले उद्योगों से बात की जा सकती है या फिर किसी केंद्रीय स्तर पर इन्सिनरेटर लगा कर ऐसे कचरे को इन्सिनरेटर में जला कर बिजली भी बनाई जा सकती है। इन्सिनरेटर में प्लास्टिक जलाने से हानिकारक धुआं वातावरण में फैलने का खतरा रहता है, किंतु आजकल अत्याधुनिक तकनीक से बने इन्सिनरेटर बिल्कुल मामूली धुआं ही छोड़ते हैं। 98.8 फीसदी धुआं जल कर समाप्त हो जाता है।

> बैटरियां और इलेक्ट्रॉनिक कचरा अलग से बेचने की व्यवस्था की जाए।जो प्लास्टिक कबाड़ी उठा ले वह बेच दिया जाए। अन्य गत्ता आदि भी बिक जाता है। इसके बाद जो कचरा बच जाए उसके निपटान की व्यवस्था सरकार को करनी होगी। इसके लिए सीमेंट प्लांट और अन्य ईंधन की मांग रखने वाले उद्योगों से बात की जा सतकी है या फिर किसी केंद्रीय स्तर पर इन्सिनरेटर लगा कर ऐसे कचरे को इन्सिनरेटर में जला कर बिजली भी बनाई जा सतकी है। इन्सिनरेटर में प्लास्टिक जलाने से हानिकारक धुआं वातावरण में फैलने का खतरा रतहा है, किंतु आजकल अत्याधुनिक तकनीक से बने इन्सिनरेटर बिल्कुल मामूली धुआं ही छोड़ते हैं।

प्रचंड सरकार की मुश्किलें बढ़ीं, केपी ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल ने वापस लिया समर्थन

काठमांडू।
नेपाल में दो माह पहले ही सत्ता संभालने वाली प्रचंड सरकार मुश्किलों में घिर गई है। बता दें कि सरकार की अहम साझेदार और केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन-यूएमएल ने सरकार से अपना समर्थन वापस लेने का एलान कर दिया है। सीपीएन-यूएमएल के डिप्टी चेयरमैन बिशनु पौडेल ने यह जानकारी दी है। सोमवार सुबह पार्टी की बैठक हुई, जिसमें सरकार से समर्थन वापस लेने का फैसला किया गया।

सरकार पर मंडराते खतरे को देखते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कुमार दहल प्रचंड ने अपना पहला विदेश दौरा रद्द कर दिया है। बता दें कि प्रधानमंत्री प्रचंड अपने पहले विदेश दौरे पर कतर जाने वाले थे लेकिन अब खबर आई है कि उन्होंने अपना कतर दौरा रद्द कर दिया है। हाल ही में उनकी सरकार की सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के चारों मंत्रियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और सरकार से समर्थन वापस लेने का एलान कर दिया था। इससे पहले नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने भी प्रचंड सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था।

प्रचंड तीन मार्च को कतर के लिए रवाना होने वाले थे, जहां वह पांचवीं लीस्ट डेवलेप कंट्रीज कॉन्फ्रेंस में शामिल होते। अब प्रधानमंत्री के मीडिया समन्वयक सूर्य किरण शर्मा ने बताया है कि अहम राजनैतिक गतिविधियों के चलते उन्होंने अपना कतर दौरा रद्द कर दिया है। नेपाल में आगामी नौ मार्च को राष्ट्रपति चुनाव होना है। प्रधानमंत्री प्रचंड ने बीते दिनों सभी को चौंकाते हुए गठबंधन के प्रत्याशी का समर्थन करने के बजाय नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार के समर्थन का एलान कर दिया था। प्रचंड के इस एलान के बाद से ही उनकी सरकार संकट में घिर गई है। आठ राजनैतिक पार्टियां जिनमें सीपीएन-माओवादी, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष महंत ठाकुर, कांग्रेस उपाध्यक्ष पुर्ण बहादुर खड़का, नागरिक उनमुक्ति पार्टी चेयरपर्सन रंजीता श्रेष्ठा, राष्ट्रीय जनमोर्चा के चेयरमैन चित्र बहादुर केसी और माओवादी नेता हितराज पांडे नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार का समर्थन कर रहे हैं। ओली ने राष्ट्रपति पद के लिए सुबास नेमबांग के नाम का एलान किया था लेकिन प्रचंड नेमबांग के बजाय नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार रामचंद्र पौडयाल का समर्थन कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी भारत की भूमिका, अमेरिकी सरकार का दावा- जी20 की अध्यक्षता से मिलेगा फायदा

वॉशिंगटन। अमेरिकी सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका आने वाले दिनों में बढ़ेगी, साथ ही उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका भी करीब आएंगे। बीते हफ्ते सिलिकॉन वैली में भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करते हुए अमेरिकी सरकार की दक्षिण और मध्य एशिया मामलों की डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी नैंसी इजो जैक्शन ने ये बातें कही। उन्होंने कहा कि जी20 की अध्यक्षता मिलने से भारत को हर क्षेत्र में विकास करने में मदद मिलेगी। बता दें कि भारत को बीते साल एक दिसंबर को जी20 का अध्यक्ष बनाया गया था। जैक्सन ने कहा कि जैसा कि हम देख हैं रहे हैं कि भारत जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। हम जानते हैं कि वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका बढ़ेगी और इसके साथ भारत और अमेरिका के संबंध भी मजबूत होंगे। प्रेसीडेंट एडवाइजरी कमीशन ऑन एशियन अमेरिकन के सदस्य अजय जैन भुतोरिया ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में अमेरिकी सरकार के कई अधिकारी शामिल हुए और उन्होंने भारत अमेरिका संबंधों, अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की अहमियत को लेकर बातचीत की और लोगों के सवालों के जवाब दिए। जैक्सन ने बताया कि इस बातचीत के दौरान भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती भूमिका, जी20 की अध्यक्षता और अमेरिकी सरकार द्वारा भारत में वीजा टाइम को कम करने संबंधी चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में नैंसी जैक्सन के अलावा यूएड की डिप्टी मिशन डायरेक्टर, इंडिया केरेन क्लीमोस्की, डिविजन चीफ फॉर आउटरीच एंड इंक्वायरीज ब्यूरो की काउंसलर जेनिफर सुडवीक, वीजा सर्विस अफेयर ऑफिस के जेन मिलर आदि अधिकारी मौजूद रहे।

पाकिस्तान में रह रहा कश्मीरी आतंकी ढेर: हमलावरों ने खालिद रजा को गोली मारी; 7 दिन पहले हिजबुल कमांडर बशीर ऐसे ही मारा गया था

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में सोमवार को कश्मीर के आतंकी संगठन अल-बद्र का कमांडर सैयद खालिद रजा मारा गया। अज्ञात हमलावरों ने उस पर गोलियां चला दीं। बताया जा रहा है कि खालिद मौत से पहले तक भी कश्मीर में सक्रिय आतंकियों से जुड़ा हुआ था। सिंधुदेश रिवोल्यूशनरी आर्मी ने खालिद रजा की हत्या की जिम्मेदारी ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावरों ने खालिद रजा के घर के बाहर ही उसे गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। खालिद राजा कश्मीर में आतंकी कमांडर रह चुका है। इसके बाद वो कराची चला गया। यहां वो फेडरेशन ऑफ प्राइवेट स्कूल का वाइस चेयरमैन बना। सैयद खालिद रजा एक हफ्ते में मारा जाने वाला दूसरा बड़ा आतंकी है। पिछले हफ्ते हिजबुल मुजाहिद्दीन का टॉप कमांडर बशीर अहमद पीर भी मारा गया था। बशीर अहमद पीर हिजबुल मुजाहिद्दीन, लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों को आगे बढ़ाने के लिए पूर्व आतंकवादियों को एकजुट करने के लिए कई ऑनलाइन एक्टीविटीज में शामिल था। पिछले साल 4 अक्टूबर को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के चलते उसे आतंकवादी घोषित कर दिया गया था। बशीर पिछले हफ्ते गुरुवार को अपने घर के पास मस्जिद में नमाज पढ़ने गया था। मस्जिद से बाहर निकलने के बाद वह एक दुकान के पास खड़ा हो गया। इसी दौरान दो हमलावर बाइक से आए और गोली मारकर बशीर की हत्या कर दी।

इटली के समुद्री तट पर मिले 61 शवः ज्यादातर पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिफ्यूजी थे, गैरकानूनी तौर पर यूरोप जा रहे थे

रोम। इटली के कैलाब्रिया कोस्ट के पास एक नाव डूब गई। इस घटना में एक नवजात बच्चे समेत 61 शरणार्थियों की मौत हो गई। ये शरणार्थी पाकिस्तान, अफगानिस्तान और इराक के बताए जा रहे हैं। स्टेकाटो डी कट्रो बीच पर 28 शव मिले हैं। अन्य शवों को समुद्र से निकाला गया। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, नाव में 100 रिफ्यूजी मौजूद थे। ये सब गैरकानूनी तरीके से यूरोप जा रहे थे। इनमें से 50 को बचा लिया गया है। बताया जा रहा है कि तुर्किये से पाकिस्तान, अफगानिस्तान और इराक के रिफ्यूजी पानी के रास्ते इटली आ रहे थे, तभी खराब मौसम के चलते नाव किसी चट्टान से टकरा गई और दो हिस्सों में टूट गई।

वुहान की लैब से ही दुनिया में फैला कोरोना

नई रिपोर्ट में दावा, दुनियाभर में फैली यूएस बायोलॉजी लैब्स से मिली खुफिया जानकारी

वॉशिंगटन।
अमेरिका ने इंटेलिजेंस रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि कोरोना चीन के वुहान लैब से ही फैला है। सोमवार को अमेरिकी एनर्जी डिपार्टमेंट ने वायरस से जुड़ी फाइनल रिपोर्ट पेश की। एनर्जी डिपार्टमेंट ने पहले कहा था कि वायरस के ओरिजन का पता नहीं चल पा रहा है, लेकिन अब उसका मानना है कि वायरस के वुहान लैब से लीक होने की संभावना सबसे ज्यादा है। एनर्जी डिपार्टमेंट के अधिकारियों का कहना है कि दुनियाभर में फैली यूएस बायोलॉजी लैब्स से उन्हें खुफिया जानकारी मिली। इसी इनपुट के आधार पर फाइनल रिपोर्ट पेश की गई है। हालांकि, कुछ अधिकारियों का मानना है कि ये रिपोर्ट काफी कमजोर है। इसका निष्कर्ष किसी ठोस बुनियाद पर नहीं निकाला गया है। अमेरिका की कई एजेंसियां के बीच अब भी वायरस के ओरिजन को लेकर मतभेद हैं।

पहले भी चीन पर आरोप लगे, सरकार ने खारिज किए

रिपोर्ट में दावा किया गया कि सुरक्षा में चूक होने की वजह से वायरस वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी से लीक हुआ था। इसके बाद महज कुछ दिनों में यह पूरी दुनिया में फैल गया। कोरोना महामारी की शुरुआत से ही वुहान लैब से कोरोना लीक होने की कई थ्योरी आ चुकी हैं। यहां काम करने वाले रिसर्चर्स विशेष रूप से कोरोना वायरस की प्रजातियों को स्टडी करते हैं। ऐसे में किसी वैज्ञानिक के जरिए इसका संक्रमण फैलने की आशंका है। हालांकि, हमेशा से ही चीनी सरकार और वुहान लैब ने इन आरोपों को खारिज किया है।

अमेरिका पर भी लग चुके हैं वायरस फैलाने के आरोप

तीन महीने पहले एक अमेरिकी वैज्ञानिक ने दावा किया था कि अमेरिकी सरकार चीन में कोरोना वायरस बनाने के प्रोजेक्ट को फंड कर रही थी।

वैज्ञानिक एंड्रू हफ का कहना था कि कोरोना वायरस पर हो रही रिसर्च को अमेरिका की मेडिकल रिसर्च एजेंसी नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ का सपोर्ट था। इसने ही चीन को वायरस बनाने की तकनीक दी। यह किसी बायोवेपन टेक्नोलॉजी से कम नहीं था।

चीन को पहले दिन से खबर थी

हफ का कहना है कि चीन को पहले दिन से यह पता था कि कोरोना कोई नेचुरल वायरस नहीं है, बल्कि इसे जेनेटिकली मॉडिफाई कर बनाया गया है। तभी यह लैब से लीक हुआ है। इसके बावजूद सुरक्षा और लोगों को आगाह करने में ढील दी गई। चीन ने न सिर्फ बीमारी के आउटब्रेक के बारे में झूठ बोला, बल्कि उसे प्राकृतिक साबित करने की हर कोशिश की। महामारी की शुरुआत 2019 में हो गई थी। मगर वायरस के ओरिजिन की जांच जनवरी, 2021 में शुरू हो पाई। 17 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ थे और 17 चीनी एक्सपर्ट चीन के वुहान पहुंचे। वुहान में जांच का काम पूरा होने से पहले स्वतंत्र जांच टीम के सदस्य पीटर बेन इम्बारेक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वायरस के ओरिजिन के संभावित पाथ-वे सार्वजनिक किए थे।

इनमें लैब लीक थ्योरी भी शामिल थी। इस रिपोर्ट में कहा था कि कोरोना वायरस के किसी लैब एक्सीडेंट की वजह से लीक होने की थ्योरी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

यूक्रेन को हथियार देने का फ्रांस में विरोधः सड़कों पर उतरे हजारों लोग बोले- इससे जंग बढ़ेगी, मदद करना है तो रूस को रोकें

पेरिस। रूस-यूक्रेन जंग के बीच फ्रांस यूक्रेन को हथियार दे रहा है। इस फैसले के लिए अब फ्रांस को अपने नागरिकों का विरोध झेलना पड़ रहा है। पेरिस में हजारों लोग सड़कों पर फ्रांस सरकार के इस फैसले के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि हथियार देने से जंग बढ़ती जाएगी। अगर सरकार मदद करना चाहती है तो उसे रूस को हमला करने से रोकना चाहिए। लोगों ने यूक्रेन के समर्थन में मार्च करते हुए शांति की मांग की। इसी तरह का मार्च जर्मनी के बर्लिन में भी निकाला गया। वहां, लोगों ने रूस से बातचीत करके मसले का हल निकालने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथ में बैनर थे। इस पर लिखा था- फॉर पीस (शांति के लिए), नो टु थर्ड फ्रंवॉर। उनका कहना है कि रूस-यूक्रेन के बीच बातचीत से हल निकलेगा। फ्रांस के हथियार देने से तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बढ़ रही है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सैन्य जनरल को किया बर्खास्त, वजह का खुलासा नहीं

कीव।
यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को जॉइंट फोर्स के कमांडर मेजर जनरल एडवर्ड मिखाइलोविच मोसकालोव को बर्खास्त कर दिया है। मोसकालोव को बीते साल मार्च में लेफ्टिनेंट जनरल ओलेक्जेंडर पावलिक की जगह जॉइंट फोर्स का कमांडर नियुक्त किया था। लेफ्टिनेंट जनरल ओलेक्जेंडर पावलिक को कीव रीजनल मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन का प्रमुख बनाया गया था।

हालांकि अभी तक मेजरल जनरल एडवर्ड मिखाइलोविच मोसकालोव को बर्खास्त करने की वजह का खुलासा नहीं किया गया है। बता दें कि हाल के समय में यूक्रेन की सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर कई बड़े बदलाव किए हैं। बीते दिनों यूक्रेन की सरकार ने पूरे देश में भ्रष्टाचार विरोधी छापेमारी की थी। जिसके बाद कई शीर्ष अधिकारियों को पद से हटाया गया था। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि मोसकालोव को भ्रष्टाचार के चलते बर्खास्त किया गया है या फिर किसी और कारण से।

वहीं रूस के साथ जारी युद्ध के बीच सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहाद अल साऊद ने पहली बार यूक्रेन का दौरा किया। अपने दौरे में सऊदी अरब ने यूक्रेन को 400 मिलियन यूएस डॉलर की आर्थिक मदद देने का भी एलान किया। इनमें से 100 मिलियन डॉलर की मदद मानवीय सहायता के लिए दी जाएगी और 300 मिलिनय डॉलर की आर्थिक मदद तेल उत्पादों में दी गई है। यूक्रेन की सरकार ने आर्थिक मदद के लिए सऊदी अरब सरकार को धन्यवाद दिया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस के साथ जारी युद्ध के बीच चीन के शांति प्रस्ताव का स्वागत किया है लेकिन ये भी कहा कि वह इस प्रस्ताव को तभी स्वीकार करेंगे, जब पुतिन अपने सभी सैनिकों को यूक्रेन की कब्जाई हुई धरती से वापस बुलाएंगे। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने ये भी कहा कि उन्हें विश्वास है कि चीन ने यह प्रस्ताव सही में शांति के लिए दिया है और वह उम्मीद करते हैं कि चीन रूस को हथियारों की सप्लाई भी नहीं कर रहा है।

नव वर्ष में रिश्तेदारों से संपर्क करने वाले तिब्बतियों को चीन ने दी सजा, क्रूरता से कुचला विरोध

ल्हासा।
तिब्बत से बौद्ध संस्कृति को खत्म करने के लिए चीन लगातार दमन और अत्याचार कर रहा है। बीते सप्ताह 21 से 23 फरवरी तक तिब्बती नववर्ष लोसर के दौरान चीन ने तिब्बतियों को उनके निर्वासित रिश्तेदारों से संपर्क नहीं करने दिया। चीन के मना करने के बाद भी जिन लोगों ने नववर्ष की शुभकामना देने के लिए जिससे संपर्क किया, उन पर जासूसी व देशद्रोह जैसे आरोप लगाकर पूछताछ की जा रही है। यहां तक कि तमाम तिब्बती लोगों ने अपने रिश्तेदारों को इस संबंध में पहले ही जानकारी दे दी थी कि उनसे लोसर के दौरान संपर्क नहीं किया जाए, क्योंकि चीन इस दौरान कड़ी निगरानी करने वाला है। यहां तक कि लोसर की शुरुआत से पहले 20 फरवरी को ल्हासा, जिगात्से और चामडो में हजारों लोगों के मोबाइल फोन की जांच की गई।

तिब्बत में अल्पसंख्यक हुए बौद्ध – तिब्बत राइट कलेक्टिव की एक रिपोर्ट में ऑस्ट्रेलियाई सांसद जैनेट राइस लिखती हैं, तिब्बत के अंदर और बाहर हर जगह मौका मिलते ही चीनी अधिकारी तिब्बती बौद्धों को प्रताड़ित करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, चीन दस लाख से ज्यादा तिब्बती बौद्धों की हत्या कर चुका है।

सीमावर्ती गांवों में सैनिक बसा रहा चीन – चीन भारत की सीमा से लगते तिब्बती गांवों में मौजूद बौद्ध लोगों को विस्थापित कर सैनिकों को बसा रहा है। खासतौर पर चीन यह चाल उन गांवों में चल रहा है, जिन गांवों पर भारत और भूटान भी दावा करते हैं। वहां इसे अभियान का रूप देकर काम चल रहा है। 1959 में मार्च में चीन ने तिब्बत पर आक्रमण किया था।

ईरान में सैकड़ों लड़कियों को दिया गया जहर स्कूल जाने से रोकने के लिए हैवानियत

तेहरान।
ईरान में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल ईरान के एक शहर में लड़कियों को स्कूल जाने से रोकने के लिए सैकड़ों लड़कियों को जहर देने का मामला सामने आया है। ईरान के एक मंत्री ने इसका खुलासा किया है। मंत्री ने बताया कि ईरान के पवित्र शहर कोम समेत कई जगहों पर लड़कियों के स्कूलों को बंद कराने के लिए कुछ लोगों द्वारा सैकड़ों छात्राओं को जहर दिया गया। जहर केमिकल कंपाउंड के रूप में दिया गया और अभी तक इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। फिलहाल मामले की जांच चल रही है। बीते साल नवंबर से कोम शहर में स्कूली छात्राओं के शरीर में जहर की पुष्टि हुई, जिनमें से कई को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

रविवार को ईरान के डिप्टी स्वास्थ्य मंत्री यूनुस पनाही ने इस घटना की पुष्टि की है। ईरान के स्थानीय मीडिया के अनुसार, कोम के स्कूलों में कई छात्राओं को जहर दिया गया। कुछ लोग चाहते थे कि सभी स्कूल खासकर लड़कियों के स्कूल बंद हो जाएं। हालांकि ईरान के मंत्री पनाही ने इस मामले में ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया है। फिलहाल ईरान सरकार मामले की जांच कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के चार शहरों के 14 स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को निशाना बनाया गया। इनमें उत्तर पश्चिमी शहर आर्देबिल, राजधानी तेहरान, पश्चिमी शहर बोरोजर्द और कोम शहर शामिल हैं। कोम शहर ईरान का पवित्र शहर माना जाता है और यह बेहद रूढ़िवादी और धार्मिक तौर पर कट्टर शहर माना जाता है। देश के अधिकतर नेताओं और राष्ट्रपतियों ने कोम शहर से ही धार्मिक शिक्षा ली है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो भी सामने आई थी, जिसमें कुछ नाराज परिजन शिक्षण संस्थानों के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। लड़कियों को जहर देने का मामला ऐसे समय सामने आया है, जब हाल ही में ईरान में हिजाब विरोधी हिंसक विरोध प्रदर्शन पूरे देश में फैल गए थे और पूरी दुनिया में इन्हें समर्थन मिला था। 22 वर्षीय युवती महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में हुई मौत के बाद यह विरोध प्रदर्शन भड़के थे, जिन्होंने हिंसक रूप ले लिया था। इन विरोध प्रदर्शन में सुरक्षा बलों द्वारा कथित तौर पर 500 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

भूकंप से रणनीति बदलने पर मजबूर हुए राष्ट्रपति एर्दोगन, अब जनता को क्या भरोसा दिला रहे

तुर्किये।
तुर्किये में बीते छह फरवरी को आए विनाशकारी भूकंप ने लाखों लोगों को बेघर कर दिया है। हजारों घर मलबे में ढेर में तब्दील हो चुके हैं। 50 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है और करीब 80 बिलियन अमरीकी डॉलर के नुकसान का अंदाजा लगाया गया है। तुर्किये ने अपने इतिहास में शायद ही इससे बड़ी मानवीय आपदा देखी हो, लेकिन इस विनाशकारी भूकंप ने तुर्किये के आगामी चुनाव में राष्ट्रपति एर्दोगन को अपनी रणनीति को पूरी तरह से बदलने को मजबूर कर दिया है।

दरअसल, ये चुनाव तुर्किये के आधुनिक इतिहास में सबसे प्रतीकात्मक, नाटकीय और महत्वपूर्ण हो सकते हैं, क्योंकि चुनाव के साथ-साथ तुर्किये गणराज्य की स्थापना के 100 साल भी पूरे हो रहे हैं। ऐसे में यह चुनाव यह तय करेंगे कि आने वाले दशकों में देश क्या करेगा और किस तरह से आगे बढ़ेगा।

चुनावी रणनीति बदलने पर मजबूर हुए एर्दोगन – तुर्किये की सत्ता पर राष्ट्रपति एर्दोगन करीब 22 साल से काबिज हैं। भूकंप के बाद इमारतों के निर्माण में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार उजागर होने के बाद उनकी सत्ता जाने का खतरा भी मंडराने लगा है, क्योंकि जनता से लेकर विपक्षी दल इसको लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं। ऐसे में उन्होंने अपनी चुनावी रणनीति को बदला है। छह फरवरी से पहले (भूकंप आने से पहले) राष्ट्रपति का चुनावी अभियान, बेतहाशा मुद्रास्फीति, तुर्किये की मुद्रा लीरा की गिरती कीमत, खाद्य पदार्थों और ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि पर केंद्रित थी, लेकिन अब उनकी रणनीति इस आपदा से लोगों को बाहर निकालने पर केंद्रित हो गई है।

अब क्या वादा कर रहे राष्ट्रपति एर्दोगन – राष्ट्रपति एर्दोगन तुर्किए की जनता को अब यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहे हैं कि केवल वही एक हैं, जो एक साल के अंदर नष्ट हुए घरों और शहरों का पुनर्निर्माण कर सकते हैं। वही हैं जो उन हजारों लोगों के लिए बेहतर स्थिति सुनिश्चित कर सकते हैं, जो बेघर हो गए हैं। एर्दोगन ने भूकंप प्रभावित उस्मानिया शहर के निवासियों से बात करते हुए कहा, आप हमें एक वर्ष दीजिए। एक वर्ष के भीतर, हम स्थायी घरों का निर्माण करेंगे और अपने नागरिकों को बसाएंगे। हमारा लक्ष्य है कि हम हमारे शहरों, गांवों को एक साल के भीतर पुनर्जीवित करें। हालांकि, 270,000 आवास इकाइयों का पुनर्निर्माण करना और 230 मिलियन टन मलबे को हटाना बेहद मुश्किल होगा। इसके बावजूद राष्ट्रपति एर्दोगन चाहते हैं कि लोग इस बात पर भरेसा करें कि केवल वही हैं, जो ऐसा कर सकते हैं।

कैलिफोर्निया स्टेट असेंबली का चुनाव लड़ेंगी भारतीय मूल की दर्शना पटेल, पेशे से हैं रिसर्च वैज्ञानिक

वॉशिंगटन। भारतीय मूल की रिसर्च वैज्ञानिक दर्शना पटेल 2024 में होने वाले कैलिफोर्निया स्टेट असेंबली चुनाव में दावेदारी पेश करेंगी। दर्शना पटेल ने इसका एलान कर दिया है। 48 वर्षीय पटेल नॉर्थ काउंटी सीट से चुनाव लड़ेंगी। अभी इस सीट पर ब्रायन माइशेन काबिज हैं लेकिन 2024 में उन्होंने दावेदारी से इनकार कर दिया है। जिसके बाद दर्शना पटेल ने उनकी जगह नॉर्थ काउंटी सीट से स्टेट असेंबली का चुनाव लड़ने का एलान किया है।

अपनी दावेदारी का एलान करते हुए दर्शना पटेल ने कहा कि एक अप्रवासी की बेटी होने के नाते मैंने अमेरिकी सपनों को पूरा करने के लिए काफी संघर्ष किया है। मैं जानती हूं कि परिवारों को मुश्किल वक्त में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। दर्शना पटेल ने कहा कि मैं स्टेट असेंबली चुनाव के लिए दावेदारी करूंगी। मैं यह सुनिश्चित करना चाहती हूं कि हर व्यक्ति के पास सफल होने का अवसर होता है। मैं अपने वैज्ञानिक होने, स्कूल बोर्ड सदस्य और सामाजिक नेता होने के अनुभव का इस्तेमाल करते हुए लोगों के जीवन में बदलाव लाने की कोशिश करूंगी।

पटेल इससे पहले पोवे यूनिफाइड बोर्ड के लिए उस वक्त चुनी गईं थी, जब जिला आर्थिक बदइंतजामी और आपराधिक गतिविधियों में उछाल देखा जा रहा था। ऐसे वक्त में राजकोषीय जिम्मेदारी को निभाया। साल 2020 में दर्शना पटेल फिर से पोवे यूनिफाइड बोर्ड के लिए चुनी गईं थी। पटेल सैन डिएगो काउंटी स्कूल बोर्ड एसोसिएशन की सदस्य भी रह चुकी हैं। दर्शना पटेल अपने पति और तीन बेटियों के साथ सैन डिएगो में रहती हैं। उन्होंने बायोकेमिस्ट्री में बीए और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के ओक्सिडेंटल कॉलेज से पीएचडी इन बायोफिजिक्स की डिग्री हासिल की है।

लिथुआनिया ट्रेड डेलीगेट को राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो में आमंत्रित किया

जयपुर, (हि.स.)। लिथुआनिया के लिथुआनियाई सियाउलीलाई चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड क्राफ्ट्स के 15 सदस्य व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को लिथुआनिया और राजस्थान के मध्य द्विपक्षीय बिजनेस और ट्रेड के अवसरों को जानने के लिए राजीव अरोड़ा, चेयरमैन आरएसआईसी और आरईपीसी, आरईपीसी सदस्यों और फोर्टी सदस्यों के साथ मुलाकात की। इस अवसर पर अरोड़ा ने लिथुआनियाई प्रतिनिधिमंडल को राजस्थान सरकार द्वारा 20 से 22 मार्च को जोधपुर में आयोजित होने वाले राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर फोर्टी संगठन के प्रतिनिधियों ने भी व्यापारिक अवसर पेश किए। राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउन्सिल (आरईपीसी) द्वारा विदेशों में स्थित अन्य वाणिज्य एवं उद्योग मंडलों के साथ बिजनेस और ट्रेड संबंध विकसित किये जा रहे हैं। आरईपीसी के अध्यक्ष अरोड़ा द्वारा किए गए प्रयासों की इस श्रृंखला में एससीसीआईसी लिथुआनिया के अनुरोध को स्वीकार किया और उद्योग भवन के मीटिंग हॉल में यह बैठक हुई। लिथुआनियाई चैंबर के प्रतिनिधियों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से व्यापार एवं वाणिज्य के अवसर की व्याख्या की। आरईपीसी द्वारा भी

प्रस्तुति दी गई और राजस्थान के निर्यात परिदृश्य को प्रस्तुत किया गया। राजस्थान और लिथुआनिया के प्रतिनिधिमंडल की बैठक को संबोधित करते हुए राजीव अरोड़ा ने कहा कि प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी, आईटीईएस, हस्तशिल्प, ऑटो कम्पोनेंट, पर्यटन आदि क्षेत्रों में बहुत अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान हस्तशिल्प, फर्नीचर और ऑटो कम्पोनेंट, उद्योगों का हब है। फोर्टी ने हाल ही में अपने ओद्योगिक सदस्यों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आरईपीसी के साथ एमओयू किया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के औद्योगिक संघों और विदेशी मंडलों के प्रतिनिधियों के मध्य इस प्रकार की लाइव चर्चा पहली बार आयोजित की गई थी। बैठक के अंत में यह निश्चित किया गया कि एमओयू करने और निर्यात संभावनाओं को जानने के लिए एक व्यापार प्रतिनिधिमंडल को लिथुआनिया भेजा जाना चाहिए।

नहीं थम रहा राइट टू हेल्थ का विरोध, स्टेट ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने कर डाली कई अन्य मांगें

जयपुर, (हि.स.)। राज्य की सत्तारूढ़ गहलोत सरकार की ओर से आमजन को स्वास्थ्य का अधिकार देने के लिए बिल लाया जा रहा है, लेकिन राइट टू हेल्थ बिल आने से पहले ही उसका विरोध हो रहा है। यह विरोध निजी अस्पतालों की ओर से किया जा रहा है। पहले इस विरोध में निजी अस्पतालों ने सरकारी योजनाओं को बंद कर सरकार को अपनी ताकत दिखाने का प्रयास किया गया था, लेकिन अब निजी अस्पतालों में सरकारी योजनाओं को वापस शुरू कर दिया है। स्टेट ज्वाइंट एक्शन कमेटी की तरफ से 10 मार्च तक का समय दिया गया है। कमेटी ने कहा है कि 10 मार्च तक अगर उनकी मांगें पूरी नहीं होती है तो वे फिर अस्पताल बंद कर आंदोलन करेंगे। अब ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने कहा है कि आंदोलन स्थगित किया है, इसे वापस नहीं लिया है। कमेटी ने कहा है कि सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं में तर्क और अनुचित पैकेज दरें हैं, इसलिए गुणवत्तापूर्ण उपचार असंभव है। इस पर सुधार कर सुझाव के लिए डॉक्टर और अस्पताल संचालकों को कमेटी में शामिल किया जाना चाहिए। समिति चेयरमैन डॉक्टर सुनील सिंह ने कहा कि 70 फीसदी आबादी की सेवा करने वाले निजी स्वास्थ्य सुविधाओं को उद्योग का दर्जा दिया जाना चाहिए। इनके सुचारू संचालन के लिए कम लागत की बिजली आपूर्ति, 5 वर्ष में फायर एनओसी का नवीनीकरण, पुराने चल रहे अस्पताल भवनों को नियमित करने जैसी सुविधाएं दी जानी चाहिए। स्टेट ज्वाइंट एक्शन कमेटी के डॉक्टर्स ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात करने के बाद फाइनेंस सेक्रेट्री अखिल अरोड़ा मुलाकात की थी। अब डॉक्टर्स सीएस उषा शर्मा से मुलाकात करेंगे और अपनी बात रखेंगे। राजस्थान विधानसभा का सत्र चल रहा है और इस बजट सत्र में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से राइट टू हेल्थ बिल लाना तय माना जा रहा है। ऐसे में अस्पतालों की ओर से इस बिल का विरोध किया जा रहा है।

हजयात्रियों की सहायता के लिए झालावाड में खुला हज सेवा केन्द्र

झालावाड़,(हि.स.)। अगर आप हज पर जा रहे हैं तो आपको आवेदन में किसी भी तरह की समस्या नहीं हो तो आपके लिए अच्छी खबर है। आवेदन फार्म में कोई गलती ना हो इसके लिए क्या क्या सावधानी रखनी हैं। इस तरह की सभी तरह के निशुल्क सहयोग के लिए इंडस्ट्रीज एरिया स्थित बनास स्टोन पर हज सेवा केंद्र खोला गया है। इसके माध्यम से 15 फरवरी से अब तक इस वर्ष 2023 के लिए 45 आनलाइन आवेदन आ चुके हैं, जबकि अंतिम तिथि अभी 10 मार्च है। हज सेवा केंद्र प्रभारी मोहम्मद शाहिद ने बताया कि करीब 15 साल से झालावाड़ बनास स्टोन की ओर से जिले के हज यात्रियों को आवेदन से लेकर टीकाकरण, ट्रेनिंग कैंप समेत अन्य कार्यों में निशुल्क सहयोग किया जा रहा है। ताकि किसी गलती

के कारण आवेदन निरस्त ना हो। अभी तक जिले के मनोहरथाना, बकानी, अकलेरा ,झालावाड़, झालरापाटन से हज यात्रियों के आवेदन कराए गए हैं। आवेदन भरने के लिए पानी, बिजली का बिल टेलीफोन का बिल, वोटर आईडी कार्ड या आधार कार्ड अवश्य लेकर आए। आवेदक को ब्लड ग्रुप की रिपोर्ट और दो पासपोर्ट साइज के फोटो भी लाने होंगे। कोविड वैक्सीनेशन की दोनों डोज की रिपोर्ट और बैंक डायरी की फोटो कॉपी भी लानी होगी। हज सेवा केंद्र सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खुला रहेगा। 10 मार्च फॉर्म भरने की आखिरी तारीख हैं। हज का सफर करीब 30 से 40 दिन तक का होता है।

तापमापी का पारा चढ़ते ही गहराने लगा बिजली संकट, 1900 मेगावाट की तीन यूनिटें ठप

जयपुर,(हि.स.)। राजस्थान में इस साल समय से पहले आई गर्मी ने सत्तारूढ़ अशोक गहलोत सरकार के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। चुनावी साल होने के कारण सरकार अपने हर फैसले में फूंक-फूंककर कदम उठा रही हैं। अब गर्मी का सीजन शुरू होने के साथ ही एक बार फिर से बिजली संकट गहराने लगा है। दरअसल, बिजली उत्पादन की तीन अलग-अलग यूनिट से 1900 मेगावाट का बिजली उत्पादन ठप हो गया। इससे बिजली उत्पादन और डिमांड में करीब 1500 मेगावाट का अंतर गहरा गया है। इस कारण सोमवार को प्रदेश के शहरों में भी बिजली कटौती के हालात बन गए हैं। सूत्रों के मुताबिक गांवों के अलावा शहरों (संभागीय मुख्यालय के शहर जयपुर, जोधपुर, अजमेर, भरतपुर, बीकानेर, कोटा, उदयपुर के अलावा) में एक घंटा कटौती की जाएगी। कटौती का समय सुबह 6.30 से 8.30 बजे के बीच एक-एक घंटा रहेगा।ऊर्जा विकास निगम ने संबंधित डिस्कॉम्स को इसके लिए रविवार शाम को ही अलर्ट कर दिया। हालांकि, उन्होंने कहा है कि यदि एक्सचेंज से अतिरिक्त बिजली मिल जाती है तो कटौती नहीं होगी या फिर कम समय के लिए कटौती की जाएगी। ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए. सावंत ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूरी स्थिति की जानकारी ली। देर रात तक मॉनिटरिंग करते रहे। वर्तमान में अडानी पॉवर की 600 मेगावाट, सूरतगढ़ थर्मलसुपर क्रिटिकल की 660 मेगावाट तथा छबड़ा पॉवर प्लांट की 660 मेगावाट यूनिट ठप हो गई। किसानों को सिंचाई के लिए 6 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के निर्देश हैं। इससे कम बिजली आपूर्ति या ब्लॉक समय में बदलाव के लिए अब जनप्रतिनिधियों से पूछना होगा। इसके बाद ही अफसर समय परिवर्तन कर सकेंगे। बिजली की अधिकतम मांग 16000 मेगावाट से ज्यादा हो गई व औसत मांग 13400 मेगावाट तक पहुंच गई। उत्पादन 12000 मेगावाट के करीब ही है। अभी पंजाब, तेलंगाना, गुजरात व तमिलनाडू भी एनर्जी एक्सचेंज से बिजली की अधिक खरीद कर रहा है।

आजमीन को हज के सफर में अपने स्तर पर करना होगा विदेशी मुद्रा का इंतजाम

जयपुर,(हि.स.)। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने रियाल को लेकर इस बार नियम बदल दिया है। अब आजमीन को विदेशी मुद्रा (सऊदी रियाल) स्वयं लेकर जानी होंगी। हज कमेटी की ओर से कोई पैसा नहीं दिया जाएगा। पहले हज कमेटी की ओर से दैनिक आम खर्च के लिए 1500 (सऊदी रियाल) दिए जाते थे। इस बार हज जाने वालों को यह सुविधा नहीं मिलेगी। सऊदी अरब में हज के दौरान आजमीन अपने पास से भी रुपए खर्च करते थे। पहले से आवेदन कर चुके यात्रियों का कहना है कि आनन-फानन में पहली बार इस फरमान से कई परेशानी होगी। अंत में मुद्रा की व्यवस्था खुद के स्तर पर करने से अधिक रकम चुकानी पड़ेगी। आदेशों के मुताबिक यात्री को

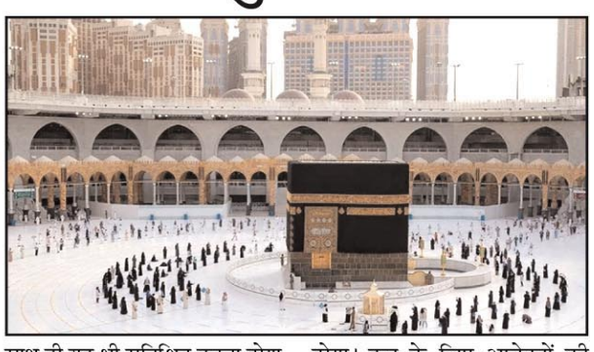

साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि यात्रा के लिए उड़ान स्थल पर पहुंचने पर हर हज यात्री के पास न्यूनतम 1500 सऊदी रियाल उपलब्ध रहें। हज प्रशिक्षक हाजी मुख्तार असलम ने बताया कि अब आजमीन को अपने स्तर पर ही बैंक से विदेशी मुद्रा का इंतजाम करना होगा। हज के लिए आवेदनों की आखिरी तारीख दस मार्च है। हज हाउस सहित अन्य जगहों पर ऑनलाइन आवेदन किए जा रहे हैं। नियमों में बार-बार बदलाव से हज यात्री भी परेशान हैं। यात्रियों का कहना है कि सभी नियम एक बार स्पष्ट हो, ताकि कोई दुविधा न हो।

पंजाब डीजीपी ने वरिष्ठ पुलिस अफसरों को जिले आवंटित किए

जालंधर(ईएमएस)। डीजीपी गौरव यादव ने पंजाब के आला पुलिस अफसरों के साथ कानून-व्यवस्था पर एक उच्च स्तरीय बैठक की है। इसके बाद पंजाब के स्पेशल डीजीपी, एडीजीपी तथा आईजी रैंक के अफसरों जिले आवंटित कर दिए हैं। डीजीपी द्वारा आबंटित किए गए जिलों के अनुसार स्पैशल डीजीपी गुरप्रीत दियो को सीपी लुधियाना, ईश्वर सिंह को पटियाला, जतिंद्र कुमार जैन को बठिंडा, एसके अस्थाना को फतेहगढ़ साहिब, शशि प्रभा त्रिवेदी को बरनाला, एडीजीपी अर्पित शुक्ला को एसएएस नगर, एडीजीपी डा नरेश अरोड़ा को गुरदासपुर, एसएस श्रीवास्तव को मालेरकोटला, अमरदीप सिंह राय को होशियारपुर, एमएस फारूखी को सीपी जालंधर, जी. नागेश्वर राव को सीपी अमृतसर, नौनिहाल सिंह को कपूरथला, अरुणपाल सिंह को लुधियाना देहाती, आरके जायसवाल को जालंधर

देहाती, गुरिंद्र सिंह ढिल्लों को खन्ना, मोहनीश चावला को अमृतसर ग्रामीण, एस.पी.एस. परमार को मानसा, आईजी गौतम चीमा को मोगा, मुखविंद्र सिंह छीना को संगरूर, शिवी कुमार वर्मा को श्रीमुक्तसर साहिब, कौस्तुभ शर्मा को एस.बी.एस. नगर, गुरशरण सिंह संधू को तरनतारन, बाबू लाल मीणा को बटाला, बलजोत सिंह राठौर को पठानकोट, गुरप्रीत सिंह भुल्लर को रूपनगर, डीआईजी इंद्रबीर सिंह को फाजिल्का, राकेश कुमार कौशल को फरीदकोट तथा रंजीत सिंह को फिरोजपुर जिलों में प्रभारी नियुक्त किया है। गौरव यादव ने अपने आदेशों में कहा कि पुलिस थानों में 50 प्रतिशत पुलिस कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं, थानों में नौजवान पुलिस कर्मचारियों की नियुक्तियां होनी चाहिए। इसी तरह से कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों को कम किया जाना चाहिए।

एपीएस धार रोड में ईपीएफओ द्वारा आयोजित किया गया 'निधि आपके निकट 2.0' जागरूकता कार्यक्रम

उधमपुर,(हि.स.)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा सोमवार को आर्मी पब्लिक स्कूल धार रोड़ में जागरूकता कार्यक्रम निधि आपके निकट 2.0ह्य का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नियोक्ताओं के साथ-साथ कर्मचारियों को भविष्य निधि के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे कि अंतिम पीएफ निकासी, पीएफ खातों के हस्तांतरण, सामाजिक सुरक्षा से संबंधित मुद्दों आदि के बारे में संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम सभी हितधारकों के बीच भविष्य निधि से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए लोगों की सामूहिक भागीदारी पर केंद्रित था। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त रिजवान उद्दीन ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य केवल योजनाओं के बारे में चर्चा करना नहीं है बल्कि वह आशा कर रहे हैं कि इस कार्यक्रम से अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हों। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं और उनके लाभों,

नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पात्रता मानदंड, रिटर्न और प्रेषण के बारे में नियोक्ता की जिम्मेदारियों आदि पर प्रकाश डाला गया।

इसमें पेंशनभोगियों के लिए उपलब्ध विभिन्न ऑनलाइन सुविधाओं और ई.पी.एफ.ओ द्वारा की गई विभिन्न नई पहलों जैसे ई-नामांकन, कोविड-19 के लिए अग्रिम आदि पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में आर्मी पब्लिक स्कूल धार रोड़ की उपाध्यक्षा मनीषा यादव, हैप्पी मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल और शिवालिक कॉलेज ऑफ एजुकेशन के संस्थापक डॉ. मुनीश गुलाटी सहित कई प्रसिद्ध गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। डॉ.ज्योति बडयाल प्रिंसिपल आर्मी पब्लिक स्कूल धार रोड़ ने जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए इस तरह के एक अतुलनीय मंच प्रदान करने के लिए क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आग्रह किया कि ऐसे मुद्दों के बारे में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए ऐसे कार्यक्रमों को अधिक से अधिक संख्या में आयोजित किया जाना चाहिए।

अजनाला हिंसा पर गृह मंत्री गंभीर, सुरक्षा एजेंसी ने सौंपी रिपोर्ट

अमृतसर(ईएमएस)। अजनाला हिंसा की केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी ने रिपोर्ट गृह मंत्री को भेजी है जिस पर गृह मंत्री काफी गंभीर हैं। सुरक्षा एजेंसी ने हिंसा के हर पहलू को खंगाला है जिससे यह पता चला है कि पुलिस चाहती तो अमृतपाल सिंह और उसके साथी जो हथियारों से लैस थे, उन्हें उनके गांव जल्लूपुर खेड़ा में रोक सकती थी लेकिन पुलिस ने ऐसा कोई प्रयास नहीं किया। पुलिस की ओर से कोई ठोस कदम उठाया जाता तो शायद इस बड़ी हिंसा से बचा जा सकता था। वहीं डीजीपी गौरव यादव के आदेशों पर भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई थी। गौरतलब है कि पंजाब में बड़ा

इकट्ठ होने पर खुफिया विभाग ने पहले ही अलर्ट कर दिया था परंतु इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय एजेंसी रिपोर्ट में अमृतपाल के साथियों को लेकर भी मामला गरमाया है। उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियारों को लेकर भी चर्चा छिड़ी हुई है जिसके चलते हथियारों की जांच भी की जा सकती है।

सरकार ने गौशाला का बजट 40 करोड़ से बढ़ाकर 400 करोड़ किया: देवेंद्र बबली

फतेहाबाद,(हि.स.)। प्रदेश सरकार गौसंवर्धन एवं गौशालाओं के विकास के लिए कटिबद्ध है। इसके लिए सरकार द्वारा गौशाला आयोग के बजट को इस वर्ष 40 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 400 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा है। इसके साथ-साथ प्रदेश की सभी गौशालाओं को गोवर्धन योजना के साथ जोड़ा जाएगा जिसके तहत सभी जिलों में गोबरगैस प्लांट बनाए जाएंगे। यह जानकारी सोमवार को प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने स्थानीय चंडीगढ रोड स्थित ज्योतिपुंज गऊशाला में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। कैबिनेट मंत्री ज्योतिपुंज गौशाला में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले परिक्रमा मार्ग शिलान्यास कार्यक्रम व संकीर्तन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने ज्योतिपुंज गऊशाला में गोपूजन कर गऊशाला परिक्रमा मार्ग का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने गौशाला में 11 लाख रुपये की राशि अनुदान स्वरूप देने की घोषणा भी की। कैबिनेट मंत्री देवेंद्र बबली ने ज्योतिपुंज सोसायटी टोहाना द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गऊशाला परिक्रमा मार्ग का शिलान्यास किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि गौशाला परिक्रमा मार्ग लगभग 50 लाख रुपये की लागत बनाया जाएगा। उन्होंने गौशाला प्रबंधक को आश्वासन दिया कि गौशाला में जितने विकास कार्य है या गऊशाला में किसी भी प्रकार की सहायता के लिए संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी गौशाला को गोवर्धन योजना से जोडने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने गऊशालाओ का बजट 40 करोड़ से बढ़ाकर 400 करोड़ कर दिया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी टेकचंद मोदी ने की व विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी प्रवीण चौधरी, समाजसेवी रजनीश बांसल व प्रवीण बांसल शामिल हुए। कार्यक्रम में मंच का संचालन वरिष्ठ पत्रकार राकेश जैन ने किया। इस मौके पर प्रधान ज्योतिपुंज गौशाला विजेंद्र बांसल, उपप्रधान बलदेव बांसल, सचिव नरेंद्र गोयल सहसचिव शोभित जैन, केसियर सतीश भारती, टोहाना रतन डॉ. शिव सचदेवा, जगन्नाथ गोयल, प्रधान अग्रवाल सभा रमेश गोयल, कृष्ण गोयल, सुभाष गोयल, पार्षद रिंकू गर्ग, जीवन बांसल, मोंटू अरोड़ा, कृष्ण बंसल, पार्षद प्रतिनिधि राजेश, संजय जैन, राजेश सरस्वती, भूषण बांसल, सतीश जैन, विपिन बांसल, रमेश गर्ग, संजीव सिंगला, समस्त कार्यकारी सेवादार व भजन सम्राट दिलीप सैन सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था हो रही लगातार मजबूत : कैप्टन भूपेन्द्र

हिसार, (हि.स.)। भाजपा जिला कार्यालय में व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजन में केन्द्र एवं प्रदेश सरकार के बजट-2023 पर रविवार को परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसमें भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेन्द्र मुख्य वक्ता रहे,जबकि व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक कुलदीप गौतम कार्यक्रम के संयोजक रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एवं जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेन्द्र ने केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए बजट की बारीकियों से जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने परिचर्चा में भाग लेने आने वालों से उनके विचार भी लिए और कहा कि केन्द्र सरकार ने हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर बजट पेश किया है वहीं इसमें देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत

करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। जिस देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, वही देश तरक्की कर सकता है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आठ वर्ष से अधिक के कार्यकाल में हर बजट को जनहितैषी पेश करने के साथ-साथ अर्थव्यवस्था को मजबूती दी गई है। इसी तरह हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी प्रदेश के विकास को गति देने वाला बजट पेश किया, जिसकी हर किसी ने सराहना की। उन्होंने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार ने अमृतकाल का ऐतिहासिक बजट पेश करके हर वर्ग का दिल जीतने का काम किया है। जिला मीडिया प्रमुख राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के संयोजक कुलदीप गौतम ने कार्यक्रम की पूरी भूमिका पर प्रकाश डाला। इसमें मुख्य रूप से सीमा गैबीपुर, मनदीप मलिक, प्रवीण पोपली, कृष्ण बिश्नोई, जोगीराम खुंडिया, मुनीष ऐलावादी ने बजट पर विचार रखे। कार्यक्रम में उपरोक्त के अलावा जिला मंत्री संजीव रेवड़ी, मुनीष गोयल, जिला पार्षद होशियार सिंह, राजेन्द्र लांबा, नरेश वर्मा, राजबीर चहल, सुरेन्द्र लोहान, रिंकू, सुशील गुप्ता सहित व्यापारी वर्ग, ट्रांसपोर्टर व मंडी एसोसिएशन से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे।

किसानों को व्यावसायिक कृषि में नवीनतम तकनीकों की जानकारी के लिए प्रदेश के बाहर रवाना किया

कठुआ (हि.स.)। कठुआ जिले के 35 किसानों के एक समूह को सोमवार को मुख्य कृषि अधिकारी कठुआ संजीव राय गुप्ता की उपस्थिति में डीडीसी उपाध्यक्ष कठुआ रघुनंदन सिंह द्वारा जेकेयूटी के बाहर सब्जियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। तीन दिवसीय प्रदर्शन का आयोजन कृषि और किसान कल्याण विभाग कठुआ द्वारा केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कृषि विस्तार पर उप मिशन के तहत राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रौद्योगिकी मिशन 2022-23 के तहत किया गया है। तीन दिवसीय एक्सपोजर विजिट के लिए किसानों को सब्जियों के लिए भारत-इजरायल परियोजना करतारपुर, फिरोजपुर और कृषि विज्ञान केंद्र गुरदासपुर, पंजाब में भेजा गया। रघुनंदन सिंह उपाध्यक्ष डीडीसी कठुआ ने कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों के साथ किसानों को परिचित कराने के लिए इस तरह के एक्सपोजर दौरे आयोजित करने के लिए कृषि विभाग कठुआ के प्रयासों की सराहना की। संजीव राय गुप्ता मुख्य कृषि अधिकारी कठुआ ने कहा

कि किसानों को व्यावसायिक कृषि के लिए नवीनतम तकनीकों, जैविक खेती में वास्तविक समय के रुझान और वैज्ञानिक आधार पर विभिन्न कृषि फसलों की खेती के बारे में जागरूक करने के लिए इस दौरे का आयोजन किया गया है। उन्होंने वैज्ञानिक आधार पर फसल की खेती में अद्यतन पद्धतियों से परिचित होने के लिए कृषि वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और विस्तार अधिकारियों के साथ बातचीत करने के लिए उन्हें प्रभावित किया। मुरारी लाल जिला कृषि अधिकारी (विस्तार) कठुआ ने कहा कि समग्र दस्तावेज के तहत किसानों की क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कई कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। उन्होंने उनसे एकीकृत खेती के क्षेत्र में अपने तकनीकी कौशल को बढ़ाने और विभिन्न कृषि सब्जियों की फसलों की खेती के लिए उन्नत तकनीकों को अपनाने के लिए भी कहा। भ्रमणशील किसानों के साथ रवि चौहान कृषि विस्तार भी जा रहे हैं। इस अवसर पर अशोक कुमार क्षेत्र विकास अधिकारी (शाकाहारी) कठुआ, अश्वनी कुमार शर्मा अनुमंडल कृषि अधिकारी हीरानगर, पुरुषोत्तम गुप्ता अनुमंडल कृषि अधिकारी कठुआ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कवयित्री डॉ. राजबाला राज को इंदौर में किया गया सम्मानित

हिसार, (हि.स.)। सामाजिक संस्था सजग की साहित्य प्रकोष्ठ की अध्यक्षा एवं अखिल भारतीय राज साहित्य मंच की संस्थापिका कवयित्री डॉ. राजबाला राज को मध्यप्रदेश के इंदौर में आयोजित आल इंडिया मुशायरा कार्यक्रम में सोढानी परिवार की ओर से शॉल, मोमेंटो व नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। सजग के प्रदेशाध्यक्ष सत्यपाल अग्रवाल ने सोमवार को बताया कि वर्ष 2019 में विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ भागलपुर बिहार द्वारा विद्या वाचस्पति उपाधि (डाक्ट्रेट) की उपाधि प्राप्त कर चुकी डॉ. राजबाला राज को 2020 में महाराष्ट्र की संस्था से वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाण पत्र सहित इन्हें उत्कृष्ट संपादन, सक्रिय लेखन कार्य, हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में किए गए कार्य एवं राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के आधार पर सराहनीय कार्य

करने के संदर्भ में देश विदेश से अब तक 40 सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। साथ ही वो कई संस्थाओं में पदानुसार कार्यभार भी संभाल रही हैं। सजग के सभी सदस्यों ने राजबाला राज को बधाई दी।

ट्विटर ने 200 कर्मचारियों को निकाला : काम पूरा करने के लिए ऑफिस में सोने वाली एम्प्लॉई भी बाहर, अब 2000 से भी कम कर्मचारी बचे

मुंबई।
ट्विटर ने शनिवार रात करीब 200 कर्मचारियों को निकाल दिया। ये ट्विटर की करीब 2,000 एम्प्लॉई की वर्कफोर्स का 10प्रतिशत है। एलन मस्क, ने अक्टूबर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का अधिग्रहण किया था, जिसके बाद से लगभग 7,500 कर्मचारियों में से आधे से ज्यादा को निकाल चुके हैं। इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है।

पांच वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों ने बताया कि कंपनी की इंटरनल मैसेजिंग सर्विस स्लैक को ऑफलाइन कर दिया गया था। इसके जरिए कर्मचारी एक दूसरे के साथ चैट कर सकते थे। शनिवार की रात, कुछ कर्मचारियों ने पाया कि वे अपने कॉर्पोरेट ईमेल अकाउंट और लैपटॉप से लॉग आउट हो गए हैं। रविवार सुबह तक साफ हो गया कि कंपनी ने छंटनी की है।

प्रोडक्ट मैनेजर्स, डेटा साइंटिस्ट और इंजीनियर प्रभावित - इस छंटनी में मशीन लर्निंग और साइट रिलायबिलिटी पर काम करने वाले प्रोडक्ट मैनेजर्स, डेटा साइंटिस्ट और इंजीनियर प्रभावित हुए है। कंपनी ने ऐसे कर्मचारियों को भी निकाला है जो किसी न किसी स्टार्टअप के फाउंडर रहे हैं, जिसका अधिग्रहण ट्विटर ने किया था। कंपनियों के अधिग्रहण के कारण इन कर्मचारियों के पैकेज भी काफी ज्यादा थे।

एस्थर क्रॉफर्ड की सोने की तस्वीर वायरल हुई थी - ऐसी ही एक कर्मचारी एस्थर क्रॉफर्ड थीं, जिन्हें नए ट्विटर ब्लू हेड के रूप में नियुक्त किया गया था। क्रॉफर्ड ने स्क्रीन-शेयरिंग और वीडियो चैट ऐप स्क्राड बनाया था। बीते दिनों उनकी एक तस्वीर भी वायरल हुई थी। वो सिल्वर कलर के एक स्लीपिंग बैग में ऑफिस में ही सोती हुई नजर आई थीं। पिछले साल अक्टूबर में एलन मस्क के ट्विटर संभालने के कुछ ही हफ्तों बाद अपने टास्क को पूरा करने के लिए क्रॉफर्ड ने ऐसा किया था।

सबसे पहले कंपनी के चार टॉप ऑफिशियल्स को निकाला था - एलन मस्क ने 27 अक्टूबर को 44 बिलियन डॉलर की डील में ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद कंपनी के चार टॉप ऑफिशियल्स को निकाल दिया था। इनमें सीईओ पराग अग्रवाल, फाइनेंस चीफ नेड सेगल और लीगल एग्जीक्यूटिव्स विजया गड्डे और सीन एडगेट शामिल हैं। इसके बाद चीफ मार्केटिंग ऑफिसर लेस्ली बेरलैंड, चीफ कस्टमर ऑफिसर सारा पर्सनेट और ग्लोबल क्लाइंट सॉल्यूशंस के वाइस प्रेसिडेंट जीन-फिलिप महू को बाहर कर दिया गया।

अब तक 2 बड़े बदलाव किए - कॉस्ट कटिंग के लिए आधे से ज्यादा एम्प्लॉइज को निकाल दिया है। छंटनी के बाद मस्क ने कहा था, 'जब कंपनी को रोजाना 40 लाख डॉलर (32.77 करोड़ रुपए) का नुकसान हो रहा है, तो हमारे पास कर्मचारियों को हटाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

क्रेड के सीईओ कुणाल शाह ने किया अपनी सैलरी का खुलासा

नई दिल्ली । कम से कम वेतन लेने की घोषणा करने वाले कंपनी के सीईओ की लिस्ट लंबी होती जा रही है।

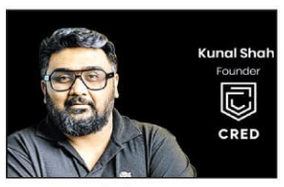

ऐसे सीईओ मानते हैं कि कंपनी के सीईओ का वेतन कंपनी के प्रदर्शन का प्रतिबिंब होना चाहिए। कंपनी सीईओ को तब तक भारी-भरकम सैलरी नहीं लेनी चाहिए जब कि कंपनी बढ़िया मुनाफा कमाने की स्थिति में ना हो। हालिया उदाहरण क्रेड के सीईओ कुणाल शाह का हैं। उन्होंने हाल ही में खुलासा किया कि वह एक सफल फिनटेक कंपनी का नेतृत्व करने के बावजूद 15,000 रुपये का ही मासिक वेतन लेते हैं। शाह का मानना है कि जब तक क्रेड मुनाफा कमाने वाली कंपनी नहीं बनती है तब तक वे भारी भरकम सैलरी लेने के अधिकारी नहीं है। सीआरईडी के सीईओ ने बीते 26 फरवरी को इंस्टाग्राम पर आस्क मी एनीथिंग नामक एक आयोजन से जुड़े सत्र में अपने वेतन का खुलासा किया था। शाह ने शाह ने बताया था कि उन्हें महज 15,000 रुपये का मासिक वेतन ही मिलता है। उनका मानना है कि उन्हें तब तक अच्छा वेतन नहीं मिलना चाहिए जब तक कि कंपनी लाभदायक नहीं हो जाती। शाह ने यह भी उल्लेख किया कि वह इस वेतन पर जीवित रहने में सक्षम हैं क्योंकि उन्होंने अपनी पिछली कंपनी फ्रीचार्ज को पर्याप्त राशि में बेचा था। एक ट्विटर यूजर अजीत पटेल ने शाह की इंस्टाग्राम स्टोरी का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए कमेंट किया था कि ऐसे सीईओ हैं जो करोड़ों में वेतन कमाते हैं, जबकि कुणाल शाह सरीखे सीईओ 15,000 रुपये का मामूली वेतन कमाते हैं। उनके इस पोस्ट को दो हजार से अधिक लाइक मिले हैं और 1,73,500 से अधिक बार देखा गया है। शाह के इस खुलासे पर मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली है। कुछ लोग कंपनी के लाभदायक होने तक उच्च वेतन नहीं लेने के उनके फैसले की सराहना की है वहीं कुछ लोगों का मानना है कि ऐसी घोषणाएं महज आयकर से बचने की कवायद है। उनका तर्क है कि कुछ लोगों को ऐसी चीजों से कोई फर्क नहीं पड़ता है, क्योंकि उनके पास इसकी भरपाई करने के कई अन्य तरीके हैं। एक यूजर ने लिखा, भाई, आप अपने ज्यादातर स्टार्टअप्स के बारे में जो बात कर रहे हैं, वह घाटे में चल रहा है और निवेशकों का पैसा जला रहा है आपको तो शून्य सैलरी लेनी चाहिए।

छंटनी के बीच चुपचाप भर्तियां कर रहीं कंपनियां, 2022 में कई जगह शुरू हुआ ट्रेंड

नई दिल्ली । कॉरपोरेट दुनिया में हाल के समय में कई ऐसे ट्रेंड देखे गए हैं, जिन्होंने खूब सुर्खियां

बटोरी। इनमें बड़ी संख्या में इस्तीफा, चुपचाप नौकरी छोड़ना, एक साथ कई कंपनियों में काम करना और कंपनियों की नीति से नाराज होकर अन्य कंपनियों में अप्लाई करने जैसे ट्रेंड शामिल हैं। अब इसमें एक और नया ट्रेंड जुड़ गया है। जिसे चुपचाप भर्ती ट्रेंड कहा जा रहा है। इसके तहत कंपनियां कंपनी में कार्यरत लोगों को ही खाली पदों पर प्रमोट कर रही हैं। तकनीकी कंसल्टिंग और रिसर्च कंपनी ने इस ट्रेंड का खुलासा किया है। गार्टनर का कहना है कि 2022 में कंपनियों ने बिना नई भर्तियां किए नए टैलेंट को खोजने पर जोर दिया। इसके तहत कंपनियां नई भर्तियां करने की बजाय खाली जगहों पर कंपनी के ही स्टाफ को प्रमोट कर रही हैं। इसके लिए कंपनियां अपने कर्मचारियों को नए स्किल सिखा रही हैं। वहीं किसी खास काम को करने के लिए अस्थायी तौर पर कर्मचारियों की भर्ती कर रही हैं। इस ट्रेंड की मदद से कंपनियां को मंदी में अपने प्रोडक्शन को धीमा करने की जरूरत नहीं पड़ती और छंटनी भी नहीं करनी पड़ती।

300 अरब डॉलर के पार पहुंच सकता है सेवा क्षेत्र का निर्यात, 2030 तक पहुंच सकता है एक लाख करोड़

नई दिल्ली । सेवाओं का निर्यात चालू वित्त वर्ष में 300 अरब डॉलर के पार पहुंच सकता है वैश्विक अवसरों का

लाभ उठाकर भारत 2030 तक एक लाख करोड़ डॉलर का सेवा निर्यात लक्ष्य हासिल कर सकता है। सेवा निर्यात संवर्द्धन परिषद के महानिदेशक अभय सिन्हा ने रविवार को कहा, आगामी विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) में समर्थन उपायों से सेवाओं का निर्यात और बढ़ाने में मदद मिलेगी। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीने यानी अप्रैल-जनवरी में सेवा निर्यात 272 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 206.28 अरब डॉलर था। प्याज निर्यात चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि में 16.3 फीसदी बढ़कर 52.38 करोड़ डॉलर पहुंच गया। दिसंबर, 2022 में यह 50प्रतिशत वृद्धि के साथ 5.21 करोड़ डॉलर रहा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट में कहा, भारत से प्याज निर्यात पर पाबंदी नहीं है। इस संबंध में भ्रामक बयान दुखद है उन्होंने यह प्रतिक्रिया एनसीपी नेता सुप्रिया सुले के प्याज निर्यात पर आए बयान पर दी है।

कंगाल होते पाकिस्तान में अब इलाज मिलना हुआ मुश्किल, अस्पतालों में न दवाएं, न सर्जरी का समान

नई दिल्ली ।
आर्थिक तंगी से जकड़े पाकिस्तान के लिए किसी भी मोर्चे पर राहत की खबर नहीं आ रही है। अब देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी खराब आर्थिक सेहत का असर पड़ने लगा है। यहां के अस्पताल आवश्यक दवाओं की कमी से जूझ रहे हैं। डॉलर की कमी के कारण, अधिकांश दवा निर्माताओं को आयातित सामग्री नहीं मिल रही है। पाकिस्तान फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (पीपीएमए) ने कहा कि अगर आयात पर प्रतिबंध अगले चार से पांच सप्ताह तक बना रहा तो देश को सबसे खराब मेडिकल संकट से गुजरना पड़ेगा। पाकिस्तान का मेडिकल संकट क्या है इसकी वजह क्या है संकट से उबरने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं आईएमएफ के बेलआउट पैकेज के लिए पाकिस्तान क्या कर रहा है

पाकिस्तान का मेडिकल संकट क्या है - विदेशी मुद्रा की कमी के चलते दवाओं और स्वास्थ्य उपकरणों के आयात पर प्रभाव पड़ा है। दवा उत्पादन के लिए जरूरी कच्चे माल का आयात घटने से स्थानीय दवा निर्माताओं को अपने उत्पादन को कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की कमी के कारण डॉक्टर सर्जरी नहीं कर पा रहे हैं। वहीं कई अस्पतालों में रोगी बिना इलाज के पड़े हैं। स्थानीय रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन थिएटरों में हार्ट, कैंसर और किडनी जैसी सर्जरी के लिए एनेस्थेटिक्स के स्टॉक केवल दो हफ्तों के ही बचे हैं। यदि यही स्थिति बनी रही है, तो पाकिस्तान के अस्पतालों में कर्मी नौकरी छोड़ने को मजबूर हो जाएंगे। खुदरा विक्रेताओं का कहना है कि कुछ महत्वपूर्ण दवाओं की कमी से अधिकांश ग्राहक प्रभावित हो रहे हैं। इन दवाओं में पैनाडोल, इंसुलिन, ब्रुफेन, डिस्प्रिन, कैलपोल, टेग्रल, निमेसुलाइड, हेपामेर्ज, बुस्कोपैन और रिवोट्रिल आदि शामिल हैं।

कितना बड़ा है यह संकट - पाकिस्तान में 95 फीसदी दवा निर्माण आयात पर निर्भर है। देश को भारत और चीन समेत अन्य देशों से कच्चे माल की आवश्यकता होती है। लेकिन डॉलर की कमी के कारण, अधिकांश दवा निर्माताओं को कराची बंदरगाह पर आयातित सामग्री नहीं मिल रही है। इस बीच, दवा निर्माण उद्योग का दावा है कि दवा बनाने की लागत

लगातार बढ़ रही है। इसके पीछे की वजह ईंधन की लागत में वृद्धी, परिवहन शुल्क और पाकिस्तानी रुपये के तेज गिरावट बताई जा रही है।

संकट से उबरने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं - मौजूदा संकट से उबरने के लिए, पाकिस्तान मेडिकल एसोसिएशन (पीएमए) ने सरकार के हस्तक्षेप करने की मांग की है। हालांकि, स्थानीय मीडिया का दावा है कि अधिकारी तत्काल कदम उठाने के बजाय अभी भी यह देख रहे हैं कि स्टॉक कितने दिन का बचा हुआ है।

इस बीच, पाकिस्तान के पंजाब में ड्रग रिटेलर्स ने कहा है कि सरकार की सर्वे टीमों ने अहम दवाओं की कमी का पता लगाने के लिए क्षेत्र का दौरा किया। पाकिस्तान फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (पीपीएमए) के सेंट्रल चेयरमैन सैयद फारूक बुखारी ने जनवरी में रिपोर्ट दी थी कि वर्तमान में करीब 20-25 फीसदी फार्मास्युटिकल उत्पादन कम हो रहा है। उन्होंने आगे कहा, अगर आयात पर प्रतिबंध अगले चार से पांच सप्ताह तक बना रहा तो देश में सबसे खराब मेडिकल संकट खड़ा हो जाएगा।

2029 तक अर्थव्यवस्था में डिजिटल इकॉनमी का 25 फीसदी होगा योगदान, बोले एनएबीएफआईडी चेयरमैन

मुंबई। जाने माने बैंकर और नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट (एनएबीएफआई) के चेयरमैन केवी कामत ने कहा, वित्त वर्ष 2029 तक देश की अर्थव्यवस्था में डिजिटल इकॉनमी का योगदान 25 फीसदी होगा। इसी समय जीडीपी बढ़कर 7 लाख करोड़ डॉलर की हो जाएगी। फिलहाल डिजिटल इकॉनमी का योगदान चार फीसदी से भी कम है। चीन में यह 40 फीसदी है। सरकार का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2029 तक देश की अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़कर 7 लाख करोड़ डॉलर की हो जाएगी, जो अभी 3.3 लाख करोड़ डॉलर की है। डिजिटल इकॉनमी में डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, ई-कॉमर्स और अन्य डिजिटल भुगतान के साथ सेवा क्षेत्र भी है। कामत ने कहा, मुझे ऐसा कोई कारण नहीं दिखता है कि भारत इसे हासिल नहीं कर पाएगा, क्योंकि अर्थव्यवस्था में अधिक एक्सप्रेस-वे, हाईवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह और हाई-स्पीड रेलहेड के लिए बहुत अधिक मांग है। एक सवाल यह जरूर उठता है कि क्या वित्त वर्ष 2006-08 के दौरान बुनियादी ढांचे पर सरकार के जोर देने के बाद बैंकों पर पड़ने वाले बैंकिंग संकट की पुनरावृत्ति की कोई संभावना है।

5.8 लाख करोड़ में 470 विमान खरीदेगी एअर इंडिया

एयरबस से 250, वहीं बोइंग से 220 एयरक्राफ्ट खरीदेगी

नई दिल्ली।
एअर इंडिया ने एयरबस और बोइंग को 470 विमानों का ऑर्डर दिया है। एअर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन के अनुसार इस डील की वैल्यू 70 अरब डॉलर (5.8 लाख करोड़) है। एअर इंडिया को एयरबस 250 और बोइंग 220 विमान देगा। एयरबस इसी साल के अंत तक विमानों की डिलीवरी भी शुरू कर देगी। एयरबस के साथ हुई डील के तहत 40 वाइड बॉडी 350 एयरक्राफ्ट, 210 नैरोबॉडी सिंगल-आइजल 320 नियोस एयरक्राफ्ट मिलेंगे। वहीं बोइंग से हुई डील 34 अरब डॉलर की है। इसके तहत एअर इंडिया को 190 मैक्स विमान, 20 विमान और 10 एक्स विमान की डिलीवरी होगी।

अभी टाटा ग्रुप की 4 एयरलाइन्स के पास 220 एयरक्राफ्ट - टाटा ग्रुप की एअर इंडिया, एयर एशिया इंडिया, विस्तारा और एअर इंडिया एक्सप्रेस के पास 220 एयरक्राफ्ट इनमें 172 नैरो-बॉडी और 48 वाइड-बॉडी। 45 वाइड-बॉडी जेट का इस्तेमाल ओवरसीज ट्रैवल सेगमेंट के लिए

कॉम्पिटिटर इंडिगो के पास 300 एयरक्राफ्ट, जिसका इस्तेमाल डोमेस्टिक और छोटी दूरी के डेस्टिनेशन्स के लिए इंडिगो 54.9प्रतिशत शेयर के साथ मार्केट लीडर। टाटा ग्रुप की एयरलाइन्स का 26प्रतिशत डोमेस्टिक एयर ट्राफिक पर कंट्रोल ओवरसीज ट्रैवल सेगमेंट में एअर इंडिया की मोनोपॉली। खास तौर पर अमेरिकन और यूरोपियन डेस्टिनेशन्स में सभी इंडियन कैरियर्स के पास करीब 800 विमान हैं, जिनमें से 500 एयरबस के नैरोबॉडी एयरक्राफ्ट

इंडिगो को टक्कर देगी एअर इंडिया - नैरोबॉडी प्लेन से एअर इंडिया 4-5 घंटे वाले शॉर्ट-हॉल डेस्टिनेशन सर्विस दे सकेगी। इससे वो इंडिगो को कड़ी टक्कर दे पाएगी, जिसका वर्तमान में 50प्रतिशत से ज्यादा के डोमेस्टिक मार्केट पर कब्जा है। वहीं वाइड बॉडी एयरक्राफ्ट टाटा को उत्तरी अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में अपने फुटप्रिंट बढ़ाने में मदद करेगा। एयर इंडिया के एफवाय 24 के आखिर तक लगभग 50 विमान बेड़े में जोड़ेगा। इससे उसकी कैपेसिटी करीब 50प्रतिशत बढ़ जाएगी।

5 साल में 30प्रतिशत मार्केट शेयर का टारगेट - पिछले साल की शुरुआत में एअर इंडिया का अधिग्रहण करने के बाद से टाटा ग्रुप अपनी फ्लीट में सुधार के लिए एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरर्स के साथ बातचीत में लगा है।

जितना तेज विकास देखा, उतनी ही तेजी से तबाही : राजधानी बदलने से कारोबार ठप; जितनी बिक्री एक दिन में होती थी, अब सालभर में भी नहीं

अमरावती।
आंध्र प्रदेश में अमरावती राजधानी का काम शुरू होने के बाद लोगों की जिंदगी जितनी तेजी से बदली और 2019 में काम रुकने पर उतनी ही तेजी से अर्श से फर्श पर आ गई। सिंगापुर की कंस्ट्रक्शन कंपनी की मदद से इसे विकसित किया जा रहा था। 51प्रतिशत फॉरेस्ट और 10प्रतिशत वाटर कवर वाली पहली राजधानी बनती। इस शहर को प्रदेश से जोड़ने के लिए 36 सड़कें बननी थीं। इनमें कुछ 225 फीट तक चौड़ी थीं। 185 एकड़ में जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के 5 टॉवर खड़े होने थे। रॉफ्ट फाउंडेशन के लिए जमीन पर 20प्रतिशत मोटी कंक्रीट बिछाई गई। यह टॉवर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते। गांव के लोग कहते हैं, राजधानी का काम शुरू होते ही पूरा इलाका कंस्ट्रक्शन साइट में बदल गया था। 30 से 35 हजार बाहरी मजदूर आए। नए बाजार बने। लोग नए-नए बिजनेस शुरू कर रहे थे।

सरिया-सीमेंट और हार्डवेयर के कारोबारी मनोज कुमार कहते हैं, 'हमारा काम इतनी तेजी से चला कि मांग पूरा करने के लिए पांच गांवों में गोदाम खोलने पड़े। उस वक्त एक दिन में जितनी बिक्री होती थी, अब उतनी सालभर में नहीं हो रही। हम जब अमरावती के अन्य इलाकों में पहुंचे, तो रेस्त्रां, शोरूम से लेकर तमाम दुकानों पर ताले लटके मिले। 65 वर्षीय रामबाबू कहते हैं कि प्रदर्शन को लेकर हम पर मुकदमे किए गए। बेटे नरसिम्हा पर दो केस हैं। 400 से ज्यादा केस में करीब 3 हजार किसान नामजद हैं। धरना, मुकदमे और बिगड़ती हालत से हम सब तनाव में हैं। अमरावती प्रतिरक्षणा समिति के सदस्य श्री जय कृष्ण गुर्रम दावा करते हैं कि तनाव के चलते 4 साल में 100 से ज्यादा किसानों की मौत हार्ट अटैक से हुई है। वे कहते हैं कि आंध्र प्रदेश रिऑर्गेनाइजेशन एक्ट 2014 के अनुसार पहली सरकार को ही राजधानी तय करने का हक है।

जॉब में सक्सेस के लिए चैट जीपीटी का नॉलेज जरूरी

टेक गाइड जानकारी देने में चैट जीपीटी गूगल से तेज, लेकिन ये गूगल का विकल्प नहीं

नई दिल्ली।
पिछले कुछ महीनों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल चैट जीपीटी चर्चा में है। कोई कविता लिखनी हो या किसी कंप्यूटर प्रोग्राम के कोड्स लिखने हों चैट जीपीटी चंद मिनटों में ही ऐसा कर देता है। विशेषज्ञों के अनुसार एकेडमिक्स और करिअर दोनों में लगातार अपनी स्किल्स को अपग्रेड करना जरूरी है। चैटजीपीटी यानी चैट जनरेटिव प्री ट्रेन्ड ट्रांसफॉर्मर। यह ओपनएआई का एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट है। टेक्नोलॉजी की दुनिया में यह एक बड़ा बदलाव है। प्री गूगल और पोस्ट गूगल की तरह ही आने वाले समय को अब प्री जीपीटी और पोस्ट जीपीटी में समझाया जाएगा। चैटजीपीटी के पास हर उस सवाल का जवाब है जो इंटरनेट पर मौजूद है, लेकिन यह उसी सवाल का जवाब दे सकता है जो पहले इंटरनेट पर पूछा गया हो। यह एक सॉफ्टवेयर है जो इंटरनेट पर मौजूद जानकारी को पढ़कर जवाब देता है।

उदाहरण के तौर पर अगर आपने एक आर्टिकल लिखकर किसी ब्लॉग पर पब्लिश किया तो यह जानकारी इंटरनेट पर उपलब्ध होगी। इसी तरह सैकड़ों आर्टिकल्स पढ़कर चैटजीपीटी अपने जवाब तैयार करता है। जिन सवालों के जवाब खोजने में वक्त लगता है उनके लिए इसे काम में लिया जा सकता है। ओपन एआई की वेबसाइट पर जाकर चैट जीपीटी पर क्लिक करके आप इसका यूज कर सकते हैं, लेकिन आपको सही सवाल पूछना आना चाहिए। साथ ही उस विषय की जानकारी भी होनी चाहिए। इससे आप तय कर पाएंगे कि जवाब सही है या गलत। अगर आपको रॉकेट साइंस सीखनी है तो चैट जीपीटी सही विकल्प नहीं है। बेशक यह आपको बता देगा कि कौन से एंगल पर रॉकेट चलेगा, लेकिन इससे पूरी प्रक्रिया जान पाना मुश्किल होगा।

सके इस्तेमाल के लिए लर्निंग एक्सपीरियंस होना बहुत जरूरी है क्योंकि तब ही आप यह जान पाएंगे कि चैटजीपीटी का जवाब सही है या नहीं। जवाब सीधे कॉपी-पेस्ट न करें बल्कि उन्हें समझें। याद रखें यह गूगल का विकल्प नहीं है। किसी भी सब्जेक्ट पर विस्तार से जानकारी के लिए गूगल बेहतर है। लेकिन तुरंत नोट्स तैयार करने हैं तो इस स्थिति में चैटजीपीटी गूगल से बेहतर है। देश में ज्यादातर इंजीनियरिंग और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट फील्ड में इसका इस्तेमाल हो रहा है। कोडिंग में कोई दिक्कत होने पर इंजीनियर्स चैटजीपीटी से 2 मिनट में समाधान पा सकते हैं।

कैब की तरह बुक कर सकेंगे ड्रोन

निजी कंपनियों के साथ मिलकर सरकार इन क्षेत्रों में करेगी उपयोग

नई दिल्ली।
देश में अब कई कार्यों के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा। जल्द ई-कॉमर्स कंपनियां ड्रोन को किराए पर दे सकेंगी। इसकी बुकिंग ठीक उसी तरह होगी जैसे कैब बुक की जाती है। ड्रोन की सेवा मुहैया कराने वाली कंपनियां इसके लिए एप तैयार करवा रही हैं। ड्रोन का इस्तेमाल खेती, ई-कॉमर्स डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स, निगरानी और मैपिंग और सर्वे में किया जा सकेगा। सरकार ड्रोन कमर्शियल पायलट परियोजना की घोषणा मार्च में कर सकती है।

16 कंपनियों ने दिखाई दिलचस्पी

इस तकनीक को आगे बढ़ाने वाली केंद्र सरकार की एजेंसी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) एक व्यावसायिक पायलट स्कीम को अंतिम रूप देने में जुटी है। इससे ड्रोन निर्माताओं को नए सिरे से बाजार विकसित करने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि उन्हें तैयार बाजार मिल जाएगा। इस योजना के तहत देश के विभिन्न स्थानों से 16 कंपनियों को न्योता देने पर विचार

किया जा रहा है। ये कंपनियां निजी-सार्वजनिक साझेदारी के तहत 12 महीने तक ड्रोन की सेवा मुहैया कराएंगी। हर कंपनियों को कम से कम 10 ड्रोन के साथ शुरुआत करनी होगी। कंपनियों का चयन उनके उपयोग और तकनीकी वाणिज्यिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाएगा।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस कार्यक्रम से जुड़े अफसरों का कहना है कि करीब 16 मंत्रालयों ने निजी ड्रोन विनिर्माताओं और ऑपरेटरों के साथ कंसोर्टियम में यह परियोजना शुरू करने में दिलचस्पी दिखाई है। कोयला, तेल, रक्षा, परिवहन, पुलिस और रेलवे के कई सार्वजनिक उपक्रमों ने भी इस परियोजना में दिलचस्पी दिखाई है। नीति के तहत उन्हें इस परियोजना में भाग लेने के लिए पहली प्राथमिकता दी जाएगी। उसके बाद निजी क्षेत्र में एफडीआई निवेशकों को भी न्योता दिया जाएगा। सरकार की ऐसी कई सारी योजनाओं में ड्रोन एक कारगर हथियार साबित हो सकता है। इसलिए सरकार ने इसे बढ़ावा देने के लिए अगले तीन सालों के लिए 120 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है। सरकार ने इस परियोजना के लिए 12 ड्रोन निर्माता और 11 ड्रोन कलपुर्जा निर्माता पहले ही चुन लिए हैं। इस योजना के जरिये सुनिश्चित किया जाएगा कि इन विनिर्माताओं के पास ईओडीबी परियोजना के जरिये ड्रोन के कार्मिशियल उपयोग के व्यावहारिक तरीके पहले ही हों।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय से लेनी होगी मंजूरी

जानकारों का कहना है कि देश में अभी ड्रोन उद्योग बहुत ही शुरुआत दौर में है। लेकिन सरकार की इस पहल से खस्ता हाल चल रहे स्टार्टअप और पीएलआई योजना का पूरा लाभ उठाने में मदद मिलेगी। ड्रोन का व्यावसायिक उपयोग करने वाली एजेंसी को नागरिक उड्डयन मंत्रालय से सभी आवश्यक लाइसेंस और मंजूरियां लेनी होंगी। इसके बाद ही वे इसका संचालन कर सकेंगे। वहीं जो राज्य ड्रोन का कमर्शियल उपयोग करना चाहते हैं, उन्हें इसे अधिक किफायती बनाने के लिए किराये में कुछ सब्सिडी देनी होगी। इसके साथ ही इसे चलाने के लिए एक व्यावहारिक किराया भी तय करना पड़ेगा, जो उपभोक्ताओं के साथ-साथ ऑपरेटरों को भी स्वीकार हो।

परीक्षण सफल रहने पर ईओडीबी राज्य को यह परियोजना सौंप देगी, ताकि वे इसे अगले स्तर पर ले जा सकें। जबकि नीति आयोग इसके लिए नीतिगत ढांचा तैयार करेगा। ईओडीबी की नजर ड्रोन के वैश्विक राजस्व में 25 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने पर है। साल 2027 तक भारत में ड्रोन से कमाई 10 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

फिल्म तीजा के लुगरा 2 की शूटिंग हुई प्रारंभ, भिलाई के नंदूरी गांव में चल रही है इसकी शूटिंग

-पहली बार दो सुपर स्टार्स की जुगलबंदी दिखाई देगी फिल्म तीजा के लुगरा 2 में

रायपुर (ईएमएस)। नागपुर के लीजेंड मल्टी लेंग्वेज फेमस निर्देशक विजय गुमगावकर की मल्टीस्टारर छत्तीसगढ़ी फिल्म तीजा के लुगरा 2 की शूटिंग प्रारंभ हो गई। इसकी शूटिंग 25 फरवरी से भिलाई के नंदूरी गांव में चल रही है। छॉलीवुड में पहली बार दो सुपर स्टार प्रकाश अवस्थी और करण खान नजर आयेंगे। आपको बता दें कि छत्तीसगढी फिल्म तीजा के लुगरा 12 साल पहले आई थी जो सुपरहीट रही थी। ये फिल्म केवल छत्तीसगढ में ही नही बल्कि महाराष्ट्र के नागपुर में भी टॉकीज में अपने 50 दिन पूरे किये थे। उसके कारण और दर्शकों की डिमांड को देखते हुए फिल्म के डायरेक्टर विजय गुमगांवकर ने तीजा के लुगरा-2 बनाने का निर्णय लिया जिसका प्रि प्रोडक्शन का कार्य पिछले दो माह से चल रहा था जो अब जाकर पूरा हो गया और अब 25 फरवरी से इसकी शूटिंग भी प्रारंभ हो गई। सुपर निर्देशक विजय भाई अपने हम निवाला पाटनर बालसखा भारीभरकम, बाहुबली, निमार्ता,राजन सूर्यवंशी के साथ विगत 1 सप्ताह से शूटिंग स्थल में डेरा डाले हुऐ है। इस अवसर पर फिल्म के निर्देशक विजय गुमगांवकर ने हमारे संवाददाता को बताया कि इस फिल्म में छॉलीवुड की दो प्रमुख हस्तियां करन खान और प्रकाश अवस्थी जहां नायक की भूमिका निभायेंगे वहीं जागृति सिन्हा इसकी नायिका होंगे। इसके अलावा इसमें पुष्पेंद्र सिंह ,पवन गुप्ता,शमशीर सिवानी के साथ ही छॉलीवुड की अन्य प्रमुख हस्तियां अपने अभिनय का जलवा दिखायेंगे। फिल्म के संगीतकार जाने माने सुपर हिट फिल्मों के संगीतकार सुनील सोनी है तो गीत पी सी लाल यादव, मौनी लाला और विजय राजन का होगा। फिल्म के निमार्ता राजन सूर्यवंशी, सह निमार्ता कुंदन मारकर, ज्ञानेश मदनकर, सौ सीमा दीनेश धोपे, अमित जैन, नरेंद्र भोयर होंगे जबकि निर्देशन का बागडोर विजय गुमगावकर संभाल रहे है जिन्हे जी विजय के नाम से जाना जाता है।

यश और चिक्की फंसने वाले हैं नई मुसीबत में

-आशिकाना-3 में होने वाली है बच्चे की एंट्री

मुंबई (ईएमएस)। आशिकाना-3 में अब एक नवजात बच्चे की एंट्री होने वाली है। इसके साथ ही सीरियल की कहानी में एक नया मोड आने वाला है। एक्टर जायन इबाद खान और खुशी दुबे वेब सीरीज आशिकाना के तीसरे सीजन में यश और चिक्की की अपनी भूमिकाओं को दोहराते नजर आएंगे। एक्टर्स ने खुलासा किया कि इस सीजन में कैसे उनकी लाइफ में एक बच्चे की एंट्री बहुत सारे भ्रम और रहस्य पैदा करेगी। दूसरे सीजन में शादी करने वाले यश और चिक्की को तीसरे में अलग होते हुए दिखाया गया है और एक नया मोड़ आता है, जब एक नवजात बच्चे की एंट्री होती है, जो कई सवाल खड़े करती है कि यह कहां से आया। यश और चिक्की किसी नई मुसीबत में फंसने वाले हैं।तीसरे सीजन के बारे में बात करते हुए जैन ने कहा, यश और चिक्की की लाइफ में एक बच्चे की एंट्री के साथ, ड्रामा तीन गुना होने वाला है। यह निश्चित रूप से उनके रिश्ते को प्रभावित करेगा और इसे और अधिक जटिल बना देगा। शहर में चारों ओर छिपे हत्यारों के साथ, यश को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और यह उसके चारों ओर रहस्य की एक और भावना पैदा करता है। वेब सीरीज की लीड एक्ट्रेस खुशी, जो चिक्की की भूमिका निभाती नजर आएंगी, ने ऑन-स्क्रीन कपल्स के रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि कहानी में कई भ्रमों और गलतफहमी के कारण, यश और चिक्की दोनों एक साथ नहीं हो सके और एक दूसरे का सामना करने के लिए तैयार हैं। उनके जीवन में नाटक उनके रिश्ते के लिए और अधिक मुद्दे पैदा कर रहा है। यश और चिक्की लगातार आपस में भिड़े हुए हैं और इससे बाहर निकलने का रास्ता खोजने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रिपल एक्शन, ड्रामा, ट्विस्ट और टर्न के साथ दोनों एक अप्रत्याशित स्थिति का सामना करते हैं जहां एक बच्चा उनके जीवन में प्रवेश करता है।

अब छोटे पर्दे पर सुम्बुल तौकीर खान डियर इश्क में लगाएंगी तड़का

मुंबई (ईएमएस)। इमली और बिग बॉस-16 करने के बाद सुम्बुल तौकीर खान छोटे-बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर्स को सुनने और उनको सेलेक्ट करने में बिजी हैं। हाल ही में उनके रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी-13 का हिस्सा बनने की खबर आई थी। हालांकि अभी मुहर नहीं लगी है, लेकिन कुछ दिन में साफ हो जाएगा। अब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि वह एक वेब सीरीज का हिस्सा बनने जा रही हैं। इसमें उनका अवतार एकदम अलग होगा। वह नए कलेवर के साथ पर्दे पर फैन्स को एंटरटेन करती दिखाई देंगी। सुम्बुल तौकरी खान को स्टार प्लस के सीरियल इमली से काफी प्यार मिला था। फैन्स ने उन्हें सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस-16 में भी पसंद किया था। अब वह वेब सीरीज में अपना जलवा दिखाने आ रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार डिज्नी प्लस हॉटस्टार की वेब सीरीज डियर इश्क में नजर आएंगी। इसमें वह एक इन्फ्लुएंसर की भूमिका में नजर आएंगी, जो कुणाल वर्मा की किताब को प्रमोट और सेहबान अजीम को टक्कर देने की प्लानिंग करेगी। सुम्बुल तौकीर खान ने बताया कि मैं फिक्शन शोद की फैन हूं और बिग बॉस-16 के बाद मेरा ये पहला शो होगा, जहां दर्शक मुझे बतौर एक्टर देखेंगे।

मैं रोल को लेकर एक्साइटेड भी हूं और नर्वस भी। मैं इसमें अपना बेहतर देना चाहती हूं। इसके अलावा यह चैलेंजिंग है, क्योंकि दर्शक मुझे सुम्बुल के रूप में देखने के आदी रहे हैं, न कि एक एक्टर के रूप में। सुम्बुल ने आगे बताया कि मैंने पहले भी आतिफ के साथ काम किया है और मैं उनके सेट पर जाने के लिए बेहद उत्सुक हूं। मैं उनके आसपास जब होती हूं तो खुद को सहज महसूस करती हूं। उतनी ही मैं उनकी भी इज्जत करती हूं। मैं नियति से भी मिली। वह भी अच्छी हैं। अब तो मैं बस दर्शकों के रिएक्शन का इंतजार कर रही हूं। आशा करती हूं कि वह मुझे अलग अवतार में देखकर इंजॉय करेंगे। उल्लेखनीय है कि आतिफ खान डियर इश्क को डायरेक्ट कर रहे हैं। यश और ममता पटनायक इसे बियॉन्ड ड्रीम्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। डियर इश्क सोमवार से शनिवार तक डिज्नी हॉट स्टार पर स्ट्रीम होगा। लोग इसे वहीं पर सुम्बुल को देख सकेंगे।

फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर नजर आई टीम दहाड़

क्राइम ड्रामा ने दुनिया भर के सात शो के सामने प्रतिस्पर्धा की है, जिसे वर्ल्ड प्रीमियर देखने वाले उपस्थित लोगों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। दहाड़ एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी द्वारा निर्मित सीरीज है जिसका निर्देशन रीमा कागती और रुचिका ओबेरॉय ने किया हैं। इस सीरीज में सोनाक्षी सिन्हा, विजय वर्मा, गुल्शन देवय्या और सोहम शाह मुख्य भूमिका में हैं। 2019 में गली बॉय के बाद, दहाड़ बर्लिन में एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी का दूसरा शोकेस होगा। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट की दहाड़ राजस्थान के एक छोटे से शहर में सेट है। यह 8 पार्ट का स्लो बर्न क्राइम ड्रामा है जो लोकल पुलिस स्टेशन में सब-इंस्पेक्टर अंजलि भाटी और उनके सहयोगियों को फॉलो करता है। जब कई महिलाएं रहस्यमय तरीके से पब्लिक बाथरूम में मृत पाई जाती है, तो सब-इंस्पेक्टर अंजलि भाटी को जांच की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। इसमें पहले तो मौतें स्पष्ट रूप से आत्महत्या लगती हैं, लेकिन जैसे-जैसे मामले सामने आते हैं, अंजलि को शक होने लगता है कि एक सीरियल किलर खुलेआम घूम रहा है।

चैट शो व्हॉट वुमेन वॉन्ट के सेट पर स्पॉट हुए रणबीर-करीना

- रेड जंपसूट में भाई संग पोज दे रही थी बेबो

मुंबई (ईएमएस)। बीते दिनों करीना कपूर खान के चचेरे भाई और एक्टर रणबीर कपूर उनके चर्चित चैट शो व्हॉट वुमेन वॉन्ट के सेट पर स्पॉट हुए, जहां दोनों भाई-बहनों का लुक और स्टाइल देखते ही बन रहा था। अब रणबीर और करीना की ये तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं, जिन्हें फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान करीना कपूर रेड कलर के क्लीवेज कट जंपसूट में बेहद ग्लैमरस दिखीं। इस आउटफिट के साथ उन्होंने मैचिंग हील पेयर की हैं। न्यूड मेकअप और खुले बालों से एक्ट्रेस ने अपने लुक को कंप्लीट किया है। ओवरऑल लुक में बेबो काफी अट्रैक्टिव लग रही हैं। वहीं रणबीर कपूर इस दौरान ऑल डेनिम लुक में काफी डैशिंग लग रहे हैं। सेट पर एक साथ स्पॉट हुए भाई-बहन ने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दे रहे हैं। काम की बात करें तो रणबीर कपूर इन दिनों तू झूठी मैं मक्कार के प्रमोशन में बिजी हैं। इसमें वह एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के साथ नजर आएंगे। लव रंजन द्वारा निर्देशित, यह फिल्म 8 मार्च, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं, करीना कपूर इन दिनों हंसल मेहता की अपकमिंग फिल्म में व्यस्त हैं। बता दें कि एक्ट्रेस करीना कपूर और रणबीर कपूर यूं तो अपनी आउटिंग या लुक को लेकर सुर्खियों में रहते हैं, लेकिन दोनों भाई-बहन को बहुत कम एक साथ देखा जाता है।

फिल्म सलार में मुख्य भूमिका में हैं प्रभास

केजीएफ फेम प्रशांत नील द्वारा निर्देशित फिल्म सलार में प्रभास और श्रुति हासन मुख्य भूमिका में हैं। निमार्ताओं ने श्रुति हासन के किरदार आद्या की शूटिंग पूरी करने की घोषणा की है। वरिष्ठ अभिनेता कमल हासन की बेटी श्रुति हासन दक्षिण में व्यस्त हैं। तेलुगू में उनकी पिछली दो फिल्में, वीरा सिम्हा रेड्डी और वॉल्टेयर वीरय्या बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चलीं। इन दो फिल्मों में, श्रुति को क्रमशः टॉलीवुड के शीर्ष सितारे बालकृष्ण और चिरंजीवी के साथ जोड़ा गया था। सालार केजीएफ सीरीज और कांटारा के प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स से आ रही है। यह बाहुबली प्रभास और प्रशांत नील के बीच सहयोग को भी चिह्नित करेगी। इस साल 28 सितंबर को रिलीज होने के लिए तैयार, सालार 2023 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है।

बिग बी और टाइगर पर कंगना ने निकाला गुस्सा

-एक्ट्रेस ने कहा-बॉलीवुड माफिया गैंग्स

मुंबई (ईएमएस)। हाल में ट्विटर पर वापस लौटी बालीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने अपने लेटेस्ट ट्वीट्स में, टाइगर श्रॉफ, अमिताभ बच्चन और कृति सेनन स्टारर गणपत पर हमला किया, जो 20 अक्टूबर को बॉक्स ऑफिस पर उनकी फिल्म इमरजेंसी के साथ रिलीज हो रही है। कुछ समय पहले ही कंगना ने एलान किया कि वो जल्द ही अपनी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज डेट बताएंगी। कंगना ने ट्विस्ट की एक सीरीज में ये भी बताया कि उनकी फिल्म के मेकर्स इसे 20 अक्टूबर को रिलीज करने का मन बना रहे हैं। हालांकि बाद में सितंबर, नवंबर और दिसंबर में फ्री होने के बावजूद गणपत निमार्ताओं ने फिल्म को उसी दिन रिलीज करने का फैसला किया। कंगना को इसी बात पर गुस्सा आ गया और उन्हें गणपत स्टार अमिताभ बच्चन और टाइगर श्रॉफ पर अपना गुस्सा निकाल दिया। एक्ट्रेस ने लिखा, जब मैं इमरजेंसी रिलीज के लिए डेट की तलाश कर रही थी तो मैंने देखा कि इस साल मूवी कैलेंडर काफी फ्री है, शायद हिंदी इंडस्ट्री को मिल रहे झटकों की वजह से, मेरे पोस्ट प्रोडक्शन टाइमलाइन के आधार पर मैंने 20 अक्टूबर को लॉक कर दिया।अपने एक और ट्वीट में उन्होंने लिखा- 20 अक्टूबर को अपनी फिल्म की घोषणा की, पूरा अक्टूबर फ्री है इसलिए नवंबर, दिसंबर और सितंबर भी है लेकिन आज श्री अमिताभ बच्चन और टाइगर श्रॉफ ने 20 अक्टूबर को अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म की घोषणा की, हा हा लगता है पैनिक मीटिंग हो रही है बॉलीवुड माफिया गैंग्स में। उन्होंने कहा, अब इमरजेंसी की रिलीज डेट मैं ट्रेलर के साथ ही एक महीने पहले ही अनाउंस कर दूंगी, जब सारा साल फ्री है तो क्लैश की जरूरत क्यों है भाई? ये बुरे हाल है इंडस्ट्री के, फिर भी इतनी दुर्बुद्धि, क्या खाते हो यार तुम सब, इतने सेल्फ डिस्ट्रक्टिव कैसे हो? बता दें कि कंगना रनौत से पंगा लेने वालों को एक्ट्रेस जवाब जरूर देती हैं। कंगना अब तक कई बॉलीवुड सेलेब्स के साथ विवादों में रह चुकी हैं, लेकिन इस बार एक्ट्रेस के निशाने पर अमिताभ बच्चन आ गए हैं। उन्होनो लगे हाथ बिग बी पर भी कड़े शब्दों में प्रहार किया है। कारण है उनकी फिल्म गणपत की रिलीज डेट, जिसके कंगना की इमरजेंसी के साथ क्लैश की पूरी उम्मीद है।

ऋतिक से मिलने उनके घर पहुंचे मोहसिन

छोटे परदे के अभिनेता मोहसिन खान ने अपनी फैमिली संग सुपरस्टार ऋतिक रोशन से मुलाकात की। इस मुलाकात की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। मोहसिन खान बीते दिनों अपनी बहन जेबा और भांजे के साथ ऋतिक रोशन के घर उनसे मिलने पहुंचे थे। भांजे को गोद में लेकर मोहसिन सुपरस्टार के पास पोज दे रहे हैं, वहीं उनकी बहन भी ऋतिक के बगल में पोज देती नजर आ रही हैं। हाल ही में इन तस्वीरों को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए मोहसिन खान ने कैप्शन में लिखा- सबसे बड़े एक्टर्स में से एक और दुनिया के सबसे अच्छे दिखने वाले लड़के से मिलने का सम्मान। अपने भव्य घर में हमारा स्वागत करने के लिए धन्यवाद। फैंस स्टार्स की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

रिहाना बॉयफ्रेंड एपी रॉकी के की बनने वाली है मां

जल्द ही पॉप स्टार रिहाना बॉयफ्रेंड एपी रॉकी के दूसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं। ऐसे में सिंगर अपने प्रेग्नेंसी पीरियड को बॉयफ्रेंड संग खास अंदाज में बिता रही हैं। इसी बीच बीती रात प्रेग्नेंट रिहाना सांता मोनिका में एपी रॉकी संग डिनर डेट पर निकलीं, जहां दोनों मीडिया के कैमरे में कैद हो गए। अब कपल की ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि डीप नेक व्हाइट शॉर्ट ड्रेस में नजर आ रही हैं। ड्रेस के ऊपर उन्होंने ब्लैक श्रग कैरी किया है। इस लुक को उन्होंने सिल्वर हील्स के साथ कंप्लीट किया। हाथ में व्हाइट पर्स कैरी किए रिहाना अपने स्टाइलिश लुक से फैंस को खूब इम्प्रेस कर रही हैं। वहीं उनके बॉयफ्रेंड इस दौरान रिहाना का हाथ थाम चलते नजर आ रहे हैं। कैमरे के सामने कपल एक साथ जबरदस्त बॉन्ड शेयर कर रहा है।

सूडोकु नवताल- 6356

कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -6355 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्दजाल - 7103

ह	म	मा	प	र	वा	ना	न	ह	क	र	
हा	म	सू	ह	त	ल	जी	स	ल	मी	ज	
ग	वी	रा	द	अं	था	त	र	ज	ल	टी.	
द	र	दा	ज	ल	क	स्तु	ओ	र	सु	अ	
र	आ	न	ष	ल	म	मी	छ	झे	नो	न	
प	मी	प	स	जि	स्वा	क	प	ह	स	क	
के	ह	बु	की	टी	म	मी	टे	न	सु	ही	
न	पू	सु	पा	खा	पं.	सौ	ल	ब	र	स	
मों	रे	क	सू	ह	ती	ने	ने	व	जी	त	
वा	दा	म	ब	फा	दी	र	ह	ल	क	थ	
म	ह	न	प	द	य	ह	है	ज	ल	वा	

शब्दजाल में अभिषा पटेल की १० फिल्मों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

गदर, हमराज, परवाना, सुनो ससुरजी, आप की खातीर, यह है जलवा, वादा, अनकही, तथास्तु, जमीर,

शब्दजाल - 7102 का हल

अ	कु	र	सु	ह	म	तु	म	ला	नी	ओ	
न	छ	क	ज	इं	डे	ने	ह	क	म	म	
बं	ना	आ	व	म	न	इ	क	भी	प	ज	
वी	क	ल	मा	ज	ल	स	रा	अ	इ	य	
ओ	हो	स	र	का	र	क	र	ल	त्ते	ज	
र	जे	कि	र	क	दि	का	म	वी	रि	ग	
ब	मा	दे	श	व	था	से	त	दा	क	दी	
ब	दे	श	रा	न	प	य	र	न	व	श	
ली	दि	ल	र	ले	दा	र	जा	क	वी	दे	
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	र	
ते	रा	जा	दु	च	ल	ग	या	ना	र	म	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6056

4			6	1		7
	31	7	31		28	
	2			3		4
	34	6	31		33	
6		4		2		1
5	31		32	7	38	
	3	2		5		6

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6055 का हल

7	5	6	3	4	2	1
5	42	7	33	1	23	3
1	6	5	4	3	7	2
2	25	3	34	7	39	6
3	1	4	6	2	5	7
6	24	1	33	5	35	4
4	3	2	7	6	1	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

क्रिकेटर अक्षर ने पत्नी के साथ महाकाल के दर्शन किए: बोले - शादी के बाद बाबा से आशीर्वाद लेने आया हूं

उज्जैन।

इंडियन क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर प्लेयर अक्षर पटेल, पत्नी मेहा के साथ महाकाल मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। हुई भस्म आरती में दोनों शामिल हुए। भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। दोनों ने पिछले महीने जनवरी में ही शादी की है। अक्षर पटेल और मेहा ने साथ बैठकर करीब एक घंटे से अधिक समय नंदी हॉल में बिताया। भस्म आरती के बाद दोनों ने गर्भगृह में जाकर पूजा और अभिषेक किया। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग बाबा महाकाल का मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का बड़ा केंद्र है। बड़ी संख्या में क्रिकेट खिलाड़ी से लेकर बॉलीवुड एक्टर और राजनीति से जुड़े वीवीआईपी महाकाल का आशीर्वाद लेने मंदिर पहुंचते हैं। रविवार को केएल राहुल और अथिया शेट्टी ने महाकाल मंदिर में दर्शन किए थे।

अक्षर ने कहा, शादी के बाद बाबा से आशीर्वाद लेने आया हूं - पूजन के बाद अक्षर ने मीडिया से बात की। बोले- भस्म आरती में शामिल होकर बहुत अच्छा लगा। इससे पहले 2016 में आया था, लेकिन भस्म आरती नहीं कर पाया था। शादी के बाद साथ में दर्शन करने का मौका मिला। अपनी भक्ति को मानिए, भगवान भोले आपके साथ हैं।

टेस्ट सीरीज के लिए पहुंचे हैं इंदौर - बॉर्डर-गावसकर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला 1 मार्च से इंदौर में खेला जाएगा। इस टेस्ट के लिए टीम इंडिया के खिलाड़ी अलग-अलग फ्लाइट से इंदौर पहुंचे। अक्षर पटेल, कोच राहुल द्रविड़ के साथ शनिवार रात को इंदौर आए। इस समय भारतीय टीम 4 मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है।

अक्षर और मेहा ने 26 जनवरी को शादी की - टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी अक्षर पटेल 26 जनवरी को गुजरात में अपनी मंगेतर मेहा पटेल के साथ शादी के बंधन में बंध गए थे। न्यूजीलैंड सीरीज से छुट्टी लेने के बाद अक्षर पटेल ने शादी की थी। अक्षर और मेहा ने शादी की तस्वीरें डालीं तो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। मेहा और अक्षर के लंबे समय से रिलेशन में होने की चर्चा थी। मेहा पटेल पेशे से डायटीशियन और न्यूट्रिशनिस्ट हैं और वह डाइट प्लान शेयर करती रहती हैं। वह डाइट से संबंधित जानकारी लोगों से साझा करती हैं। मेहा इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाक में आर्थिक संकट से पीएसएल पर खतरा मंडराया , कीमती सामान उठाकर चलते बने दर्शक

कराची। पाकिस्तान में आर्थिक बदहाली से खेल भी प्रभावित होने लगे हैं। अब पाक सुपर लीग (पीएसएल) 2023 के आयोजन पर भी खतरा मंडरा रहा है। पीएसएल के अब तक कुल 13 मैच खेले गये हैं। टूर्नामेंट में रोमांचक दौर चल रहा है पर जिस प्रकार से आर्थिक संकट बढ़ रहा है इसके सभी मैचों को एक ही जगह कराये जाने की मांग हो रही है। इसके तहत मुल्तान, रावलपिंडी और लाहौर की जगह सभी मैचों को कराची में कराए जाने की मांग हो रही है तो दूसरी ओर मैच देखने आने वाले प्रशंसकों ने भी चोरी कर आयोजकों की परेशानी बढ़ा दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पीएसएल मैच को देखने आने वाले दर्शक स्टेडियम से सामान को चोरी कर अपने घर ले जा रहे हैं। जो मामला सामने आया है उसमें बताया जा रहा है कि स्टेडियम से 8 सीसीटीवी कैमरे चोरी होने के अलावा फाइबर केबल और कुछ बैटरी भी चोरी गयी है। ऐसे में पीसीबी की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं।

पीसीबी इसके अलावा सुरक्षा को लेकर परेशान है। पंजाब प्रांत की सरकार ने सुरक्षा देने में असमर्थता जता दी है। स्थानीय सरकार ने साफ तौर से यह कह दिया है कि पीएसएल मैचों के दौरान के दौरान वह सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं करा सकती है। इस कारण पीसीबी और पीएसएल फ्रेंचाइजियों के बीच एक बैठक भी हुई जिसमें सभी मैचों को एक ही स्थल पर कराए जाने पर विचार विमर्श हुआ हुआ। हालांकि इस पर कोई अभी अंतिम फैसला नहीं आया है। पाकिस्तान में नई सरकार आने के बाद पीसीबी के साथ पुराने करार को रद्द कर दिया है। पंजाब प्रांत की सरकार ने पीसीबी ने सुरक्षा को लेकर 450 मिलियन पाकिस्तानी रुपए की मांग की है। वहीं सरकार के साथ पिछला करार केवल मिलियन पाकिस्तानी रुपए का।

10 रन पर ऑलआउट हो गई टीमः टी-20 में सबसे कम स्कोर का वर्ल्ड रिकॉर्ड, 7 बल्लेबाज जीरो पर आउट; स्पेन में हो रहा था मैच

कार्टाजेना। आइल ऑफ मैन देश की टीम ने -20 क्रिकेट में सबसे कम स्कोर का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। 26 फरवरी को स्पेन के खिलाफ 6 टी-20 मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में पूरी टीम 8.4 ओवर में सिर्फ 10 रन पर ढेर हो गई। जवाब में स्पेन ने 0.2 ओवर में बिना विकेट खोए 13 रन बनाकर मैच जीत लिया। स्पेन ने यह सीरीज 5-0 से अपने नाम की। इससे पहले टी-20 क्रिकेट में सबसे कम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड बिग बैश लीग में सिडनी थंडर के नाम था। 2022-23 के सीजन में सिडनी की टीम ने एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ 15 रन पर ढेर हो गई थी। आइल ऑफ मैन के 7 बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। जोसेफ बरोज ने सबसे ज्यादा 4 रन बनाए। स्पेन की तरफ से सबसे सफल गेंदबाज अतीफ महमूद ने 4 ओवर में 6 रन देकर 4 विकेट लिए। उनके दो ओवर मेडन भी रहे। उनके अलावा मोहम्मद कामरान ने 3 और लोर्न बर्न्स ने 2 विकेट लिए। आइल ऑफ मैन ने इंटरनेशनल टी-20 में तुर्की के सबसे कम स्कोर के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। चार साल पहले 2019 में इलफोव काउंटी में चेक रिपब्लिक के खिलाफ तुर्की की टीम 21 रन पर ऑलआउट हुई थी। वहीं, आइल ऑफ मैन का पिछला सबसे कम स्कोर 66 रन का था जो उसने 25 फरवरी के खिलाफ स्पेन के खिलाफ ही 6 मैचों की सीरीज के 5वें मैच में बनाया था। आइल ऑफ मैन ने स्पेन के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 81 रन से हार का सामना करना पड़ा था। दूसरा मैच बारिश की वजह से धुल गया। तीसरे मैच को स्पेन ने 8 विकेट से और चौथा मैच 6 विकेट से जीता। पांचवें मैच में स्पेन ने 7 विकेट से बाजी मारी। छठे और आखिरी मैच को स्पेन ने 10 विकेट से जीत लिया। आइल ऑफ मैन ने अब तक 16 टी-20 इंटरनेशनल खेले हैं। इसमें 8 में उसे जीत मिली और 7 में हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच बिना किसी परिणाम के समाप्त हुआ। टीम ने साइप्रस के खिलाफ अपने तीनों मैच जीते, जबकि उन्होंने एस्टोनिया को दो बार हराया। एक- एक बार रोमानिया, सर्बिया और तुर्की को भी हराया है।

फॉलोऑन खेलकर कीवी ने दूसरे टेस्ट में बनाए 483 रन

इंग्लैंड को दिया 258 का टारगेट, केन विलियमसन ने शतक ठोका

वेलिंगटन।

इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड पर जीत के लिए 210 रन चाहिए। न्यूजीलैंड ने वेलिंगटन में खेली जा रही घरेलू सीरीज के दूसरे टेस्ट में फॉलोऑन खेलते हुए केन विलियमसन के शानदार शतक की मदद से दूसरी पारी में 483 बना दिए और इंग्लैंड को 258 रनों का टारगेट दिया। चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 1 विकेट खोकर 48 रन बना लिए हैं।

चौथे दिन 7 विकेट खोकर न्यूजीलैंड ने 281 रन जोड़े - न्यूजीलैंड ने तीसरे दिन के 202/3 के स्कोर से आगे खेलते हुए चौथे दिन सात विकेट खोकर दूसरी पारी में 281 रन जोड़े। ड्रिंक्स तक न्यूजीलैंड ने 4 विकेट खोकर 100 ओवर में 262 रन बनाए। लंच तक न्यूजीलैंड ने 5 विकेट खोकर 325 रन बना लिए थे। उसके बाद ड्रिंक्स तक 127 ओवर में न्यूजीलैंड ने 5 विकेट के नुकसान पर 375 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने 10 विकेट खोकर दूसरी पारी में 162.3 ओवर में 483 रन बनाए।

केन विलियमसन ने निकोलस, मिशेल और ब्लंडेल के साथ अर्धशतकीय साझेदारी निभाई - केन विलियमसन ने पहले हेनरी निकोलस के साथ चौथे विकेट के लिए 153 गेंदों पर 50 रन की पार्टनरशिप की। निकोलस 29 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उसके बाद विलियमसन ने डेरिल मिशेल के साथ 62 गेंदों पर फिर 50 रन की पार्टनशिप की। मिशेल ने 62 गेंदों पर अपने टेस्ट करियर का 7वां अर्धशतक लगाया। मिशेल 54 गेंदों पर 54 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं छठे विकेट के लिए विलियमन ने टॉम ब्लंडेल के साथ टीम के लिए 58 गेंदों पर तीसरी अर्धशतकीय साझेदारी निभाई। ब्लंडेल ने 80 गेंदों पर 50 रन पूरे किए। ब्लंडेल ने मैच में 166 गेंदों का सामना किया और 90 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 9 चौके लगाए। ये उनके टेस्ट करियर का 10वां अर्धशतक है।

विलियमसन न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने - विलियमसन ने मैच में 26वां शतक लगाया और वह न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। विलियमसन ने पूर्व कीवी बल्लेबाज रॉस टेलर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने 112 टेस्ट में 44.66 की औसत से 7,683 रन बनाए हैं। विलियमसन के टेस्ट क्रिकेट में अब 53.34 के औसत से 7,787 रन हो गए हैं। उन्होंने इंजमाम उल हक का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। इंजमाम ने टेस्ट क्रिकेट में 25 शतक लगाए हैं। विलियमयन ने पहले 148 गेंदों पर 50 रन पूरे किए और उसके बाद 226 गेंदों पर 8 चौके और 6 छक्के की मदद से अपनी सेंचुरी पूरी की। उन्होंने 232 गेंदों पर 132 रन की पारी खेल कर न्यूजीलैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

तीसरे टेस्ट में अंतिम ग्यारह को लेकर संशय कायम राहुल की जगह शुभमन को मिल सकता है अवसर

इंदौर। यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से खेले जाने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अंतिम ग्यारह को लेकर संशय बना हुआ है। भारतीय टीम इस सीरीज में 2-0 से आगे है और उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा करना रहेगा। इस मैच में सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल को अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी या नहीं यह देखना होगा। राहुल पहले दोनो ही मैच में विफल रहे हैं। इस कारण उन्हें उपकप्तान पद से भी हटा दिया गया है। इस मैच में राहुल की जगह पर युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को अवसर मिल सकता है। शुभमन ने हाल ही में शानदार प्रदर्शन करते हुए एकदिवसीय और टी20 में अपनी बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए अंतिम ग्यारह में जगह को लेकर एक और खिलाड़ी पर बात हुई। इस सीरीज में टेस्ट डेब्यू करने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज केएस भरत ने विकेट के पीछे अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है हालांकि उनकी बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही है। इस मैच में राहुल और भरत के अंतिम ग्यारह में रहने पर कोई भी फैसला कोच और टीम प्रबंधन करेगा। ऐसे में आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को भी जगह मिल सकती है।

हरमनप्रीत को जिम्मेदारी से दौड़ना चाहिए था

विमेंस टी-20 वर्ल्ड चैंपियन एलिसा हीली बोलीं- कोशिश में कमी के कारण रनआउट हुई हरमन

मुंबई।

ऑस्ट्रेलिया की वर्ल्ड कप विनिंग विकेटकीपर बैटर एलिसा हीली ने कहा कि हरमनप्रीत थोड़ा और एफर्ट लगाकर दौड़ती रन पूरा कर लेतीं। वह बोलीं कि हरमन को जिम्मेदारी से दूसरा रन लेना चाहिए था। अगर वे थोड़ा बेहतर एफर्ट लगातीं तो श्रो आने से पहले ही रन पूरा कर लेतीं। न ही उनका बैट पिच में अटकता और न ही वे रन आउट होतीं।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के ही खिलाफ भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर अहम मौके पर रनआउट हो गई थीं। दूसरा रन पूरा करने के दौरान उनका बैट पिच में अटक गया और वे रन पूरा नहीं कर सकी थीं। मैच के बाद हरमन ने कहा था कि वे अनलकी रही और किस्मत खराब थी। अगर बैट नहीं अटकता तो वे रन पूरा कर लेतीं और नतीजा कुछ और भी हो सकता था। इस रनआउट से पहले भारत को 33 बॉल पर 41 रन की जरूरत थी। रनआउट के बाद टीम इंडिया 32 बॉल में 34 रन ही बना सकी और 5 रन से मैच हार गई।

सेमीफाइनल के बाद हीली ने कहा कि आप पूरी जिंदगी किस्मत को वजह बता कर खुद को अनलकी बता सकते हो। लेकिन, हरमन अगर थोड़ा जिम्मेदारी से रन लेने के लिए दौड़तीं और निश्चित ही श्रो आने से पहले क्रीज पार कर जातीं। उन्होंने दूसरा रन बहुत ढीले तरीके से लिया। वे क्रीज तक पहुंच भी गईं, लेकिन उनका बैट अटक गया और वह आउट हो गईं। वर्ल्ड कप जैसे मोमेंट्स में आप अपने एफर्ट में कमी नहीं दिखा सकते। इस तरह की सिचुएशन में आपको पूरी एनर्जी और पूरे एफर्ट लगाकर खेलना होता है। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच सेमीफाइनल में 15वें ओवरर की चौथी बॉल पर हरमनप्रीत कौर रन आउट हुईं। ऑस्ट्रेलियाई फील्डर के श्रो पर कीपर हीली ने ही गिल्लियां उड़ा दी थीं। हरमन 34 बॉल में 52 रन बनाकर आउट हुईं और अपनी टीम को मैच जिताकर फाइनल में नहीं पहुंचा सकीं। भारत को सेमीफाइनल में हराने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप भी जीता। टीम ने फाइनल में साउथ अफ्रीका को 19 रन से हराया। एलिसा हीली ने मैच में 18 रन बनाए। जबकि 74 रन की नाबाद पारी खेलने वाली ओपनर बेथ मूनी प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

मेरठ में पहली बार होगा राष्ट्रीय महिला हॉकी का संग्राम, मार्च में विभिन्न राज्यों की 13 टीमें लेंगी हिस्सा

मेरठ।

मेरठ के कैलाश प्रकाश स्टेडियम में नवनिर्मित हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान बनने के बाद जिले में पहली राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता होने जा रही है। उत्तर प्रदेश खेल विभाग द्वारा 1 मार्च से तक राष्ट्रीय महिला हॉकी प्राइजमनी प्रतियोगिता होगी। कैलाश प्रकाश स्टेडियम में क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी योगेंद्रपाल सिंह ने प्रेसवार्ता करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया प्रतियोगिता में देश के अलग अलग राज्यों की 13 टीमें शामिल होंगी।

जिनके बीच 19 मैच होंगे, 15 लीग मैच, 2 सेमीफाइनल, व तीसरे नंबर के लिए एक मैच और अंत में फाइनल होगा।

100 खिलाड़ी राष्ट्रीय और 20-25 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी प्रतियोगिता में शामिल होंगे। जिनमें भारतीय हॉकी टीम को सदस्य वंदना कटारिया, रानी रामपाल सहित कई महिला खिलाड़ी शामिल हो सकती हैं।

विजेता को 2 लाख और उपविजेता को 1 लाख रुपए वितरित होंगे। प्रति खिलाड़ी को 400 रुपए प्रति डाइट का मिलेगा। भारतीय हॉकी संघ द्वारा 12 तकनीकी अधिकारी प्रतियोगिता कराएंगे। मेरठ में पहली बार खेल विभाग हॉकी प्रतियोगिता हो रही है।

हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान संचालित होने के बाद यह पहली राष्ट्रीय प्रतियोगिता होने जा रही है। लखनऊ छात्रावास, एसएसबी लखनऊ, साई सेंटर लखनऊ, नॉर्दन रेलवे और मध्य प्रदेश की टीम से कई बड़े नाम खेल सकते हैं।

आईपीएल से बाहर हो सकते हैं बुमराह: वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलने पर भी संशय, वनडे वर्ल्ड कप में कर सकते हैं वापसी

मुंबई।

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईपीएल 2023 से बाहर हो सकते हैं। वहीं अगर भारत वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचता है तो उनके खेलने पर संशय है। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल इंग्लैंड में जुलाई में होना है। भारतीय टीम मैनेजमेंट उनकी चोट को लेकर कोई रिस्क नहीं लेना चाहता है। वह अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वर्ल्ड कप में वापसी कर सकते हैं।

एनसीए में रिहैब कर रहे हैं बुमराह

बुमराह आईपीएल में मुंबई इंडियंस टीम से खेलते हैं। वह इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। वहां पर पिछले कुछ समय गेंदबाजी का अभ्यास भी कर रहे हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही थी कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी 2 मुकाबलों में खेलते हुए दिख सकते हैं, लेकिन चयनकर्ताओं ने उनकी फिटनेस के आधार पर किसी तरह का कोई खतरा ना उठाते हुए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया।

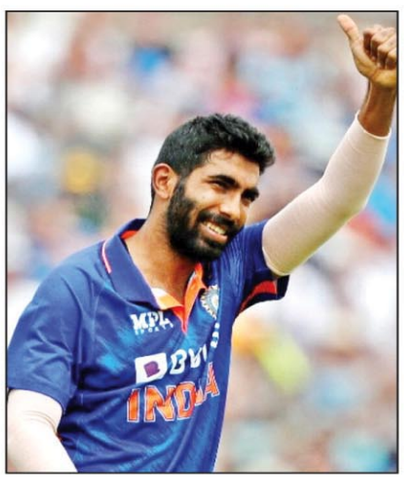

उसके बाद उम्मीद की जा रही थी कि वह मार्च-अप्रैल में होने वाले आईपीएल से वापसी कर सकते हैं, लेकिन अब खबर आ रही है कि उनके फिट होने में समय लग सकता है।

टीम मैनेजमेंट का फोकस वर्ल्ड कप

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आईपीएल 2023 और जून में खेले जाने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी खेलने पर संशय है। ऐसे में बुमराह अब इस साल के अंत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में वापसी कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई और टीम मैनेजमेंट ने बुमराह को इस साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में वापसी कराने का लक्ष्य रखा है। वनडे वर्ल्ड कप इस साल भारत में अक्टूबर- नवंबर में होना है।

7 महीने से क्रिकेट से दूर हैं बुमराह

बुमराह पिछले 7 महीने से क्रिकेट से दूर हैं। उन्होंने आखिरी मैच सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में खेला था। दरअसल पिछले साल जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर बुमराह को पीठ में परेशानी सामने आई थी। स्ट्रैस फ्रेक्चर की वजह से बुमराह एशिया कप में नहीं खेल पाए थे। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में वापसी की, लेकिन 2 मैच के बाद ही वह बाहर हो गए।

विनेश फोगाट की योगेश्वर दत्त पर कार्रवाई की मांग

डब्लूएफआई अध्यक्ष को समर्थन देने, तथ्यों को लीक करने के लगाए आरोप

पानीपत।

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर देश के पहलवानों द्वारा लगाए गए शारीरिक शोषण के गंभीर आरोपों के मामले में बड़ा मोड़ आया है। विनेश फोगाट ने एक ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि मामले की जांच कर रही दोनों कमेटियों में शामिल एक सदस्य यौन उत्पीड़न की शिकायत के तथ्य लीक कर रहा है। ऐसा उन्हें मीडिया रिपोर्ट्स पढ़कर पता चला है। इसीलिए उस सदस्य पर कड़ी कार्रवाई करते हुए तुरंत समिति से हटाया जाना चाहिए। विनेश फोगोट ने केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को ट्वीट में टैग किया है। गौरतलब है कि आईओए और स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री द्वारा बनाई कमेटियों में मैरीकॉम को अध्यक्ष बनाया गया है। जबकि दोनों कमेटियों में एकमात्र हरियाणा के पहलवान योगेश्वर दत्त ही शामिल हैं। जिन पर विनेश पहले भी निशाना साध चुकी हैं। विनेश फोगाट में ट्वीट में लिखा कि- मुझे हाल ही में पता चला है कि ओवर साइट कमेटी का एक खिलाड़ी

सदस्य कथित तौर पर कल से यौन उत्पीड़न की शिकायत की सामग्री को लीक कर रहा है। ऐसा उन्हें मीडिया रिपोर्ट्स पढ़ कर पता लगा है।

एक खिलाड़ी होने के नाते यह देखना बेहद निराशाजनक है कि ओवर साइट कमेटी के एक साथी खिलाड़ी सदस्य ने इतनी लापरवाही से व्यवहार किया है। महिलाओं के प्रति उनका रवैया इस तरह के व्यवहार से स्पष्ट होता है।

आखिरी ओवर में 4 रन नहीं बने, 5 विकेट गिरे: ऑस्ट्रेलिया के घरेलू टूर्नामेंट में हो रहा था महिलाओं का मैच

ऑस्ट्रेलिया। ऐसे ही नहीं कहा जाता कि क्रिकेट में आखिरी गेंद तक बाजी पलट जाती है। ऑस्ट्रेलिया में खेले जा रहे महिलाओं के घरेलू मैच के दौरान ऐसा ही हुआ। महिलाओं की घरेलू सीरीज के फाइनल में साउथ ऑस्ट्रेलिया और तस्मानिया की टीमें आमने-सामने थीं। मुकाबला होबार्ट के बेलेरिव ओवल मैदान पर खेला जा रहा था। आखिरी ओवर में साउथ ऑस्ट्रेलिया को 4 रन चाहिए थे। उसके 5 विकेट भी बचे थे, लेकिन सारे विकेट गिर गए और तस्मानिया एक रन से मुकाबला जीत गई। साराह कोयटे ने 3 विकेट लिए, 2 रनआउट हुए तस्मानिया की ओर से गेंदबाज साराह कोयटे ने आखिरी ओवर में तीन विकेट लिए और दो खिलाड़ी रन आउट हुए। पहली गेंद: कोयटे ने ओवर की पहली गेंद पर एनी ओनील को बोल्ड किया। दूसरी गेंद: बल्लेबाज ने एक रन लिया। तीसरी गेंद: साउथ ऑस्ट्रेलिया की कप्तान जेम्मा बार्स्बी क्रीज से आगे निकल आईं और विकेटकीपर ने स्टंपिंग कर दी। चौथी गेंद: बल्लेबाज अमांडा-जेड वेलिंगटन ने सीधा शॉट मारा। गेंद कोयटे के हाथ से टकराकर स्टंप में जाकर लगी। नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़ी बल्लेबाज रन आउट हो गईं। पांचवीं गेंद: कोयटे ने इनस्विंगर पर एला विल्सन को एलबीडब्ल्यू आउट किया। छठी गेंद: साउथ ऑस्ट्रेलिया को तीन रन चाहिए थे, लेकिन टीम एक रन ही बना सकी और बैटर अनेसु मुशंगवे भी रन आउट हो गईं। तस्मानिया ने बनाए थे 264 रन, बारिश के बाद टारगेट 242 हो गया तस्मानिया ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सभी विकेट खोकर 264 रन बनाए।

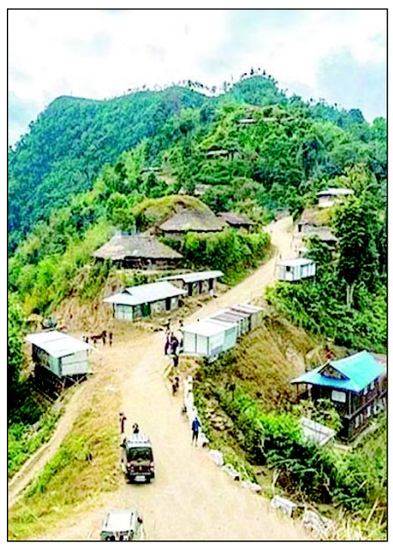

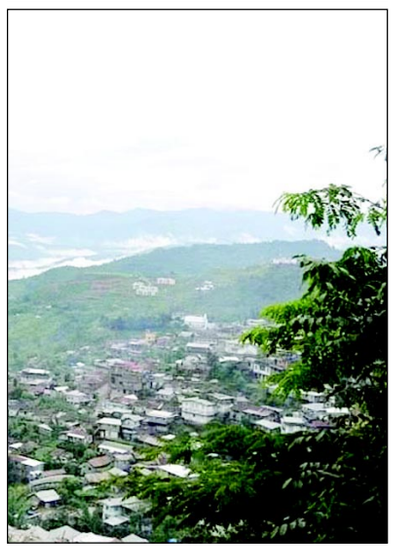

भारत का एक ऐसा हिस्सा जो बहुत अनूठा है, प्राकृतिक रूप से बेहद समृद्ध भी और बेहद खूबसूरत भी। यहां पहाड़ भी हैं, जंगल भी, झरने और नदियां भी और बहुत खूबसूरत फूल और पंछी भी। यहां का एक और बड़ा आकर्षण है यहां रहने वाली जनजातियां और उनकी लोककलाएं, उनकी परंपराएं। उत्तर पूर्वी भारत का हिस्सा नगालैंड पर्यटन के लिए एक बहुत ही खूबसूरत विकल्प है। केवल यहां का प्राकृतिक सौंदर्य ही नहीं, यहां मनाए जाने वाले कुछ विशेष त्यौहार भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र होते हैं। इन त्योहारों में गीत-संगीत, अनूठी, रंग-बिरंगी और कलात्मक वेश-भूषाएं, ढेर सारे खेल-कूद और मनोरंजन सभी कुछ शामिल होता है। हर वर्ष बड़ी तादात में देश-विदेश के पर्यटक यहां इन त्योहारों का हिस्सा बनने और लोककलाओं को करीब से जानने के लिए आते हैं। नगालैंड में एक दर्जन से भी अधिक ट्राइबल ग्रुप्स हैं। ये सभी अलग अलग परंपराओं को मानते और जीते हैं। इनके जीवन में लोक संगीत, नृत्य और प्राकृतिक खान-पान का विशेष स्थान होता है। यहां ज्यादातर लोक उत्सव फसलों पर आधारित हैं, जिन्हें नई फसल के साथ नए साल के रूप में भी मनाया जाता है और इनका अपना एक समृद्ध इतिहास है। ये लोक उत्सव यहां बीते कई सालों से मनाए जाते हैं। इनमें पारंपरिक वेशभूषा के साथ सजी कबीलाई सभ्यता को पास से देखने और जानने का अवसर मिलता है। ऐसे कुछ उत्सवों में शामिल हैं-

सुखनयय फेस्टिवल : चार दिनों तक चलने वाले इस फेस्टिवल के जरिये अच्छी फसल के साथ साथ अच्छी सेहत और भरपूर ताकत से नवाजने के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया जाता है। मार्च महीने के शुरूआती दिनों में हर साल यह फेस्टिवल चाखेसांग जनजाति द्वारा मनाया जाता है। यह भी एक तरह से साल की शुरुआत का स्वागत ही होता है। हर दिन पूजा और आराधना के साथ ही अलग परंपरा के साथ ईश्वर को धन्यवाद कहा जाता है और आखिरी दिन नदी या कुएं में स्नान कर शुद्धि की जाती है। नगालैंड के फैक जिले में मुख्यत: पर्यटक इस उत्सव का आनंद उठाने आते हैं।

सेक्रेनी फेस्टिवल : नगालैंड के आगामी जनजाति में मनाया जाने वाला यह फेस्टिवल भी फरवरी से मार्च के पहले हफ्ते तक चलता है। यह करीब 10 दिनों तक मनाया जाता है। इसलिए इसका आनंद लेना है तो आपको लम्बी वैकेशन प्लान करनी होगी। फेस्टिवल के पहले दिन केवल अविवाहित युवाओं को ही इसके आयोजन की जिम्मेदारी संभालनी होती है। जबकि चौथा दिन युवा दंपत्तियों के नाम होता है। इस दौरान यदि कोई युवक-युवती एक-दूसरे को पसंद कर लेते हैं तो वे एक-दूसरे को उपहार देकर इसका इजहार करते हैं। शिकार इस उत्सव का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है और शिकार किये गए जानवर को ही भोज में भी शामिल किया जाता है। यह उत्सव कोहिमा जिले में खास मनाया जाता है।

एलेंग-मोन्यु फेस्टिवल : कोयांक नगा ट्राइब में अप्रैल के महीने में मनाया जाने वाला यह फेस्टिवल वसंत के स्वागत का प्रतीक है। इसे मोन जिले में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। कोयांक कैलेंडर के हिसाब से यह नव वर्ष भी है और इस तरह इस उत्सव को मनाने की 2 बड़ी वजहें हो जाती हैं। नृत्य, संगीत और खाना तो इस उत्सव का हिस्सा होता ही है, इसके अलावा कबीले से जुड़ी परंपराओं और पूजा-पाठ का भी इसमें बहुत महत्व होता है। सभी मिलकर पहले तीन दिन उत्सव के लिए कपड़े बुनने और पारंपरिक बियर बनाने का काम करते हैं, इसके बाद सेलिब्रेशन शुरू होता है। आखिरी के दो दिन सभी मिलकर घरों और गांव की सफाई करते हैं।

नाक्नयुलम फेस्टिवल : चांग समुदाय द्वारा जुलाई-अगस्त के महीने में मनाए जाने वाले इस फेस्टिवल का पहला दिन *वेंशी* या आयोजन की तैयारी के रूप में मनाया जाता है। महिलाएं मिलकर बाजरे की तारी फसल और स्टिकी राईस से आटा तैयार करती हैं और इससे पत्तों में लपेटकर, भाप में पकाकर बिस्किट व केक बनाए जाते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि जीवन में दुखों का अन्धेरा कभी न छाए। इस फेस्टिवल का एक सबसे मजेदार भाग कई तरह की खेल प्रतियोगिताएं भी हैं। इनमें लकड़ी के लट्टू (जो कि प्रतियोगी ही तैयार करते हैं) घुमाने से लेकर रस्साकशी, लॉन्ग जंप, हाई जंप आदि शामिल होते हैं। खेलों में आपकी रूचि है तो यहां आपको बहुत मजा आएगा।

टुलुनी फेस्टिवल : सुमि जनजाति द्वारा मनाया जाने वाला यह फेस्टिवल भी जुलाई के महीने में पहले ही हफ्ते के तीन दिनों के लिए मनाया जाता है। इस फेस्टिवल का मकसद नई फसल के लिए ईश्वर का शुक्रिया अदा करने के साथ ही, नए जोड़ों का समुदाय में स्वागत करना और एक-दूसरे से घुलना मिलना, संगीत व भोज के साथ आनंद मनाना होता है। यानी यह एक तरह का गेट टुगेदर है। लोग एक-दूसरे को उपहार देते हैं और परिवार के साथ मिलकर स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाते हैं।

खर्च और सुविधाएं : नगालैंड के जनजातीय इलाकों में अब टूरिज्म को बहुत बड़ावा मिल गया है। कोहिमा, दीमापुर जैसे स्थानों पर बकायदा 2-4 स्टार होटल्स आसानी से मिल सकते हैं। हां, शाकाहारी लोगों के लिए विकल्प बहुत सीमित हो सकते हैं लेकिन खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, आनंददायक फेस्टिवल्स और विविध जनजातीय परंपराओं, लोक कलाओं को पास से देखने का अनमोल अवसर इस कमी को भुला देता है। खासकर एडवेंचर, वाइल्ड लाइफ, नेचर, आर्ट, फोटोग्राफी, आदि में रूचि रखने वालों के लिए यह एक शानदार ट्रीट हो सकती है। यहां तक पहुंचने में थोड़ी मशक्कत जरूर है लेकिन प्री बुकिंग के साथ यह आसान बन सकता है। ज्यादातर टूरिज्म साइट प्री बुकिंग के साथ अच्छे ऑफर प्रदान करवाती हैं। कुल 20, 000-35,000 रुपए प्रति व्यक्ति खर्च में आप 5-6 दिनों का समय यहां आसानी से गुजार सकते हैं।

मुंह में पानी लाते मेघालय के स्वादिष्ट व्यंजन

मेघालय एक बेहद खूबसूरत जगह है। घुमक्कड़ों की लिस्ट में तो ये डेस्टिनेशन शामिल होता ही है साथ ही साथ फूड लवर्स के भी। जी हां, इनके खाने बनाने का तरीका, उसमें इस्तेमाल किए जाने वाले मसाले और उसे परोसने का तरीका ऐसा है जो आपके मुंह में पानी ला देगा। नॉन वेजिटेरियन्स के लिए तो ये जगह किसी जन्नत से कम नही, लेकिन वेजिटेरियन्स के लिए भी यहां काफी ऑप्शन्स हैं। यहां का खानपान सादा होने के बावजूद बेहद स्वादिष्ट होता है। यहां लोग रोटी की जगह चावल का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। तो अगर आप यहां जाएं, तो यहां के इन जायकों को जरूर ट्राय करें।

टंगरीमबाई : यह एक शाकाहारी डिश है। जिसे सोयाबीन का इस्तेमाल होता है। यह खासी समुदाय में रोजाना खाई जानी वाली डिश है। खासो हिल्स में आप हर एक जगह इस डिश का आनंद ले सकते हैं।

नाखम बोरिंग बेलती चटनी : यह डिश गारो जनजाति के लोगों की पसंदीदा डिशेज में से एक है। जो ड्राय फिश से तैयार की जाती है। ड्राय फिश के अलावा इसमें भूने टमाटर को छिलका उतारकर, लहुसन के साथ बनाया जाता है। इसे चावल के साथ परोसा जाता है।

नखम बिच्ची : नखम बिच्ची सूखी मछली और उबली सब्जियों से बनाया जाने वाला एक टेस्टी सूप है, जो मेघालय में बहुत ही मशहूर है। जिसे ज्यादातर भोजन के बाद परोसा जाता है।

जादोह : जदोह खासी जनजाति की बहुत ही पॉपुलर डिश है। जिसे चावल और यहां के आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले मसालों के साथ तैयार किया जाता है। स्वाद बढ़ाने और हेल्दी बनाने के लिए सब्जियों के साथ इसमें कई तरह के हर्ब्स जैसे पुदीने और जिंजर को भी यूज किया जाता है। नॉनवेजिटेरियन्स को इसमें चिकन के छोटे-छोटे पीसेज मिलाकर सर्व किया जाता है।

दोह-खलीह : दोह-खलीह पोर्क सैलेड (सूअर के मांस का सलाद) है। जिसे बनाने के लिए पोर्क मीट को हल्का उबालकर, उसमें बहुत सारा प्याज, मिर्च-मसाला और नमक मिलाया जाता है। अगर आप नॉन वेजिटेरियन हैं, तो आपको ये डिश जरूर ट्राय करनी चाहिए।

पुखलीन : पुखलीन चावल के आटे से तैयार होने वाली मीठी डिश है जिसे मिठास के लिए गुड़ का इस्तेमाल होता है। जो देखने में काफी हद तक गुलगुले जैसा होता है। इसे अक्सर मेहमानों के स्वागत के दौरान परोसा जाता है।

साकिन गाटा : साकिन गाटा चिपचिपे सफेद चावल से तैयार किया जाने वाला एक केक है जिसमें भुने हुए तिल और केले के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। मेघालय आकर इसका स्वाद लेना न भी बिल्कुल मिस करें। टेस्टी होने के साथ ही ये काफी हेल्दी भी होता है।

हाथों, चेहरे और पूरे शरीर से ऐसे छुड़ाएं होली के रंग

होली एक बेहद रंगीन, हर्षोल्लास और मस्ती भरा त्योहार है। लेकिन जैसे कि कहते हैं हर अच्छाई के साथ कुछ बुराई भी होती है, होली के साथ भी ऐसा ही है और वो है होली खेलने के बाद चेहरे, शरीर और हाथों पर रह जाने वाले जिद्दी रंग जिससे हर कोई डरता है। जब तक त्वचा, नाखूनों और बालों से होली के रंग निकल नहीं जाते, तब तक हमें चैन नहीं मिलता और इसी चक्कर में हम कई बार अपने शरीर के साथ सख्त भी हो जाते हैं। घंटों शॉवर के नीचे खड़े हो होली के रंगों से मुक्ति पाने की कोशिश करते हैं। लेकिन आपको इसके लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हम आपको ऐसे ही कुछ नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप आसानी से होली के जिद्दी रंगों से छुटकारा पा सकेंगे।

चेहरे से होली के रंग ऐसे हटाएं-

-फेसवॉश का इस्तेमाल करने से पहले चेहरे पर नारियल का तेल लगाएं। तेल चेहरे से रंग को पिघला देता है और साबुन की मदद से सभी अतिरिक्त गंदगी और जमी हुई मैल को धोने में मदद करेगा।

-गेहूं के आटे को किसी भी कैरियर ऑयल में मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें और मसाज करें। फिर, इसे एक सौम्य क्लीन्जर से धो लें।

-मुल्तानी मिट्टी उपचार का भी उपयोग किया जा सकता है क्योंकि यह रंग को सुखाने में मदद करेगा और अंत में धोने के बाद इसे हटा देगा।

-त्वचा की खुजली को दूर करने के लिए ग्लिसरीन और गुलाबजल को भी मिलाकर लगाया जा सकता है।

-भीगे हुए अमचूर पाउडर का इस्तेमाल करें, हालांकि, इससे चेहरे को ज्यादा धोने से बचें क्योंकि इससे चेहरा रूखा हो सकता है।

नाखूनों से होली के रंग कैसे हटाएं-

-होली के रंग नाखूनों को रूखा और बेजान बना सकते हैं, इसलिए नाखूनों को ठंडे पानी में भिगोकर रखें।

-होली खेलने के बाद नाखून पीले होने लगते हैं। इससे बचने के लिए आपको नींबू के रस की जरूरत है। 10 मिनट के लिए अपने नाखूनों को नींबू के रस में डुबोकर रखें।

-ट्रांसपेरेंट नेल पॉलिश की एक कोटिंग लगाएं और अपनी उंगलियों को गुनगुने पानी की कटोरी में डुबोएं। बादाम के तेल की कुछ बूंदें डालें और रंग धीरे-धीरे आसानी से निकलने लगेगा।

होली पर अपनों के लिए बनाएं हर तरह की मनपसंद मिठाई

होली रंगों का त्योहार है, जिसमें हर कोई अपने दुश्मनी भूल कर एक-दूसरे को बधाई देता है। जगह-जगह लोग होली की बधाई देने के लिए एक-दूसरे के घर जाते हैं। जिसके चलते लोग अपने घरों में कई तरह के सामान बनाते हैं। जैसे-जैसे होली का त्योहार पास आता है वैसे-वैसे भारतीय घरों में खाने-पीने का सामान बनना शुरू हो जाता है। लोग अपने घरों में पापड़ बनाते हैं, गुजिया बनाते हैं, मठरी और नमकीन बनाते हैं। इसके साथ ही होली पर मिठाई खिलाकर भी मुंह मीठा किया जाता है। अगर आप भी अपने घर में अपने रिश्तेदारों के लिए मिठाई बनाने जा रहीं हैं, पर इस संशय में हैं कि ऐसा क्या बनाएं जो हर किसी के मन को भाए तो आपकी इस दुविधा का जबाव हमारे पास है। दरअसल, आज हम आपको कुछ ऐसी मिठाइयों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप अपने घर पर बना सकते हैं। अगर आप इन मिठाइयों की रेसिपी को घर पर ट्राई करेंगी तो इससे आपके मेहमान खुश हो जाएंगे।

बेसन की बर्फी : बेसन की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले चने की दाल को साफ कर लें। इसके बाद कड़ाही में घी डालकर इसे अच्छे से भूनें। भूनने के बाद इसे ठंडा करें और ग्राइंडर में डालकर बारीक पीस लें। अब आपकी मिठाई के लिए भुना हुआ चने का आटा तैयार है। अब इस पाउडर में चीनी का पाउडर मिलाकर रख लें। इसके साथ में इसमे ड्राई फ्रूट्स भी डाल लें। अब देसी घी को डालकर अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण को रोटी के आटे की तरह गूंथ लें। जब ये सारी सामग्री अच्छे से मिक्स हो जाए तो किसी बड़ी प्लेट में घी लगाकर चिकना कर लें। जिस पर मिश्रण डालकर इसे मचनाहे आकार में काट लें।

काजू पिस्ता रोल : ये बनाने के लिए आपको काजू को भिगोकर रखने पड़ेंगें। पिस्ता का छिलका निकालकर भी अलग कर दें। अब इन दोनों का अलग-अलग पेस्ट बना लें। इस काजू और पिस्ते के पेस्ट में मात्रा के हिसाब से पांच सौ ग्राम चीनी काजू में और सौ ग्राम चीनी पिस्ता में मिला लें। इसके बाद एक कढ़ाही में थोड़ा सा देसी घी डालकर तब तक भूनें जब तक कि चीनी गल ना जाए। यहीं काम पिस्ता के साथ भी करें। दोनों मिश्रण में इलायची पाउडर डालें। अब किसी समान तली वाले बर्तन में काजू का पेस्ट फैलाकर उसके ऊपर पिस्ता की पतली सी शीट फैलाएं। इसके बाद दोनों का एक साथ रोल बनाएं और अब इसे काट के चांजी के वर्क से सजाएं।

घर पर बनाएं चॉकलेट ड्राई फ्रूट बर्फी : चॉकलेट ड्राई फ्रूट बर्फी को बनाना बेहद आसान होता है। इसके लिए आपको देसी घी, खोवा, घिसा हुआ मिल्क चॉकलेट, बादाम, अखरोट, पिसी चीनी, ब्रेड का बुरादा, घिसा हुआ नारियल, मनचाहे ड्राईफ्रूट्स, इलायची पाउडर, गुलाबजल और केवड़ा एसेंस की जरूरत पड़ेगी। बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले सारी चीजों को अच्छे से मिलाकर इसमें केवड़ा एसेंस डाल लें। इब इसे बेकिंग ट्रे पर फैला लें। इसके बाद इसे 180 डिग्री में 25 मिनट के लिए ओवन में छोड़ दें। अब बस इसे ठंडा होने

का बाद अपने मनचाहे आकार में काट लें और अपने मेहमानो को परोसें।

ऐसे बनाएं कराची हलवा : कराची हलवा बनना बेहद आसान है। इसको बनाने के लिए आपको दूध या फिर खोये की जरूरत पड़ेगी। सबसे पहले कॉर्नफ्लोर को पानी में घोल कर रख दें। अब एक पैन में चीपी और पानी डालकर उबालें। जब चीनी घुल जाए तो इसमें कॉर्नफ्लोर डाल दें। अब इसे धीमीं आंच पर पकाएं। जब ये गाढ़ा हो जाए तो इसमें घी डालें। साथ में थोड़ी सी टाटरी भी डाल दें। इसे बत तक चलाएं, जब तक ये सारा घी सोख ले। अब इसमें थोड़ा सा फूड कलर डालें। जमने से पहले ही इसे ट्रे में निकाल लें और ठंडा होने पर बर्फी के आकार में काट लें।

लौकी की बर्फी : इस मिठाई को बनाना बेहद आसान है। इसके लिए आप सबसे पहले लौकी को छील कर उसे कद्दूकस कर लें। इसके पानी को अच्छे से निचोड़ कर अलग रख लें। अब कड़ाही में दूध डाल कर इसे अच्छे से पकाएं। लौकी के पकने के बाद गैस तेज करें और दूध पकाएं। अब कंडेस्ड मिल्क डालकर इसे गाढ़ा करें। अंत में घी लगी ट्रे में इसे निकाल कर मनचाहे आकार में काट लें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**